राष्ट्रीय दैनिक

प्रातःकिरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

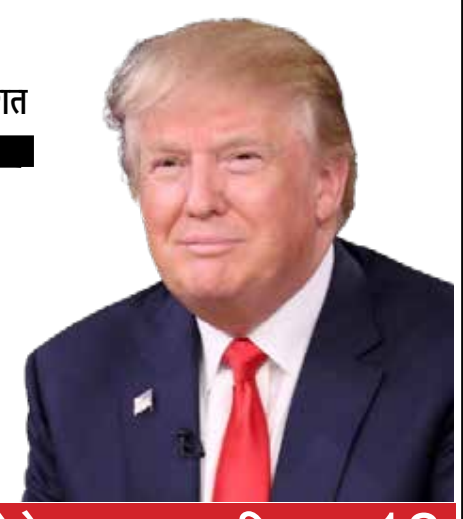

03 विश्वास नगर में जनता ने जताया केजरीवाल पर विश्वास, जनता ...

ट्रंप ने पूर्व सहयोगी पीटर नवारो को ट्रेड एडवाइजर किया ... 12

वर्ष : 15 | अंक : 130 | नई दिल्ली, शुक्रवार, 06 दिसंबर, 2024 | विक्रम संवत् 2081 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

मौसम

अधिकतम तापमान 36°C

न्यूनतम तापमान 28.0°C

हां 30%

नहीं 50%

कह नहीं सकते 10%

बाजार

सोना 71,105

चांदी 81,500

सेंसेक्स 78,886

निफ्टी 24,117

संक्षिप्त खबरें

उत्तर प्रदेश: विधानसभा का शीतकालीन सत्र 16 दिसंबर से होगा शुरू

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा का शीतकालीन सत्र 16 दिसंबर से शुरू होगा। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल 16 दिसंबर को पूर्वाह्न 11 बजे शीतकालीन सत्र को संबोधित करेंगी। यह इस वर्ष का तीसरा सत्र होगा। शीतकालीन सत्र के संबंध में एक अधिसूचना बृहस्पतिवार को जारी कर दी गई।

इसरो ने प्रोबा-3 मिशन के लिए फिर से उल्टी गिनती शुरू की

श्रीहरिकोटा (आंध्र प्रदेश)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने बृहस्पतिवार को यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ईएसए) के प्रोबा-3 मिशन की शुरूआत के लिए फिर से 8.5 घंटे की उल्टी गिनती शुरू की। बेंगलुरु स्थित अंतरिक्ष एजेंसी ने मूल रूप से यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ईएसए) के प्रोबा-3 को बुधवार को शाम 4.08 बजे यहां के स्पेसपोर्ट से प्रक्षेपित करने की योजना बनाई थी। हालांकि, प्रक्षेपण से कुछ देर पहले ही यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के अनुरोध के बाद इसरो ने पीएसएलवी-सी59/प्रोबा-3 के प्रक्षेपण का समय पुनर्निर्धारित किया और प्रक्षेपण की उल्टी गिनती के लिए पांच दिसंबर शाम चार बजकर चार मिनट का समय तय किया। उपग्रह प्रणोदन प्रणाली में विसंगति पाए जाने के बाद इसे पुनर्निर्धारित किया गया।

महत्वपूर्ण खबर

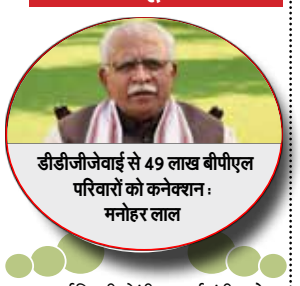

डीडीजीजेवाई से 49 लाख बीपीएल परिवारों को कनेक्शन : मनोहर लाल

नई दिल्ली। केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल ने गुरुवार को बताया कि दीन दयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना और सौभाग्य योजना के तहत दो करोड़ 86 लाख से अधिक घरों को बिजली कनेक्शन दिए गए हैं जिनमें 49 लाख से ज्यादा बीपीएल परिवार शामिल हैं। उन्होंने दावा किया कि देश के सभी गांवों में बिजली पहुंच गई है। लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान डीएमके सदस्य सेलवम जी. के पूरक प्रश्न के उत्तर में मंत्री ने बताया कि साल 2014 से पहले ग्रामीण विद्युतीकरण और राजीव गांधी ग्रामीण विद्युत योजना लागू की गई थी।

झारखंड के गुमला में ट्रक-कार टक्कर में तीन लोगों की मौत, दो घायल

गुमला। झारखंड के गुमला जिले के बसिया में बुधवार-गुरुवार की दरमियानी रात एक सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी मृतक रांची के रहने वाले हैं।जानकारी के अनुसार, बसिया थाना के पास देर रात रांची की ओर आ रही कार और गुमला की तरफ जा रहे ट्रक के बीच जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। कार में सवार लोग एक शादी समारोह में शामिल होने सिमडेगा गए थे और वहां से वापस रांची आ रहे थे।हादसे के बाद पुलिस और स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे।

न्यायमूर्ति मनमोहन ने ली उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश पद की शपथ

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश मनमोहन ने गुरुवार को उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश पद की शपथ ली। शीर्ष अदालत के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने यहां आयोजित एक समारोह में न्यायमूर्ति मनमोहन को शपथ दिलाई। न्यायमूर्ति मनमोहन के शपथ ग्रहण करने के साथ ही शीर्ष अदालत में न्यायाधीशों की कुल निर्धारित संख्या 34 के मुकाबले 33 हो गई। इस अवसर पर शीर्ष अदालत के अन्य न्यायाधीशों के अलावा अनेक वरिष्ठ अधिवक्ता और अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे। न्यायमूर्ति खन्ना की अध्यक्षता वाले शीर्ष न्यायालय के कॉलेजियम ने नवंबर में न्यायमूर्ति मनमोहन को पदोन्नत कर उच्चतम न्यायालय का न्यायाधीश बनाने की शिफारिश की थी। इसके बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु की सहमति के बाद तीन दिसंबर को केंद्र सरकार ने एक अधिसूचना जारी कर न्यायमूर्ति मनमोहन को शीर्ष अदालत में न्यायाधीश नियुक्त करने की घोषणा की थी। न्यायमूर्ति मनमोहन को 13 मार्च, 2008 को दिल्ली उच्च न्यायालय का न्यायाधीश नियुक्त किया गया था और वह 29 सितंबर, 2024 से उस उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में कार्य कर रहे हैं। शीर्ष अदालत के चार वरिष्ठतम न्यायाधीशों के कॉलेजियम की सिफारिश के बाद उनकी ओर से जारी एक बयान में कहा गया था कि न्यायमूर्ति मनमोहन उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की संयुक्त अखिल भारतीय वरिष्ठता में क्रम संख्या दो पर हैं। इसके साथ वह दिल्ली उच्च न्यायालय में सबसे वरिष्ठ हैं। न्यायमूर्ति मनमोहन का चुनाव करते हुए कॉलेजियम ने यह भी उल्लेख किया था कि उच्चतम न्यायालय में दिल्ली उच्च न्यायालय का प्रतिनिधित्व केवल एक न्यायाधीश कर रहे हैं। शीर्ष अदालत के मुख्य न्यायाधीश खन्ना दिल्ली उच्च न्यायालय से हैं। न्यायमूर्ति मनमोहन पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल जगमोहन के पुत्र हैं। उनका जन्म 17 दिसंबर, 1962 को दिल्ली में हुआ था। उन्होंने अपनी स्कूली शिक्षा दिल्ली के बाराखंभा रोड स्थित मॉडर्न स्कूल से की। उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय के हिंदू कॉलेज से इतिहास में बीए (ऑनर्स) की डिग्री प्राप्त की और 1987 में दिल्ली विश्वविद्यालय के कैंपस लॉ सेंटर से वकालत (एलएलबी) की पढ़ाई पूरी की। वह उसी वर्ष दिल्ली बार काउंसिल में अधिवक्ता के रूप में नामांकित हुए। उन्होंने मुख्य रूप से भारत के सर्वोच्च न्यायालय और दिल्ली उच्च न्यायालय में सिविल, आपराधिक, संवैधानिक, कराधान, मध्यस्थता, ट्रेडमार्क और सेवा मुकदमेबाजी में वकालत की। उन्हें 18 जनवरी, 2003 को दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा वरिष्ठ अधिवक्ता के रूप में नामित किया गया था।

एकनाथ शिंदे व अजित पवार ने उपमुख्यमंत्री पद की ली शपथ

फडणवीस ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री पद की ली शपथ

मुंबई के ऐतिहासिक आजाद मैदान में राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत भाजपा और एनडीए के कई दिग्गज नेता मौजूद रहे। देवेंद्र फडणवीस के साथ शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष अजित पवार ने उपमुख्यमंत्री के रूप में पद एवं गोपनीयता की शपथ ली।

प्रातः किरण संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र के नए मुख्यमंत्री के रूप में दिग्गज भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस ने गुरुवार को शपथ ली। मुंबई के ऐतिहासिक आजाद मैदान में राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत भाजपा और एनडीए के कई दिग्गज नेता मौजूद रहे। देवेंद्र फडणवीस के साथ शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष अजित पवार ने उपमुख्यमंत्री के रूप में पद एवं गोपनीयता की शपथ ली।

महाराष्ट्र भाजपा विधायक दल के नेता के रूप में फडणवीस के नाम पर बुधवार को मुहर लगाई गई थी। इसके बाद, फडणवीस, शिंदे और पवार ने 4 दिसंबर को राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन से मिलकर महायुति सरकार बनाने का दावा पेश किया था। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में भाजपा के नेतृत्व वाले महायुति गठबंधन ने शानदार जीत दर्ज की थी। उसने 288 में से 235 सीटों पर विजय हासिल की थी। यह परिणाम भाजपा के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ, जो 132 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। वहीं, विपक्षी महा विकास अघाड़ी को बड़ा झटका लगा, जिसमें कांग्रेस को सिर्फ 16 सीटें मिली थीं। गठबंधन सहयोगी शिवसेना यूबीटी ने 20 सीटें जीतीं, जबकि एनसीपी शरद पवार गुट को सिर्फ 10 सीटें मिली थीं।

शपथग्रहण समारोह में पीएम मोदी सहित एनडीए नेताओं का जुटान

मुंबई। शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अलावा केंद्रीय मंत्री अमित शाह, नितिन गडकरी और राजनाथ सिंह, राजग शासित राज्यों के मुख्यमंत्री और उद्योग तथा फिल्म जगत की कई दिग्गज शामिल हुए। समारोह में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू, उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी, हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी, गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत सहित राजग शासित कई राज्यों के मुख्यमंत्री भी शामिल हुए। भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष जे पी नड्डा, केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण, शिवराज सिंह चौहान, ज्योतिरादित्य सिंधिया और रामदास आठवले भी इस कार्यक्रम में मंच पर मौजूद थे। उद्योगपति मुकेश अंबानी और कुमार मंगलम बिड़ला तथा अभिनेता शाहरुख खान, सलमान खान, रणबीर कपूर, माधुरी दीक्षित-नेने, संजय दत्त और क्रिकेट के दिग्गज सचिन तेंदुलकर भी समारोह में उपस्थित थे।

रणनीतिक कौशल के बलबूते हुई फडणवीस की ताजपोशी

मुंबई। साधारण पृष्ठभूमि से उठकर महाराष्ट्र की राजनीति में अपना लोहा मनवाने वाले भारतीय जनता पार्टी के कद्दावर नेता देवेंद्र फडणवीस ने बृहस्पतिवार को मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। वह इससे पहले भी दो बार इस पद पर रह चुके हैं। बीस नवंबर के विधानसभा चुनाव में भाजपा के निर्णायक प्रदर्शन के बाद फडणवीस को बुधवार को प्रदेश भाजपा विधायक दल का नेता चुना गया। इसी के साथ उनके तीसरी बार राज्य की बागडोर संभालने की राह तैयार हो गई। फडणवीस की राजनीतिक यात्रा उल्लेखनीय रही है। इस दौरान उन्होंने एक गुमनाम पार्षद से लेकर नागपुर का सबसे युवा महापौर बनने का गौरव हासिल किया। इसके बाद उन्होंने भाजपा के भीतर एक प्रमुख नेता के रूप में अपनी स्थिति मजबूत की। उल्लेखनीय बात यह है कि वह शिवसेना के मनोहर जोशी के बाद महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री बनने वाले दूसरे ब्राह्मण हैं।

बाबर के युग में जो हुआ और अब बांग्लादेश में जो हो रहा है उसका डीएनए एक: योगी

500 वर्ष पहले बाबर के एक जनरल ने अयोध्या और संभल में जो कृत्य किए थे ठीक वैसा ही आज बांग्लादेश में हो रहा है : सीएम

प्रातः किरण/एजेंसी

अयोध्या, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्षी दलों पर समाज को बांटने का आरोप लगाते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि अयोध्या व संभल में मुगल शासक बाबर की सेना ने जो किया और आज जो बांग्लादेश में हो रहा है, उसका डीएनए एक ही है।

मुख्यमंत्री ने यहां 43वें रामायण मेले का उद्घाटन करने के बाद कहा, भगवान राम ने इस पूरे समाज को एक किया था। अगर हमने एकता को महत्व दिया होता और देश के दुश्मनों की रणनीति सफल नहीं होने दी होती तो यह देश कभी गुलाम नहीं बनता। हमारे तीर्थ कभी अशुद्ध नहीं हुए होते। मुट्ठीभर आक्रांता हम पर आक्रमण नहीं कर पाते और भारत के वीर सैनिकों ने उन्हें कुचल दिया होता। मुख्यमंत्री ने किसी का नाम लिए बगैर कहा, लेकिन इस समाज में अड़चने पैदा करने वाले सफल हो गए। सामाजिक ताने-बाने को छिन्न भिन्न करने के लिए जाति आधारित राजनीति करने वाले आज भी सक्रिय हैं। उन्होंने कहा, आप देखें कि पड़ोसी देशों में हमारे दुश्मन किस प्रकार का कृत्य कर रहे हैं। 500 वर्ष पहले बाबर के एक जनरल ने अयोध्या और संभल में जो कृत्य किए थे ठीक वैसा ही आज बांग्लादेश में हो रहा है। इन तीनों जगहों पर कृत्यों की प्रकृति और डीएनए समान है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अगर कोई सोचता है कि बांग्लादेश में जो हो रहा है, वह यहां नहीं होगा तो वह भ्रमित है। उन्होंने कहा कि विभाजनकारी तत्व पहले से ही यहां खड़े हैं और सामाजिक ताना बाना खराब कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा, इन विभाजनकारी ताकतों में कई ऐसे लोग हैं, जिन्होंने विदेशों में संपत्ति खरीदी हुई है और यहां संकट पैदा होने पर वे भागकर उन स्थानों पर चले जाएंगे तथा यहां लोगों को मरने के लिए छोड़ देंगे। वे यही करते हैं। बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के इस वर्ष अगस्त में पतन के बाद से पड़ोसी मुल्क में हिंदू समुदाय समेत धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ व्यापक हिंसा की खबरें आ रही हैं।

अदाणी की जांच नहीं करा सकते प्रधानमंत्री क्योंकि वह खुद जांच के दायरे में आ जाएंगे: राहुल

प्रातः किरण/एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अदाणी समूह से जुड़े मामले की जांच नहीं कर सकते क्योंकि वह खुद जांच के दायरे में आ जाएंगे। उन्होंने संसद परिसर में अदाणी समूह के मामले को लेकर विपक्ष के प्रदर्शन के दौरान संवाददाताओं से बातचीत में यह आरोप भी लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी और अदाणी एक हैं। राहुल गांधी ने दावा किया, अदाणी की जांच मोदी नहीं करा सकते, क्योंकि अगर वह जांच कराएंगे तो खुद उनकी जांच होगी। उन्होंने जो टी-शर्ट पहन रखी थी उसके पीछे मोदी-अदाणी एक हैं, अदाणी सेफ हैं लिखा हुआ था। रिश्वतखोरी और धोखाधड़ी के आरोपों में अदाणी समूह के प्रमुख गौतम अदाणी और कंपनी के अन्य अधिकारियों पर अमेरिकी अभियोजकों द्वारा अभियोग लगाए जाने के बाद कांग्रेस और कुछ अन्य विपक्षी दल संयुक्त संसदीय समिति से आरोपों की जांच कराए जाने की मांग कर रहे हैं।

निर्माण में गड़बड़ी करने वाले ठेकेदारों को बख्शा नहीं जाएगा: गडकरी

प्रातः किरण/एजेंसी

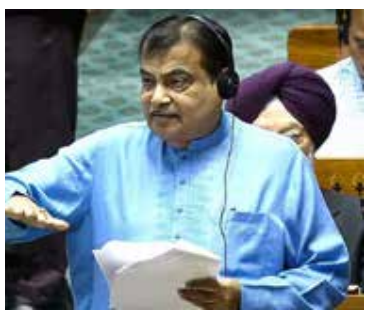

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने लोकसभा में गुरुवार को कहा कि राजमार्गों के निर्माण में कमी को लेकर सरकार गंभीर है और इसमें गड़बड़ी करने वाले ठेकेदारों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

गडकरी ने प्रश्नकाल के दौरान एक पूरक प्रश्न के जवाब में कहा कि दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे देश का सबसे लंबा राजमार्ग है। इस एक्सप्रेस वे से लोग दिल्ली से 12 घंटे में मुंबई पहुंच सकेंगे। उन्होंने कहा कि कुछ जगहों पर सड़कें धंस गई है, लेकिन नीचे की सतह सही है और इसमें सही सामग्री का इस्तेमाल किया गया है। इस मार्ग की मरम्मत की दस साल की जिम्मेदारी ठेकेदार के पास है।

उन्होंने कहा कि सड़कों की कमी आने पर चार ठेकेदारों को जिम्मेदार ठहराकर उनको नोटिस दिया गया है और कार्रवाई की जाएगी। किसी को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि गुणवत्ता को लेकर कोई समझौता नहीं किया गया जाएगा। श्री गडकरी राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के हनुमान बेनीवाल की ओर से पूछे गये प्रश्न का जवाब दे रहे थे। श्री बेनीवाल ने कहा कि कि दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे की तकनीकी खराबी के कारण दुर्घटनाएं हुई है, जिसमें करीब 150 लोगों की जान गई है।

श्री गडकरी ने एक अन्य पूरक प्रश्न के जवाब में कहा कि राजमार्गों पर होने वाली दुर्घटनाओं को कम करने को लेकर सरकार प्रतिबद्ध है। इसमें लोगों को भी सहयोग करने की जरूरत है। लोगों को नियम और कानून का पालन करना चाहिए।

महाकुंभ मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत ने अधिकारियों को सभी आवश्यक तैयारियां समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं।

पीएम मोदी के आगमन पर फेस्टिव मूड में नजर आएगा पूरा महाकुंभ नगर और प्रयागराज

नई दिल्ली, एजेंसी

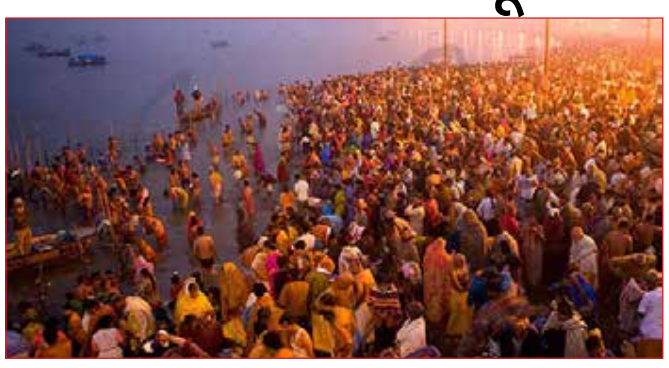

महाकुंभ नगर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 13 दिसंबर को महाकुंभ 2025 की तैयारियों का जायजा लेने और परियोजनाओं का लोकार्पण करने महाकुंभ नगर और प्रयागराज आ रहे हैं। उनके आने से पूर्व स्वयं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 7 दिसंबर को सभी तैयारियों का जायजा लेंगे।

पीएम मोदी की यात्रा के मद्देनजर सभी विभागों को अपनी दफ्तरों और इमारतों के सौंदर्यीकरण के निर्देश दिए गए हैं। इमारतों को फसाड लाइटिंग से रौशन किए जाने की भी योजना है। इसके अतिरिक्त प्रमुख चौराहों और सड़कों को भी दुल्हन की तरह सजाया जाएगा। मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत ने अधिकारियों को सभी आवश्यक तैयारियां समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही, जिन परियोजनाओं का प्रधानमंत्री लोकार्पण करेंगे, उन्हें भी समय से पूर्व पूर्ण किए जाने के लिए आवश्यक निर्देश प्रदान किए गए हैं। मंडलायुक्त ने बताया कि पीएम मोदी के दौरे की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। इन्हें निर्धारित समय सीमा में पूर्ण कर लिया जाएगा। प्रधानमंत्री के आने से पूर्व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का भी भ्रमण 7 दिसंबर को होना है। सीएम के निदेर्शों के अनुसार सभी कार्य कराए जा रहे हैं। सीएम स्वयं इन सभी कार्यों की समीक्षा करेंगे।

उन्होंने कहा कि पीएम मोदी की यात्रा के दौरान पूरा शहर स्वच्छ और हरित महाकुंभ की परिकल्पना को साकार करता नजर आएगा।

> पीएम मोदी की यात्रा के मद्देनजर सभी विभागों को अपनी दफ्तरों और इमारतों के सौंदर्यीकरण के निर्देश दिए गए हैं। इमारतों को फसाड लाइटिंग से रौशन किए जाने की भी योजना है। इसके अतिरिक्त प्रमुख चौराहों और सड़कों को भी दुल्हन की तरह सजाया जाएगा। मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत ने अधिकारियों को सभी आवश्यक तैयारियां समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही, जिन परियोजनाओं का प्रधानमंत्री लोकार्पण करेंगे, उन्हें भी समय से पूर्व पूर्ण किए जाने के लिए आवश्यक निर्देश प्रदान किए गए हैं। मंडलायुक्त ने बताया कि पीएम मोदी के दौरे की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं।

शासन द्वारा दिए गए निदेर्शों के अनुसार, सभी विभागों को अपने-अपने दफ्तरों को शोभनीय बनाते हुए उसमें फसाड लाइटिंग और उसका यथासंभव सौंदर्यीकरण कराने के निर्देश दिए गए हैं। इस दिशा में भी काम जोर-शोर से चल रहा है। इसके अतिरिक्त प्रमुख चौराहों, सड़कों और पार्कों को भी सजाया जाएगा। मंडलायुक्त ने बताया कि पीएम के दौरे को लेकर सभी विभाग और अधिकारी पूरी तत्परता से जुटे हुए हैं। पीडब्ल्यूडी सभी महत्वपूर्ण सड़कों का नवीनीकरण तेजी से पूरा कर रहा है। सभी जंक्शंस और सड़क सौंदर्यीकरण का कार्य प्रयागराज डेवलपमेंट अथॉरिटी और पीडब्ल्यूडी द्वारा समय पर पूर्ण कर लिया जाएगा। नगर निगम की ओर से स्ट्रीट लाइटिंग और थीमैटिक लाइटिंग का कार्य किया जा रहा है। विद्युत विभाग की ओर से सभी पावर केबल्स को बिछाने का काम भी तेजी से पूरा किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त सीएंडडीएस द्वारा गेट्स और इंस्टॉलेशन वर्क कंप्लीट कर लिया जाएगा। कॉरिडोर्स के काम को भी अंतिम रूप दिया जा रहा है और इसे समय पर पूरा कर लिया जाएगा। घाटों पर स्वच्छता और पवित्रता बनाए रखने के लिए दिन रात काम हो रहा है।

पीएम के दौरे से पहले 7 दिसंबर को सीएम योगी महाकुंभ नगर और प्रयागराज में तैयारियों का जायजा लेंगे और खोया-पाया केंद्र तथा सेक्टर-1 में स्थापित पब्लिक एकमोडेशन का उद्घाटन भी करेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सीएम योगी 7 दिसंबर को अपनी यात्रा के दौरान सर्किट हाउस में पीएम मोदी के कार्यक्रम को लेकर संगठन के पदाधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक करेंगे। यहीं पर वह महाकुंभ 2025 के कार्यों की समीक्षा बैठक में भी हिस्सा लेंगे।

संक्षिप्त समाचार

चयन वेतनमान लागू करने की मांग उठाई

खटीमा, एजेंसी। प्राथमिक शिक्षक संघ के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने बीईओ भानुप्रताप कुशवाहा से मुलाकात की। उन्होंने चयन वेतनमान लागू करवाने, लंबित देयकों का भुगतान करवाने की मांग की। बीईओ ने समाधान का आश्वासन दिया। वहां अध्यक्ष कमान सिंह, छविराज कफलिया, जितेंद्र यादव, रंजना, रजनी आदि थे।

डॉक्टर का दो महीने का रोका गया वेतन

रुद्रपुर, एजेंसी। गैर जनपद में तबादला होने के बाद भी ज्वाइन नहीं करने पर स्वास्थ्य विभाग ने डॉक्टर का दो महीने का वेतन रोक दिया। वेतन जारी नहीं होने के बाद डाक्टर ने नई जगह ज्वाइन कर लिया है। एसीएमओ ने अस्पताल से उपस्थिति पंजीका देखने के बाद ही वेतन जारी करने की बात कही है। खटीमा उप जिला चिकित्सालय में सर्जन डॉ. मिथुन का कुछ महीने पहले टिहरी तबादला हो गया था। उन्होंने नई जगह पर ज्वानिंग के लिए एक महीने का समय मांगा था। यह मामला संज्ञान में आया तो विभाग ने कार्यवाही शुरू कर डॉक्टर का वेतन रोक दिया। एसीएमओ डॉ. राजेश आर्या ने बताया कि डाक्टर मिथुन का टिहरी तबादला हुआ था लेकिन उन्होंने नई जगह ज्वाइन नहीं की। संज्ञान में आया था कि वे अस्पताल में सेवाएं नहीं दे रहे हैं। इस वजह से उनका दो महीने का वेतन रोका गया है।

सड़क निर्माण कराने की मांग

जसपुर, एजेंसी। आनंद विहार कॉलोनी के लोगों ने एसडीएम को पत्र देकर सड़क का निर्माण कराए जाने की मांग की। कॉलोनीवासियों ने एसडीएम गौरव चटवाल को दिए पत्र में कहा कि अधिशासी अधिकारी एवं निवर्तमान पालिका अध्यक्ष को कई बार पत्र देकर सड़क निर्माण की मांग कर चुके हैं। एसडीएम ने सड़क निर्माण कराए जाने का आश्वासन दिया है। वहां विकास बिश्नोई, राजेंद्र सिंह, पराग अग्रवाल, सीपी आदि रहे।

विधायक से की लिंक मार्ग दुरुस्त करने की मांग

गूलरभोज, एजेंसी। गोविंदपुर वार्ड दो के लोगों ने विधायक अरविंद पांडेय से मुलाकात कर समस्याओं से अवगत कराया। लोगों ने बताया कि फ्रैश मसाला से भरतपुर नहर तक खेतों से जल निकासी के लिए बना नाला मिट्टी से भर चुका है। हर वर्ष फसलें डूब जाती हैं। गूलरभोज-गदरपुर मुख्य मार्ग से गोविंदपुर लिंक मार्ग गड्ढों में तब्दील हो चुका है। लोगों ने विधायक से मार्ग को दुरुस्त करने की मांग की। विधायक ने आश्वस्त किया। वहां प्रेम मेहरा, इंद्र सिंह राठौर, आनंदी जीना, विद्या, ममता आदि मौजूद थे।

मंगोली क्षेत्र में भिड़े दो पर्यटक वाहन

नैनीताल, एजेंसी। समीपवर्ती मंगोली क्षेत्र में बुधवार को संकरे मोड़ पर अनियंत्रित होकर दो पर्यटक वाहन भिड़ गए। गनीमत रही कि पर्यटकों को चोट नहीं आई। वहीं दोनों वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए।

जानकारी के अनुसार गाजियाबाद निवासी विनोद कुमार अपने परिजनों के साथ कालाढूंगी की ओर जा रहे थे। उन्होंने मंगोली के पास जैसे ही मोड़ काटा तो सामने से आ रही कार से उनके वाहन की भिड़ंत हो गई। दूसरा वाहन फिरोजाबाद निवासी गुरुराज सिंह चला रहे थे। टक्कर से दोनों कार सवारों को कोई चोट नहीं आई, लेकिन वाहन क्षतिग्रस्त हो जाने से दोनों पक्षों में विवाद हो गया। सूचना के बाद पहुंची मंगोली पुलिस ने मामला शांत करवाया। चौकी इंचार्ज भूपेंद्र सिंह मेहता ने बताया कि दोनों पक्षों में समझौता हो गया। मोड़ संकरा होने के कारण उक्त स्थान पर अब तक तीन हादसे हो चुके हैं, जिसमें से नैनीताल निवासी युवक की मौत तक हो चुकी है।

जेसीबी पर गिरा पिलर, बाल-बाल बचा चालक

नैनीताल, एजेंसी। जिला प्रशासन के निर्देश पर जिला विकास प्राधिकरण की ओर से तल्लीताल प्राइमरी स्कूल के पास पार्किंग स्थापना को लेकर विद्यालय भवन को गिराया जा रहा है। बुधवार को प्राधिकरण अधिकृत ठेकेदार की ओर से जेसीबी के माध्यम से भवन को गिराया जा रहा था। इसी दौरान विद्यालय भवन का पिलर असंतुलित होकर जेसीबी के ऊपर गिर गया। चालक दीपक सिंह कुंजवाल ने त्वरित इसे भांप लिया और वाहन से कूद गया। इसी कारण उसे चोट नहीं आई जबकि पिलर से जेसीबी क्षतिग्रस्त हो गई।

बच्चों की सुरक्षा के साथ खिलवाड़...आठ सीटर वैन में भरे गए थे 16 बच्चे, वाहन सीज

देहरादून, एजेंसी। आरटीओ के निर्देश पर उप संभागीय परिवहन कार्यालय विकासनगर की टीम ने पछ्वादून क्षेत्र में करीब आठ घंटे तक स्कूल बसों की जांच की। सुबह सात बजे स्कूल खुलने से लेकर दोपहर करीब 2.50 बजे तक अभियान जारी रहा।

परिवहन विभाग ने बच्चों की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ कर वाहन में क्षमता से अधिक बच्चे ले जाने पर वैन को सीज कर दिया। आठ सीटर वैन में 16 बच्चे भरे गए थे। वैन स्कूल वाहन के लिए अधिकृत नहीं था। उधर, यातायात और सुरक्षा नियमों के उल्लंघन पर 27 स्कूली बसों के चालान किए गए। साथ ही एक अन्य वैन का स्कूल वाहन के रूप में प्रयोग, टैक्स व बीमा न जमा करने पर तीन स्कूली बस और एक मैजिक को भी सीज किया गया।

परिवहन विभाग ने स्कूल प्रबंधन को यातायात नियमों के उल्लंघन और बच्चों की सुरक्षा से खिलवाड़ करने पर कार्रवाई की चेतावनी दी है। बुधवार को आरटीओ के निर्देश पर उप संभागीय परिवहन कार्यालय विकासनगर की टीम ने पछ्वादून क्षेत्र में करीब आठ घंटे तक स्कूल बसों की जांच की। सुबह

सात बजे स्कूल खुलने से लेकर दोपहर करीब 2.50 बजे तक अभियान जारी रहा। टीम ने ढालीपुर, हरबर्टपुर, विकासनगर, कालसी, लांघा, सेलाकुई, सिंघनीवाला और शिमला बाईपास रोड पर स्कूल बसों की जांच की। इस दौरान अग्निशमन यंत्र, प्राथमिक उपचार किट, वाहन का लाइसेंस, बच्चों के बैठने के लिए प्रर्याप्त जगह नहीं मिलने आदि नियमों के उल्लंघन पर 27 स्कूल बसों के चालान किए गए।

वहीं, एआरटीओ प्रवर्तन आरएस कटारिया ने बाबूगढ़-बरोटीवाला मार्ग पर एक स्कूल वैन को रोका तो वह हैरान हो गए। वैन में एक स्कूल के 16 बच्चे बैठे थे। एआरटीओ ने जब बच्चों से पूछा किया प्रति छात्र उनके अभिभावक से क्या शुल्क लिया जा रहा है तो छात्रों ने बताया कि प्रति माह 1200 का यात्रा शुल्क दिया जाता है।

एआरटीओ ने बच्चों की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ को लेकर चालक को जमकर फटकार लगाई। इसके अलावा एक अन्य वैन का भी स्कूल वाहन के रूप में प्रयोग किया जा रहा था। हालांकि, वैन में ओवलोडिंग नहीं मिली। इसके अलावा तीन स्कूली बस और एक मैजिक को भी सीज किया गया। एआरटीओ प्रवर्तन ने बताया कि स्कूल प्रबंधन को सख्त चेतावनी दी गई है। आगे से यातायात और सुरक्षा नियमों के उल्लंघन पर वाहनों के सीधा सीज किया जाएगा। उन्होंने बताया कि अभियान लगातार जारी रहेगा।

यातायात नियमों के उल्लंघन पर 25 अन्य वाहनों के भी चालान किए गए। चार वाहनों को सीज भी किया गया। एआरटीओ प्रवर्तन आरएस कटारिया ने बताया कि ओवरलोडिंग, क्षमता से अधिक सवार बैठाने, लाइसेंस न दिखाने पर ट्रैक्टर-ट्रॉली, कार, ई-रिक्शा, मैक्स, डंपर और ट्रक मालिकों के खिलाफ कार्रवाई की गई। वहीं, टैक्स जमा और बीमा के नवीनीकरण न करने एक पिकअप, ट्रैक्टर-ट्रॉली, ट्रक और ई-रिक्शा को सीज किया गया है। एआरटीओ प्रवर्तन ने बताया कि विभाग स्कूल में जागरूकता अभियान चलाकर स्कूल प्रबंधन, शिक्षकों और छात्रों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करता है। बताया कि सभी को यातायात नियमों के पालन का संकल्प भी दिलाया जाता है, लेकिन नियमों का उल्लंघन और छात्रों की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ जारी है।

एआरटीओ प्रवर्तन आरएस कटारिया ने बताया कि वैन स्कूल वाहन के रूप में अधिकृत नहीं है। इससे दुर्घटना की स्थिति में गंभीर चोट लगने का खतरा रहता है।

हिमवंत कवि चन्द्र कुंवर बर्त्वाल खादी ग्रामोद्योग मेला को भव्य बनाने की तैयारी, डीएम व विधायक ने ली वर्चुअल बैठक

गोपेश्वर, एजेंसी। चमोली जनपद के विकासखंड पोखरी में 15 दिसम्बर से आयोजित होने वाला हिमवंत कवि चन्द्र कुंवर बर्त्वाल खादी ग्रामोद्योग मेले को लेकर गुरुवार को तहसील सभागार में जिलाधिकारी संदीप तिवारी और बदरीनाथ विधानसभा के विधायक लखपत बुटोला ने वर्चुअल के माध्यम से अधिकारियों की बैठक ली। जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने कहा हिमवंत कवि चन्द्र कुंवर बर्त्वाल खादी ग्रामोद्योग मेले को लेकर सभी

विभाग तैयारी करें और जिसमें सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही है। इन योजनाओं का प्रचार-प्रसार भी अपने स्तर से करेंगे जिससे आमजन को इसका फायदा मिल सकें। जिलाधिकारी ने ग्राम विकास, लोक निर्माण, पेयजल, वन विभाग, विद्युत, शिक्षा, पुलिस प्रशासन सहित तमाम विभागों को मेले में व्यवस्था करने के निर्देश दिए जिससे आमजन को किसी प्रकार की परेशानी न हो। विधायक लखपत बुटोला ने कहा हिमवंत कवि चन्द्र कुंवर बर्त्वाल खादी ग्रामोद्योग मेले को भव्य बनाने में शासन-प्रशासन से सहयोग की अपेक्षा है जिससे मेला भव्य बनाया जा सकें। उन्होंने कहा कि मेला आमजन की आवश्यकता की पूर्ति के लिए लगता है। यह मेला प्रशासन के सहयोग से ही संभव हो सकेगा। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी अबरार अहमद, सहायक अधिशासी अभियंता कृष्ण कुमार, खंड विकास अधिकारी राजेंद्र बिष्ट, थानाध्यक्ष विनोद चौरसिया, वन दरोगा आनंद सिंह, तहसीलदार सुधा डोबाल, विधायक प्रतिनिधि धीरेंद्र राणा, धीरेंद्र भंडारी, रविंद्र सिंह आदि मौजूद थे।

सड़क पर उतरे बंदरों के आतंक से त्रस्त नागरिक, वन विभाग के खिलाफ प्रदर्शन

हरिद्वार, एजेंसी। महानगर व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष सुनील सेठी के नेतृत्व में उत्तरी हरिद्वार के नागरिकों ने वन विभाग के खिलाफ सड़क पर उतरकर विरोध जताया। सुनील सेठी ने कहा कि उत्तरी हरिद्वार की आबादी पिछले कई समय से बंदरों के

आतंक से त्रस्त है। उन्होंने कहा कि कई गली-मोहल्ले के लोग बंदरों के काटने से चोटिल हो चुके हैं। पूरे उत्तरी हरिद्वार विशेषकर खड़खड़ी, भूपतवाला के साथ कनखल हरिद्वार के कई इलाकों में बंदरों के आतंक से जनता परेशान है। बंदरों की वजह से एक्सीडेंट भी हो रहे हैं। उत्तरी हरिद्वार के जनप्रतिनिधियों द्वारा कई बार वन विभाग व अन्य जिम्मेदार विभागों को ज्ञापन सौंपने के बाद भी कोई ठोस कार्यवाही नहीं हो पाई।

सनातन धर्म स्कूल के प्रधानाचार्य राजीव पंत ने बताया कि पिछले काफी समय से बंदरों के आतंक से परेशान हैं। बंदरों के हमले में कई लोग चोटिल हो चुके हैं। स्कूली बच्चों का निकलना, अध्यापकों का गुजराना मुश्किल हो चुका है। स्कूल की क्लासेज के समय दरवाजे तक बंद करने पड़ते हैं। स्थानीय निवासी प्रकाशवीर ने कहा कि भूपतवाला निष्काम भवन के सामने वाली गलियों से बच्चों, बुजुर्गों का निकलना मुश्किल हो गया है। बंदरों का आतंक बढ़ता जा रहा है।

व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष सेठी ने बताया कि अगर समस्या का समाधान नहीं हुआ तो जल्द वन मंत्री एवं मुख्यमंत्री से मिलकर गैर जिमेदार अधिकारियों की शिकायत क जाएगी। विरोध जताने वालो में प्रकाश वीर, गौरव खन्ना, सीता कुमारी, विमला देवी, बंटी प्रसाद, राकेश सिंह, राशि यादव, रेखा, पं. दिनेश कुमार, खुशी राम छाबड़ा, बंटी यादव, राकेश कुमार, सुनील मनोचा आदि थे।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री धामी का मुंबई में जोरदार स्वागत, महायुती सरकार के शपथ ग्रहण में होंगे शामिल

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी गुरुवार को मुंबई पहुंचे, जहां प्रवासी उत्तराखंडियों ने एयरपोर्ट पर उनका उत्साहपूर्वक स्वागत किया। प्रवासी समुदाय ने पारंपरिक वेशभूषा और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से मुख्यमंत्री का अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री धामी ने प्रवासी उत्तराखंडियों के इस प्रेम और समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया और उत्तराखंड की प्रगति में उनके योगदान की सराहना की।

मुख्यमंत्री धामी महाराष्ट्र में नवनिर्वाचित महायुती सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेने के लिए आजाद मैदान पहुंचे हैं। वहां पारंपरिक अंदाज में उनका स्वागत किया गया, जो उत्तराखंड की समृद्ध संस्कृति और प्रवासी समुदाय के गहरे जुड़ाव को दर्शाता है। शपथ ग्रहण समारोह में देशभर से विभिन्न राजनीतिक, सामाजिक और प्रशासनिक हस्तियां शामिल हो रही हैं। धामी का यह दौरा न केवल राजनीतिक बल्कि सांस्कृतिक और सामाजिक

दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। मुख्यमंत्री धामी शाम 4:30 बजे महाराष्ट्र में महायुती सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेंगे। इसके बाद रात 11 बजे देहरादून स्थित मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय में लौटेंगे।

मुख्यमंत्री का यह दौरा उत्तराखंड और महाराष्ट्र के बीच आपसी समन्वय और संबंधों को मजबूत करने का संकेत देता है। साथ ही प्रवासी उत्तराखंडियों के साथ इस तरह की मुलाकातें राज्य सरकार की विकास योजनाओं और प्रवासी समुदाय को जोड़ने में सहायक सिद्ध हो रही हैं। मुख्यमंत्री धामी ने मुंबई आगमन पर मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि उत्तराखंड सरकार प्रवासी उत्तराखंडियों के साथ अपने संबंधों को और प्रगाढ़ बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने महाराष्ट्र में बसे उत्तराखंडवासियों को राज्य की संस्कृति, परंपराओं और विकास से जुड़े रहने की अपील की।

उत्तराखंड में मार्च 2025 तक बनेंगे 16 हजार किफायती आवास

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड आवास विकास परिषद और मसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण (एमडीडीए) की ओर से निर्बल आय वर्ग वाले परिवारों के लिए करीब 16 हजार किफायती घरों का निर्माण किया जा रहा है। मार्च 2025 तक यह किफायती घर तैयार कर लिया जाएगा। उत्तराखंड आवास विकास परिषद 15 आवासीय परियोजनाओं पर काम कर रहा है। उत्तराखंड आवास विकास परिषद राज्य बनने के बाद पहली बार अपनी आवासीय परियोजनाओं पर काम कर रहा है। परिषद 15 परियोजनाएं निजी निवेशकों के साथ तैयार कर रहा है, जिसमें कुल 12,856 आवास शामिल हैं। जबकि शेष पांच संबंधित विकास प्राधिकरणों की ओर से विकसित की जा रही हैं, प्राधिकरणों के जरिए कुल 3104 आवास तैयार किया जा रहे हैं। अपर आयुक्त आवास पीसी दुम्का के मुताबिक अब तक निजी भागीदारी के साथ 1760 घर बनाते हुए लाभार्थियों को सौंपे जा चुके हैं, जबकि 14635 आवासों का आवंटन भी किया जा चुका है। शेष सभी परियोजनाओं को मार्च 2025 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

योजना के तहत निजी निवेशक छह लाख रुपये की लागत से दो कमरे, किचन और शौचालय जैसी सुविधाओं से युक्त घर तैयार करता है, जिसमें से उन्हें केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं से साढ़े तीन लाख रुपये मिलते हैं, इस तरह लाभार्थी को महज ढाई लाख रुपये की लागत में आसान होम लोन के जरिए घर मिल जाता है। इसमें जमीन सहित निर्माण का समस्त खर्च निजी निवेशक की ओर से उठाया जाता है। योजना के तहत तीन लाख रुपये से कम सालाना आय वर्ग वाले आवासहीन परिवार पात्र होते हैं। साथ ही पात्र परिवार का 15 जून 2015 से पहले उत्तराखंड का निवासी होना भी जरूरी है।

योजना के तहत मसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण (एमडीडीए) ट्रांसपोर्ट नगर में 224 , तरला आमवाला में 240 फ्लैट वाली परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं, जबकि धौलास में 240 फ्लैट मार्च 2025 तक तैयार हो जाएंगे। एमडीडीए उपाध्यक्ष बंशीधर तिवारी के मुताबिक परियोजना के लिए लाभार्थियों का चयन पारदर्शिता के साथ किया गया है। तय समय में सभी को फ्लैट की चाबी सौंप दी जाएगी।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि नरेन्द्र मोदी ने अंत्योदय के लक्ष्य को केंद्रित करते हुए, पीएम आवास योजना लागू की है। इसके तहत आवासहीन परिवारों को पक्का घर बनाकर दिया जा रहा है। उत्तराखंड में आवास विकास प्राधिकरण ने इस लक्ष्य को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

केंद्रीय खेल मंत्री से मिलीं मंत्री रेखा आर्या, राष्ट्रीय खेलों के आयोजन से जुड़े कई विषयों पर हुई चर्चा

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड की खेल मंत्री रेखा आर्या ने दिल्ली में केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया से भेंट की। इसके दौरान दोनों नेताओं के बीच उत्तराखंड में राष्ट्रीय खेलों के आयोजन से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। इस मुलाकात के दौरान मंत्री रेखा आर्या ने सबसे पहले केंद्रीय मंत्री को 38 वें राष्ट्रीय खेलों की मेजबानी उत्तराखंड को मिलने को लेकर आभार प्रकट किया। रेखा आर्या ने केंद्रीय मंत्री को खेलों की तैयारी के बारे में बताया और कहा कि प्रदेश इस ऐतिहासिक आयोजन को लेकर पूरी तरह से उत्सुक है। रेखा आर्या की तरफ से केंद्रीय मंत्री से, राज्य सरकार की ओर से पूर्व में सुझाए गए योगासन और मलखंभ, लागोरी सहित सात खेलों को राष्ट्रीय खेलों के शेड्यूल में शामिल करने का भी आग्रह किया गया। मंत्री ने कहा कि योगासन, मलखंभ, राफ्टिंग, पावर लिफ्टिंग, स्पीड क्लाइम्बिंग, कराटे और लागोरी राज्य की खेल संस्कृति का एक अहम हिस्सा हैं और इनके शामिल होने से राष्ट्रीय खेलों की विविधता बढ़ेगी। उन्होंने इन खेलों से जुड़ी तैयारियों और राज्य में बढ़ रही इनकी लोकप्रियता से भी केंद्रीय खेल मंत्री को

अवगत कराया। इसके बाद केंद्रीय खेल मंत्री ने उत्तराखंड के लोगों और यहां के खिलाड़ियों की भावनाओं का आदर करते हुए इन खेलों को जोड़े जाने का आश्वासन दिया। बता दें कि 38 वें राष्ट्रीय खेलों का आयोजन 28 जनवरी 2025 से 14 फरवरी 2025 तक होना है और यह पहली बार है जब उत्तराखंड इन खेलों की मेजबानी करने जा रहा है।

एसटीएच में मानसिक रोग विभाग छोड़कर चले गए दो और डॉक्टर

हल्द्वानी, एजेंसी। एक तरफ मेडिकल कॉलेज डॉक्टरों को लाने के लिए बार-बार इंटरव्यू का आयोजन कर रहा है, वहीं दूसरी ओर यहां आने वाले डॉक्टर अच्छा पैकेज मिलने पर छोड़कर जा रहे हैं। सुशीला तिवारी अस्पताल के मानसिक रोग विभाग का भी यही हाल है। दो और डॉक्टरों ने इस्तीफा दे दिया है।

एसआर (सीनियर रेजिडेंट) डॉ. सिद्धांत माथुर ने दो माह पहले ही यहां से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद यहां मानसिक रोग विभाग में तीन डॉक्टर थे। इनमें से

केवल एक महिला एसआर के भरोसे है। मानसिक रोग विभाग में प्रतिदिन 70 से 80 मरीज इलाज को पहुंचते हैं। इससे पहले जून में हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. सुमित चौधरी और एक अन्य डॉक्टर ने भी इस्तीफा दिया था। प्राचार्य डॉ. अरुण जोशी ने बताया कि मानसिक रोग विभाग में तैनात पति-पत्नी डॉ. आकाश और डॉ. भाविका का नागपुर एम्स में चयन हो गया है। बोले, इसी माह जल्द इंटरव्यू का आयोजन कर खाली पदों को भरा जाएगा।

पति-पत्नी असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. आकाश और डॉ. भाविका ने भी कुछ ही समय यहां काम किया। अब उन्होंने भी मानसिक रोग विभाग से इस्तीफा दे दिया है। विभाग में रोगियों की जांच अब

चौथे स्तंभ पर हमला दुर्भाग्यपूर्ण, कांग्रेस अध्यक्ष त्याग पत्र दें: महेंद्र भट्ट

देहरादून, एजेंसी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने उत्तराखंड में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष और कांग्रेसजनों द्वारा मीडिया पर किए गए हमले की निंदा की है। महेंद्र भट्ट ने स्पष्ट कहा है कि चौथे स्तंभ पर हमला दुर्भाग्यपूर्ण है। इस संदर्भ में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष को त्याग पत्र देना चाहिए।

महेंद्र भट्ट ने कहा कि यह कांग्रेस का चरित्र है। केदारनाथ हार के बाद कांग्रेस पूरी तरह बौखला गई है। इसका प्रमाण मीडिया पर किया गया हमला है। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार से इस हमले को उचित नहीं ठहराया जा सकता। इसी संदर्भ में उत्तरांचल प्रेस क्लब की कार्यवाहक

महामंत्री मीना नेगी ने प्रदेश कांग्रेस प्रभारी कुमारी शैलजा को पत्र लिखकर प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा के नेतृत्व में पत्रकारों के साथ अभद्रता, मारपीट और महिला पत्रकारों से अमर्यादित व्यवहार की शिकायत की है। उन्होंने लिखा कि गत चार दिसंबर को पुलिस लाइन स्टेडियम रेसकोर्स में उत्तरांचल प्रेस क्लब के क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल चल रहा था। पुलिस द्वारा किसी विषय को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पुलिस लाइन लाया गया। पुलिस लाइन आए कांग्रेसजनों ने करन माहरा के नेतृत्व में नारेबाजी करते हुए स्टेडियम में घुसकर टूर्नामेंट में व्यवधान डाला तथा रोके जाने पर करन मोहरा व कांग्रेसजनों ने मीडिया से धक्का-मुक्की की। महिला पत्रकारों के साथ भी इसी तरह का व्यवहार किया गया।

मीना नेगी ने लिखा है कि प्रदेश कांग्रेस प्रभारी एक महिला हैं, तब कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष और उनके सहयोगियों द्वारा इस तरह की अभद्रता दुर्भाग्यपूर्ण है। घटना को लेकर मीडिया में रोष है। पत्र में चेतावनी दी गई है कि यदि दोषी करन माहरा और उनके साथियों के विरूद्ध कार्यवाही नहीं की गई तो पत्रकार कांग्रेस प्रदेश कार्यालय पर धरना और आमरण अनशन करेंगे।

पालिका करो के सम्बन्ध मे बैठक आयोजित, लापरवाही मिलने पर वेतन रोकने के आदेश

आगामी तीन दिनों मे बड़े बकायादारों को वसूली के नोटिस एवं आर.सी. जारी की जाएं: बृजेश कुमार

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। बुधवार को पालिका परिसर के मीटिंग हाल मे अधिशासी अधिकारी डॉ. बृजेश कुमार द्वारा पालिका करो की वसूली के सम्बन्ध मे बैठक ली गयीं। जिसमे पालिका के कर अनुभाग द्वारा की जा रही वसूली संतोषजनक न पाए जाने पर 3 वसूलीकर्ताओ के वेतन पर अग्रिम आदेशों तक रोक लगायी गयीं।अधिशासी अधिकारी द्वारा निर्देश दिए की तीन दिवस के अंतर्गत समस्त बड़े बकायेदारों को वसूली जमा कराये जाने के लिए नोटिस जारी किये जाएँ, निर्धारित समयन्तार्गत पालिका कोष मे बकाया कर जमा न करने वाले बड़े बकायेदारों के विरूद्ध बकाया करो की वसूली हेतु आर.सी. जारी करने की कार्यवाही की जाये। उन्होंने कहा कि समस्त राजस्व निरीक्षक अपने अपने वार्डो मे स्थित आवासीय व अनावसीय भवनो की संख्या

सहित आगामी 03 दिवस मे आख्या दे। एक लाख व उससे अधिक के बकायदारों की सूची तैयार कर प्रस्तुत करें। समस्त कर अमीन / वसूलीकर्ता / राजस्व निरीक्षक प्रातः से दोपहर 03 बजे तक अपने अपने वसूली क्षेत्रों मे उपस्थित रहकर वसूली कार्य करेंगे। एवं उसके उपरांत ही पालिका मे अपनी वसूली जमा करेंगे। पालिका सीमा क्षेत्र का विस्तार हो जाने के फलस्वरुप सर्वे करके विज्ञापन पट आदि विज्ञापन/ प्रचार सामग्री लगाए जाने हेतु उचित स्थानों का चयन कर सूची प्रस्तुत करें जिससे विज्ञापन शुल्क की नीलामी करवाई जा सके।आदेश दिए गए की चालू माह अंतर्गत समस्त वसूलीकर्ता अपने निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष वसूली कर लें, माह के अंत मे पुनः वसूली की समीक्षा की जाएगी, जिसके अंतर्गत लक्ष्य से कम वसूली करने वाले वसूलीकर्ताओ के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

तीन दिवसीय स्काउट गाइड शिविर का समापन

अमरोहा।श्रीराम पब्लिक इंटर कॉलेज में आयोजित तीन दिवसीय स्काउट गाइड शिविर का गुरुवार को समापन हुआ। शिविर में कक्षा छह से 12 तक के छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। छात्र-छात्राओं ने टैंट बनाने के साथ ही स्काउट गाइड के नियमों को सीखा। स्काउट गाइड कॉर्डिनेटर अमन कुमार ने बताया कि वर्तमान में स्काउट गाइड संगठन विश्व के 216 देशों व उपनिवेशों में संचालित है। लगभग पांच करोड़ सदस्यों के साथ यह विश्व का सबसे बड़ा वदीधारी संगठन है। इस दौरान विधालय प्रधानाचार्य वंश गुप्ता व स्टॉफ मौजूद रहा।

पश्चिम विहार डिस्ट्रिक्ट पार्क के बाहर से चुराता साइकिल

नई दिल्ली। पश्चिम विहार ईस्ट थाना की पुलिस टीम ने साइकिल चुराने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। उसकी पहचान भीम सिंह उर्फ भीमा के रूप में हुई है। यह निहाल विहार इलाके का रहने वाला है।इसके पास से चोरी की साइकिल और बटनदार चाकू बरामद किया गया। डीसीपी आउटर सचिन शर्मा ने बताया कि आरोपी भीमा इलाके में घूमकर पार्क के बाहर आसपास रेकी करता था और फिर साइकिल चोरी की वारदात को अंजाम देता था। हेड कांस्टेबल कुलदीप डिस्ट्रिक्ट पार्क गेट के साथ सर्विस रोड पर जब पेट्रोलिंग कर रहा था। इस दौरान उसकी नजर इस आरोपी पर पड़ी, जो साइकिल के साथ संदीप हालत में खड़ा था। पुलिस को देखते ही वहां से साइकिल लेकर भागने की कोशिश किया। पीछा करके हेड कांस्टेबल ने उसे पकड़ लिया। भागने कारण पूछा संतोषजनक जवाब नहीं दिया तलाशी में चाकू मिला और पूछताछ में पता चला कि जिस साइकिल से वह भाग रहा था वह चोरी की है। उसके खिलाफ आगे की कार्रवाई की जा रही है।

असम का रहने वाला दिल्ली में चुराता सिर्फ मोटरसाइकिल

नई दिल्ली। पश्चिमी जिला के एंटी ऑटो थेफ्ट स्क्वाड की पुलिस टीम ने एक ऑटो लिफ्टर को गिरफ्तार किया है। जिसके पास से चोरी की तीन मोटरसाइकिल बरामद की गई है। साथ ही एक मोबाइल भी बरामद किया है। यह मोटरसाइकिल को ही टारगेट करके उसे चुराता था। बरामद की गई मोटरसाइकिल सागरपुर, आर के पुरम और हरी नगर थाना इलाके से चोरी की निकली है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान कार्तिक उर्फ गोलू के रूप में हुई है। यह पहले भी दो आपराधिक मामलों में शामिल रहा है।डीसीपी वेस्ट विचित्र वीर ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि मोटरसाइकिल चोरी की हो रही वारदात पर काबू पाने के लिए एएटीएस की टीम को जांच के लिए लगाया गया था। पुलिस टीम ने सीसीटीवी फुटेज की मदद से पता लगाना शुरू किया। उसके बाद एसीपी अरविंद कुमार यादव की देखरेख में इंस्पेक्टर मनीष चौधरी, हेड कांस्टेबल नवीन, प्रदीप और कांस्टेबल पवन की टीम ने रात में पेट्रोलिंग के दौरान जनकपुरी के गैस गोदाम के पास इस आरोपी को ट्रैप लगाकर पकड़ा। जब यह भारती कॉलेज की तरफ से मोटरसाइकिल से आ रहा था। पुलिस टीम ने जब उसके मोटरसाइकिल के डॉक्यूमेंट की जांच की तो पता चला कि वह चोरी की है।

द्वारका में महिलाओं से छीनता था सरेआम मोबाइल

नई दिल्ली। द्वारका साउथ थाना की पुलिस टीम ने मोबाइल चोरी करके उसे फर्जी डॉक्यूमेंट के साथ ऑनलाइन बेचने वाले एक गैंग का पदार्फाश किया है।इस मामले में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अनुज, दीपक, अखिल राय, अब्दुल अलीम और कपिल के रूप में हुई है। यह पांचो दिल्ली के महावीर एनक्लेव, डाबड़ी और उत्तम नगर इलाके के रहने वाले हैं। इनके पास से छीना गया मोबाइल और फर्जी मोबाइल बिल बरामद किया गया।डीसीपी अंकित सिंह ने बताया कि एसीपी मदन लाल मीणा की देखरेख में एसएचओ संजीव मंडल, सहायक सब इंस्पेक्टर महावीर, हेड कांस्टेबल प्रवीण, सुरेंद्र की टीम ने इस गैंग के आरोपियों को पकड़ा है।29 अक्टूबर को द्वारका साउथ थाना इलाके में एक युवती से मोबाइल छीनने की वारदात हुई थी।

विश्वास नगर में जनता ने जताया केजरीवाल पर विश्वास, जनता बोली-फिर लाएंगे केजरीवाल

विश्वास नगर की जनता ने अरविंद केजरीवाल पर विश्वास जताते हुए कहा कि फिर केजरीवाल को लाएंगे। वहीं, अरविंद केजरीवाल ने कहा कि सारी दिल्ली यह बात कह रही है कि आम आदमी पार्टी की फिर सरकार आएगी और पिछली बार से दो-चार सीटें ज्यादा ही आएंगी, कम नहीं।

प्रात : किरण/एजेंसी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को विश्वास नगर विधासभा में पदयात्रा कर जनता से सीधा संवाद किया। इस दौरान उनसे मिलने के लिए लोगों की जबरदस्त भीड़ उमड़ पड़ी और फूल मालाओं से उनका भव्य स्वागत किया। विश्वास नगर की जनता ने अरविंद केजरीवाल पर विश्वास जताते हुए कहा कि फिर केजरीवाल को लाएंगे। वहीं, अरविंद केजरीवाल ने कहा कि सारी दिल्ली यह बात कह रही है कि आम आदमी पार्टी की फिर सरकार आएगी और पिछली बार से दो-चार सीटें ज्यादा ही आएंगी, कम नहीं। उन्होंने कहा कि पूरी दिल्ली में खूब विकास के काम हुए, लेकिन जहां भाजपा के विधायक हैं वहां नहीं हुए, क्योंकि वो लड़ाई तो करते हैं, लेकिन काम नहीं करते। अगर आपने भाजपा को वोट दे दिया तो ये लोग बिजली बहुत महंगी कर देंगे और महिलाओं की मुफ्त बस यात्रा भी बंद कर देंगे।

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि हम 2015 में चुनाव लड़े। दिल्ली के लोगों ने 70 में से 67 सीट दी। कांग्रेस को जीरो और भाजपा को तीन सीट दी। उन तीन सीटों में से एक विश्वास नगर भी थी। उसके बाद 2020 का चुनाव आया। 2020 में दिल्ली वालों ने आम आदमी पार्टी को 70 में से 62 सीट दी। केवल आठ सीट भाजपा को दी, जिसमें एक सीट विश्वास नगर थी। पिछले दस साल से यहां पर भाजपा का विधायक है और दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार है। पूरी दिल्ली में खूब काम हो रहे हैं। दिल्ली में कहीं भी चले जाओ, गली-गली में मोहल्ला क्लीनिक बन

रहे हैं। लेकिन यहां नहीं बन रहे हैं। पूरी दिल्ली के कोने-कोने में हर पोल पर सीसीटीवी कैमरे लग गए, यहां नहीं लग रहे हैं। पूरी दिल्ली में इतने बुजुर्ग तीर्थयात्रा पर होकर आ गए हैं, लेकिन यहां से कोई बुजुर्ग नहीं गया।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि सरकार आम आदमी पार्टी की है और विधायक भाजपा का है, तो काम कैसे होंगे। इनकी पार्टी का विधायक लड़ाई तो करता है, अच्छी लड़ाई करता है लेकिन काम नहीं करा सकता है। दिल्ली की जनता बताए कि उसे लड़ाई करने वाला विधायक चाहिए या काम करने वाला विधायक चाहिए? काम कराने वाला विधायक चाहिए तो आम आदमी पार्टी को वोट देना। इस बार सारी दिल्ली कह रही है कि सरकार तो आम आदमी पार्टी की बनेगी, चाहे दो-चार सीट ऊपर नीचे हो जाए। सीट ऊपर ही होगी, नीचे क्यों होगी। इस बार गलती मत कर देना। दस साल हो गए, दस साल से विश्वास नगर में कोई काम नहीं हुआ। एक भी काम नहीं हुआ। आपके विधायक ने लड़ाई की, उसके लिए उसे भारत रत्न मिलना चाहिए। लेकिन एक भी काम नहीं हुआ। फिर काम नहीं होगा, गलती मत कर देना। इस बार यहां से "आप" प्रत्याशी दीपक सिंगला को वोट देना। झाड़ू को वोट देना। दीपक सिंगला सारे काम कराएंगे, बहुत जुझारू लड़का है।

अरविंद केजरीवाल ने आगे कहा कि मैं दिल्ली की सारी महिलाओं के लिए काम कर रहा हूं। बहुत जल्द ही स्कीम आने वाली है। महिलाओं के अकाउंट में हर महीने हजार-हजार रुपए डलवाने का काम करेंगे। ये भाजपा वाले कह रहे हैं कि यह नहीं होना चाहिए। मैं बिजली मुफ्त करता हूं तो भाजपा वाले कहते हैं कि बिजली मुफ्त नहीं होनी चाहिए। इनको वोट दे दिया तो बिजली इतनी महंगी कर देंगे, बिल नहीं भरे जाएंगे। महिलाओं के लिए बस की यात्रा मुफ्त है। ये भाजपा वाले कहते हैं कि यह नहीं होना चाहिए। अगर यह सुविधा जारी रखनी है तो आम आदमी पार्टी को वोट देना। विश्वास नगर में अरविंद केजरीवाल की पदयात्रा में भारी जनसैलाब उमड़ पड़ा। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक में अरविंद केजरीवाल से मिलने का जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। अरविंद केजरीवाल ने पदयात्रा में हर किसी से मिले और उनसे बात की। इस दौरान सबने कहा कि इस बार भी आम आदमी पार्टी की प्रचंड बहुमत से सरकार बनेगी। बुजुर्गों ने अरविंद केजरीवाल के सिर पर हाथ रखकर जीत का आशीर्वाद दिया।

विश्वास नगर की जनता में अरविंद केजरीवाल के प्रति प्यार देखने लायक था। समर्थक उन्हें शॉल भेंट कर, फूलों की माला पहनाकर, तिलक लगाकर स्वागत करते दिखे। इस दौरान कुछ समर्थकों ने बजरंग बली हनुमान जी की मूर्ति भी अरविंद केजरीवाल को भेंट की और उन्हें फिर से दिल्ली का मुख्यमंत्री बनने की कामना की।

पदयात्रा के दौरान कई महिलाओं ने अरविंद केजरीवाल को दिल्ली में महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा, मुफ्त बिजली और पानी की समेत मिल रही सभी सुविधाओं के लिए धन्यवाद दिया। इस अवसर पर कुछ लोगों ने केजरीवाल को गुरु नानक और भीमराव अंबेडकर की तस्वीरें भेंट कीं, जबकि बुजुर्गों ने उन्हें आशीर्वाद देकर अपना समर्थन जताया।

पदयात्रा के दौरान अरविंद केजरीवाल के साथ सेल्फी लेने में महिलाएं भी काफी उत्साहित नजर आईं। जब केजरीवाल लोगों से मिलते हुए आगे बढ़ रहे थे, तब कई महिलाएं उनसे मिलने के लिए आगे आईं और उनके साथ सेल्फी ली। इस दौरान महिलाओं का जोश देखते ही बनता था, और वे अपने चहेते नेता के साथ यह खास पल कैमरे में कैद करने में पीछे नहीं रहीं।

वसंत विहार मृतक छात्र के परिवार से मिलने पहुंची सीएम

कहा-स्कूल पाया गया दोषी, तो होगी उसपर सख्त कारवाई

- परिवार से मिलने उनके घर पहुंची मुख्यमंत्री
- मीडिया से बात करके पूरी जानकारी देती

प्रात : किरण/संवाददाता

दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी गुरुवार को वसन्त विहार चिन्मया स्कूल मे 6ठी क्लास मे पढ़ने वाले 11 साल के प्रिंस जिसकी मौत स्कूल मे संदिग्ध परिस्थिति मे हुई थी उसके परिवार से मिलने पहुंची। मुख्यमंत्री ने परिवार के साथ लगभग 20 मिनट समय बिताया और उन्हें ढाढ़स बँधाया। उन्होंने पीड़ित परिवार को आश्वासन दिया कि दिल्ली सरकार के शिक्षा विभाग की एक टीम स्कूल मे जायेगा और जाँच करेगा। साथ हीं इलाके के एस डी एम भी इस घटना कि जाँच करेंगे कि हादसा कैसे हुआ अगर बच्चों मे लड़ाई हुई तो टीचर कहां थी सभी सीसीटीवी की जाँच की जाएगी। साथ हीं अस्पताल पहुँचाने मे कितना समय लगा, क्या उपचार दिया गया इन सभी की भी जाँच की जाएगी और अगर इसमें कोई भी लापरवाही सामने आएगी तो उनके खिलाफ सख्त कदम उठाया जायेगा।

मुख्यमंत्री ने पीड़ित परिवार से मिलने के बाद मिडिया से बात करते हुए जाँच की बात तो कही, साथ हीं उन्होंने फिर से दिल्ली के कानून व्यवस्था पर सवाल उठाया कि दिल्ली मे आए दिन ऐसी आपराधिक घटनाएं हो रही है, जिससे बच्चे टीवी या मोबाईल पर देखते हैं। जिसका असर उनके दिमाग पर पड़ रहा है। उन्होंने दिल्ली के सभी माता पिता से अपील कि की वो अपने बच्चों को अच्छे वातावरण और अच्छी शिक्षा देने की कोशिश करें।

रेक्टम में छुपाकर लाए गोल्ड की खुली एयरपोर्ट पर पोल

प्रात : किरण/संवाददाता

नई दिल्ली। कस्टम की टीम ने इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर गोल्ड तस्करी के मामले का खुलासा किया है। इस मामले में उज्बेकिस्तान के पासपोर्ट धारी तीन हवाई यात्रियों को पकड़ा गया है। यह सभी जब आईजीआई एयरपोर्ट पर फ्लाइट से पहुंचे और ग्रीन चैनल क्रॉस करके एक्स-रे मशीन से जांच होते हुए आगे निकल रहे थे। उस दौरान इनपर संदेह हुआ, जब इनके लगेज में संदेह हास्पद इमेज एक्स-रे मशीन में दिखाई दी और एफएमडी डोर से जब यह निकल रहे थे, तो बीप की आवाज आने लगी। उसके बाद कस्टम की अधिकारियों ने इनसे पूछताछ शुरू की और एयर इंटेलीजेंस यूनिट रूम में जांच के लिए इन्हें ले जाया गया। वहां पर गोल्ड के आठ मेटल पीस बरामद किए गए। जो इन्होंने बॉडी के अंदर रेक्टम में छुपाकर लाया था। बरामद गोल्ड का वजन 439 ग्राम निकला, जिसकी कीमत 3 लाख के आसपास बताई जा रही है।

द्वारका : हरियाणा बॉर्डर पार करते झरोदा गांव में दबोचा शराब गाड़ी

प्रात : किरण/संवाददाता

नई दिल्ली। द्वारका जिला के एंटी ऑटो थेफ्ट स्क्वाड की टीम ने शराब तस्करी के एक बड़े मामले का खुलासा करते हुए एक इंटरस्टेट शराब तस्कर को गिरफ्तार किया है। और भारी मात्रा में शराब की खेप भी बरामद की है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान गुड्डू कुमार के रूप में हुई है, यह हरियाणा के बहादुरगढ़ का रहने वाला है। डीसीपी द्वारका अंकित सिंह ने बताया कि पुलिस ने शराब तस्करी में इस्तेमाल

पिकअप बलेरो जीप और 10 हजार क्वार्टर शराब का जप्त किया है। एसीपी ऑपरेशन राम अवतार की देखरेख में इंस्पेक्टर कमलेश कुमार, सब इंस्पेक्टर दिनेश कुमार, सहायक सब इंस्पेक्टर जितेंद्र, हेड कांस्टेबल इंदर, मनोज, राजवीर, सोनू और सोमदेव की टीम को इस शराब तस्करी के बारे में एक इनफार्मेशन मिली थी। जिसके आधार पर पुलिस टीम ने हरियाणा बॉर्डर से सटे बाबा हरिदास नगर थाना इलाके में ट्रैप लगाया। पुलिस टीम ने पिकअप जीप के आने का इंतजार किया और कैर बॉर्डर क्रॉस करते ही झरोदा गांव में जीप को रोक लिया। जीप की तलाशी ली गई तो उसके अंदर से 200 कार्टन बरामद किए गए। जिसके अंदर से 10 हजार क्वार्टर शराब का रिकवर किया गया। आरोपी के खिलाफ बाबा हरिदास नगर थाना में दिल्ली एक्साइज एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज किया गया। पूछताछ हुई तो आरोपी ने बताया कि वह सुनील उर्फ सोनू नाम के शराब तस्कर के संपर्क में आया था। उसके साथ फिर यह गोरखधंधे में शामिल हो गया। यह पहले भी शराब तस्करी के मामले में गिरफ्तार हो चुका है। जेल से बाद में बेल पर बाहर आने के बाद यह फिर इसी धंधे में शामिल हो गया। बरामद शराब सिर्फ हरियाणा में ही बिकने के लिए मान्य थी।

कमला मार्केट में छीनता था सरेराह लोगों से महंगे मोबाइल

प्रात : किरण/संवाददाता

नई दिल्ली। कमला मार्केट थाना की पुलिस टीम ने मोबाइल झपटमारी करने वाले एक शातिर बदमाश को गिरफ्तार किया है। उसके पास से छीना गया मोबाइल और वारदात के दौरान इस्तेमाल बटनदार चाकू भी बरामद किया गया है। डीसीपी एम हर्षवर्धन ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी की पहचान मोहम्मद उमर के रूप में हुई है। यह दरियागंज इलाके का रहने वाला है।पहले से 11 मामलों में भी शामिल रहा है। हेड कांस्टेबल अंकुश कुमार और कांस्टेबल अमित कुमार जब मोटरसाइकिल से नाइट पेट्रोलिंग कर रहे थे। इस दौरान अजमेरी गेट चौक पर उनकी नजर एक सख्स पड़ पड़ी। जो पुलिस को देखते पार्क के अंदर छुपाने के लिए भाग गया। पुलिस कर्मियों को शक हुआ उस सख्स को पकड़कर पूछताछ की और तलाशी ली गई तो उसके पास से चाकू और मोबाइल बरामद किया गया।

दिल्ली में आयुष्मान योजना लागू करने के लिए भाजपा नेताओं ने शुरू किया अभियान

प्रात : किरण/एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली में आयुष्मान भारत योजना लागू न होने देने पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आम आदमी पार्टी (आआपा) की कड़ी आलोचना की है। दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने आज प्रेसवार्ता में कहा कि प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना आयुष्मान दिल्ली को छोड़कर अन्य राज्यों में लागू है। दूसरे राज्यों में 70 वर्ष से अधिक उम्र के सभी बुजुर्गों व गरीबों को पांच लाख तक के उपचार का लाभ मिल रहा है। इस प्रेस वार्ता में सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी और सांसद बांसुरी स्वराज भी मौजूद रहीं। इस दौरान वीरेंद्र सचदेवा ने अरविंद केजरीवाल की आलोचना करते हुए कहा कि वह दिल्लीवासियों को इस बेहतरीन चिकित्सा सेवा सुविधा से वंचित रख रहे हैं। भाजपा इसे दिल्ली में लागू कराना चाहती है। इसके लिए भाजपा सांसद अदालत गए हैं। अदालत ने इसे लेकर दिल्ली सरकार के विरुद्ध टिप्पणी की है कि वह केंद्र की इस स्वास्थ्य योजना का लाभ क्यों नहीं दे रही है।

भारत में व्यापारियों और जनता के लिए सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का विस्तार, सीएससी-कैट की नई साझेदारी

प्रात : किरण/एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सशक्त भारत के विजन को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, सीएससी ई-गवर्नेंस सर्विसेज इंडिया लिमिटेड और कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने गुरुवार को एक रणनीतिक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। नई दिल्ली के कॉन्स्टीट्यूशन क्लब में आयोजित इस समारोह में दोनों संगठनों ने मिलकर व्यापारियों और आम नागरिकों तक सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता जताई।

इस साझेदारी का लक्ष्य व्यापारियों और नागरिकों को केंद्र सरकार की योजनाओं, जैसे राष्ट्रीय पेंशन योजना (एनपीएस), अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री श्रम योगी मान-धन योजना, और प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, सहित कई अन्य कल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रदान करना है। इसके लिए सीएससी और कैट देशभर में शिविरों का आयोजन करेंगे, जिससे अंतिम छोर तक जागरूकता और पंजीकरण सुनिश्चित हो सके। सीएससी, जो डिजिटल इंडिया मिशन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, पूरे भारत में 6 लाख से अधिक केंद्र संचालित करता है। ये केंद्र सरकारी योजनाओं को दूरदराज के क्षेत्रों तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभा रहे हैं। वहीं, कैट 48,000 से अधिक व्यापारिक संघों और 9 करोड़ व्यापारियों का प्रतिनिधित्व करता है।

अल्टीमेटम बीते महीने दिल्ली में डीटीसी कर्मचारियों ने हड़ताल की थी, उस दौरान बसों का संचालन काफी प्रभावित हुआ था।

डीटीसी कर्मियों ने दिल्ली सरकार को दिया अल्टीमेटम, 9 दिसंबर से करेंगे चक्का जाम

प्रात : किरण/एजेंसी

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली परिवहन निगम के करीब 27 हजार संविदा कर्मचारी अपनी विभिन्न मांगों को लेकर मार्शलों की राह पर चल पड़े हैं। दरअसल, डीटीसी के कॉन्ट्रैक्ट कर्मचारियों द्वारा उठाए गए विभिन्न मुद्दों का समाधान न होने पर डीटीसी कर्मचारी एकता यूनियन ने 9 दिसंबर से सभी डिपो में बसों का चक्का जाम किए जाने की घोषणा की है। बीते महीने दिल्ली में डीटीसी कर्मचारियों ने हड़ताल की थी, उस दौरान बसों का संचालन काफी प्रभावित हुआ था। तब डीटीसी बसों से सफर करने वाले लाखों यात्री परेशान हुए थे।

डीटीसी कर्मचारी एकता यूनियन के प्रेसिडेंट ललित चौधरी का कहना है कि मुख्यमंत्री आतिशी, डीटीसी और परिवहन विभाग के अधिकारियों ने कर्मचारियों के

साथ बैठक कर उनकी कई मांगों को मानने का आश्वासन दिया था, लेकिन अभी तक उसे पूरा नहीं किया गया है। ऐसे में अब विभाग के अधिकारियों को मांगें पूरी करने के लिए आज यानी पांच दिसंबर तक का ही समय दिया गया है। इस अवधि में अगर मांगें नहीं पूरी की गई तो 9 दिसंबर से सभी डिपो में बसों का चक्का जाम किया जाएगा।

डीटीसी कर्मचारियों को नोटिस जारी: दूसरी तरफ, डीटीसी बसों का संचालन रुकने के डर से विभाग की ओर से ये नोटिस जारी किया है। जिसमें कर्मचारियों को हिदायत दी गई है कि अगर कोई भी कर्मचारी 5 से 9 दिसंबर तक छुट्टी पर रहता है तो माना जाएगा कि वह डीटीसी के खिलाफ प्रदर्शन में शामिल है और उसके खिलाफ विभागीय कार्रवाई हो सकती है। दिल्ली में एक बार फिर डीटीसी बसों का संचालन रुकने के डर से विभाग की ओर से ये नोटिस जारी किया गया है। इन मांगों को लेकर डीटीसी कर्मचारी है अडिगः यूनियन के अध्यक्ष ललित चौधरी के मुताबिक, 10-15 सालों से संविदा पर कर्मचारी काम कर रहे हैं। इन कर्मचारी द्वारा नीचे दिए विभिन्न मांगों को लेकर बीते दो महीनों में दो बार धरना दिया जा चुका है। बीते नवंबर में दिए गए धरने के दौरान सीएम आतिशी और डीटीसी के अधिकारियों ने मांगों पर विचार के लिए 15 दिन का समय मांगा था। अब यह अवधि पांच दिसंबर को पूरी हो रही है। तनख्वाह का भुगतानःकर्मचारियों की तनख्वाहों में देरी हो रही है, जिसके कारण वे आर्थिक तंगी का सामना कर रहे हैं। जल्द से जल्द तनख्वाह का भुगतान किया जाए। कॉन्ट्रैक्ट कर्मचारियों का स्थायीकरणःसभी अनुबंधित कर्मचारियों को स्थायी किया जाए और जब तक स्थायीकरण प्रक्रिया पूरी न हो, समान काम का समान वेतन लागू किया जाए।अनुकंपा आश्रित और संवाहकों का नियमितीकरणःलंबे समय से अनुबंध पर काम कर रहे संवाहकों को नियमित किया जाए और उनकी सेवाओं को स्थायी किया जाए। टीए, सीएल, और सरकारी अवकाश की सुविधाःडीटीसी अनुबंध कर्मचारियों को यात्रा भत्ता (टीए) और 15 दिन की चतुर्थ श्रेणी अवकाश (सीएल) दिया जाए, जैसा कि डिम्ट्स कंपनी में दिया जाता है। साथ ही, कर्मचारियों को सरकारी अवकाश का भुगतान भी किया जाए। ड्यूटी और वेतन में सुधारःकर्मचारियों की ड्यूटी 8-30 घंटे निर्धारित की जाए, और ओवरटाइम की स्थिति में उन्हें दोगुना वेतन दिया जाए। इसके अलावा, डिपो मैनेजरों को कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान के लिए हर महीने एक दिन निर्धारित किया जाए।

बांसुरी स्वराज बोलीं- केजरीवाल चुनावी जुमले में माहिर, बड़े-बड़े दावे करते रहते हैं

नई दिल्ली। बीजेपी सांसद बांसुरी स्वराज ने अरविंद केजरीवाल के दावों को खोखला बताया है. उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल को मुझे याद कराना पड़ेगा कि वो ऐसे बहुत बड़े-बड़े दावे करते रहते हैं, पर वह दावे इसलिए करते है क्योंकि अपनी जवाबदही से जनता का ध्यान हटाना चाहते हैं. सड़क, पानी, बिजली, सीवर व ड्रेनेज यह ऐसे मुद्दे हैं जो पूरी तरह आम आदमी पार्टी की केजरीवाल सरकार के अंडर में आते हैं.उन्होंने कहा कि एक दशक से यहां इन्होंने सत्ता भोगी है लेकिन दिल्ली की जनता के लिए कोई कार्य नहीं किया है, इसलिए आप देखिए दिल्ली की एक-एक व्यवस्था इंफ्रास्ट्रक्चर चरमरा रही है. केजरीवाल चुनावी जुमले में बड़े माहिर हैं, लेकिन जनता के लिए कोई कार्य नहीं कर रहे हैं. जवाबदेही बनती है लेकिन जवाब देना नहीं चाहते।

जितेंद्र सिंह शंटी ने अब तक 70 हजार से ज्यादा शवों को सम्मान के साथ श्मशान घाट पहुंचाकर उनका अंतिम संस्कार कराया है- केजरीवाल

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

आम आदमी पार्टी ने शुक्रवार को भाजपा को फिर एक तगड़ा झटका दिया। 2013 में भाजपा से विधायक रह चुके एंबुलेंस मैन के नाम से दिल्ली समेत पूरे देश में प्रख्यात पद्मश्री जितेंद्र सिंह शंटी आम आदमी पार्टी में शामिल हो गए। ह्लआपह्व के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की जनसेवा से प्रभावित होकर उन्होंने यह फैसला किया। पार्टी मुख्यालय पर अरविंद केजरीवाल ने उनको पटका और टोपी पहनाकर ह्लआपह्व परिवार में शामिल किया। इस दौरान अरविंद केजरीवाल ने कहा कि जितेंद्र सिंह शंटी पिछले 29-30 साल से समाज सेवा में लगे हैं। उन्होंने अब तक 70 हजार से ज्यादा शवों को सम्मान के साथ श्मशान घाट पहुंचाकर उनका अंतिम संस्कार कराया है। आम आदमी पार्टी जन्म से बुढ़ापे तक लोगों की सेवा करती है और वह मृत्यु के बाद शवों की सेवा करते हैं। वह राजनीति में सेवा के लिए आए हैं। जब सरकारी संसाधन भी इनके साथ लगेंगे तो इनकी सेवाओं को दस गुना बल मिलेगा। मृत लोगों के बारे में कोई नहीं सोचता, पर जितेंद्र सिंह शंटी उनको सम्मान दिया - केजरीवाल अरविंद केजरीवाल ने कहा कि आज जितेंद्र सिंह शंटी को आम आदमी पार्टी में शामिल करते हुए मुझे बहुत हर्ष हो रहा है। जितेंद्र सिंह शंटी किसी पहचान के मोहताज नहीं हैं। वो अपनी समाज सेवा को लेकर न केवल दिल्ली व देश, बल्कि विदेशों में भी काफी चर्चित रहे हैं। वो पिछले 29-30 साल से समाज सेवा में लगे हुए हैं। उन्हें ऐम्बुलेंस मैन और तरह-तरह के नामों से जाना जाता है। खासकर, उन्होंने जिस तरह से मृत लोगों को सम्मान दिया है। उनके बारे में कोई नहीं सोचता, क्योंकि उनसे वोट नहीं मिलते हैं। अगर कोई आदमी मर जाए, उसके बाद उससे वोट थोड़ी मिलते हैं। उसका ख्याल एक अच्छा और सच्चा इंसान ही रख सकता है, जिसके सीने में दिल धड़कता है। जितेंद्र सिंह शंटी ने कोराना के वक्त भी डेड बॉडी को लेकर उनका सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया- केजरीवाल अरविंद केजरीवाल ने कहा कि मुझे बताया गया है कि जितेंद्र सिंह शंटी ने अभी तक 70 हजार से ज्यादा शवों को सम्मान के साथ श्मशान घाट पहुंचाकर उनका अंतिम संस्कार कराया है। खासकर कोरोना काल में जब लोग अपने घर के लोगों की भी डेड बॉडी लेने में भी कतराते थे। अपने घर के लोगों की भी डेड बॉडी को भी स्वीकार नहीं करते थे। उनका अंतिम संस्कार करने को तैयार नहीं थे और अस्पताल से डेड बॉडी लेकर नहीं आते थे। लोग अस्पताल वालों को बोलते थे कि आप ही इनका अंतिम संस्कार कर दो। उस वक्त शंटी जी ने डेड बॉडी को लेकर उनका सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया। इस वजह से इन्हें खुद भी कोरोना हो गया। उस वक्त जब इनका पूरा परिवार कोरोना से पीड़ित था, तब भी इन्होंने अपने परिवार की चिंता किए बिना अपना काम जारी रखा। इस काम के लिए इन्हें पद्मश्री से नवाजा गया। हमारी भी फि लॉसफी सेवा की है और शंटी जी भी राजनीति में सेवा के लिए आए हैं- केजरीवाल अरविंद केजरीवाल ने कहा कि इसके अलावा, जितेंद्र सिंह शंटी बीमार लोगों को एंबुलेंस की सेवा प्रदान करते हैं और उन्हें समय पर अस्पताल पहुंचाकर उनकी जिंदगियां बचाते हैं। उनका बीमारी में इलाज करवाते हैं। ब्लड डोनेशन का कैंप करते हैं। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी एक आदमी के पैदा होने से बुढ़ापे तक सेवा करती है और मृत शरीर की सेवा वो करते हैं। यह एक नेचुरल एलायंस है। मैं आज शंटी जी आम आदमी पार्टी में स्वागत करता हूं। उन्होंने कहा कि हमारी भी फि लॉसफी सेवा की ही है। हमारे लिए राजनीति, राजनीति नहीं है, सेवा करने का एक मौका है। शंटी जी भी राजनीति में सेवा के लिए आए हैं। वह दो बार काउंसलर रह चुके हैं और एक बार विधायक रहे हैं। शंटी जी भी शहीद ए आजम भगत सिंह के चेले हैं और हम भी। इसलिए आज मुझे बेहद हर्ष है। इनके आने से आम आदमी पार्टी को तो मजबूती मिलेगी। एक तरह से सरकार में आएंगे तो इनकी भी सेवाओं को और दस गुना बल मिलेगा। जब सरकारी रिसोर्सेज भी इनके साथ लगेंगे तो इनकी सेवाओं को भी बल मिलेगा। इनके आने से सरकारी कामकाज में भी बल मिलेगा। अरविंद केजरीवाल नवजात बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक की सेवा कर रहे हैं और मैं मृत्यु के बाद शवों को सम्मान जनक अंतिम संस्कार करने का काम कर रहा हूं- जितेंद्र सिंह शंटी जितेंद्र सिंह शंटी ने कहा कि मैं राजनीति से बहुत दूर जा चुका था। मैं वैसे तीन बार चुना गया, लेकिन जब से सेवा में लगा और कोविड में परमात्मा ने ज्यादा मौका दिया, मान-सम्मान मिला।

चोरी का आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली, । बुराड़ी थाना टीम ने चोरी के मामले को सुलझाते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया आरोपी मोहम्मद आरिफ है। पुलिस ने इसके पास से एक कैरी बैग, अपराध करने में इस्तेमाल की गई एक बाइक बरामद की है। उत्तरी जिला डीसीपी राजा बॉंठिया ने बताया कि एसआई नवीन सिंधु (प्रभारी चौकी बुराड़ी सरकारी अस्पताल) के नेतृत्व में टीम के सदस्यों ने घटनास्थल के पास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की, जिसमें सीसीटीवी कैमरों में दो बाइक पर सवार होकर आते हुए 4 व्यक्ति दिखाई दिए। इसके बाद उन्होंने शिकायतकर्ता के कार्यालय का ताला तोड़ा तथा वहां से बैग चुरा लिया। सीसीटीवी फुटेज में चोर का चेहरा भी स्पष्ट रूप से कैद पाया गया। आरोपियों की स्पष्ट तस्वीरें विकसित की गईं, गुप्त सूचना के आधार पर उसे पुस्ता रोड, बुराड़ी से पकड़ा गया। पूछताछ के दौरान आरोपी मोहम्मद आरिफ ने बताया कि उसने और उसके 03 अन्य दोस्तों ने मिलकर चोरी की है तथा चोरी का बाकी सामान उसके एक सह-आरोपी के पास है।

दिल्ली तिहरा हत्याकांड: पुलिस ने जंगल से खून से सने कपड़े और चाकू बरामद किया

नई दिल्ली, । दक्षिणी दिल्ली के नेब सराय इलाके में हुए तिहरे हत्याकांड में कथित तौर पर इस्तेमाल किया गया चाकू और खून से सने कपड़े पुलिस ने संजय वन से बरामद कर लिए हैं। पुलिस ने बुधवार को अर्जुन तंवर (20) को माता-पिता और बहन की हत्या करने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया था। भूतपूर्व सैनिक राजेश कुमार (51), उनकी पत्नी कोमल (46) और उनकी बेटी कविता (23) बुधवार सुबह देवली गांव स्थित अपने घर में मृत मिले थे। पुलिस के अनुसार, तंवर के अपने माता-पिता के साथ अच्छे संबंध नहीं थे और वह इस बात से क्षुब्ध था कि उसके माता-पिता उसकी बहन को उससे अधिक पसंद करते थे। पुलिस ने बुधवार देर रात संजय वन से तंवर की खून से सनी ह्यस्वेटशर्टह्व और माता-पिता तथा बहन की हत्या में इस्तमाल किया गया सैन्य चाकू बरामद कर लिया। पूछताछ के दौरान तंवर ने पुलिस को बताया कि उसने सबसे पहले अपनी बहन की गला रेतकर उस समय हत्या कर दी जब वह सोई हुई थी। पुलिस ने बताया कि इसके बाद उसने ऊपर की मंजिल पर जाकर अपने पिता की गर्दन पर चाकू से वार किया और शौचालय में मौजूद अपनी मां का गला भी रेत दिया। पुलिस के अनुसार, इसके बाद तंवर खून से सने अपने कपड़ों को जिम बैग में डालकर संजय वन पहुंचा, जहां उसने अपराध में इस्तेमाल किए गए चाकू के साथ उन कपड़ों को भी फेंक दिया। अधिकारियों ने बताया कि वहां से लौटने के बाद उसने शौचालय और घर के अन्य सामान पर लगे खून को साफ करने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि इसके बाद तंवर ने पुलिस को झूठा बयान देते हुए दावा किया कि जब परिवार के सदस्यों की हत्या हुई तब वह जिम में था। आरोपी दिल्ली विश्वविद्यालय के एक कॉलेज में राजनीति विज्ञान का छात्र था। वह एक प्रशिक्षित मुक्केबाज भी है। उसने राज्यस्तरीय मुक्केबाजी प्रतियोगिता में दिल्ली का प्रतिनिधित्व करते हुए रजत पदक जीता था। उसने पूर्व में दिल्ली के धौला कुआं स्थित आर्मी पब्लिक स्कूल से पढ़ाई की थी।

दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष रामनिवास गोयल ने चुनावी राजनीति से संन्यास लिया

नई दिल्ली, । दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष एवं शाहदरा से आम आदमी पार्टी (आप) विधायक रामनिवास गोयल ने अपनी बढ़ती उम्र का हवाला देते हुए चुनावी राजनीति से संन्यास लेने की घोषणा की है। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सोशल मीडिया मंच ह्यएक्सह्व पर गोयल (76) के फैसले को एक भावुक क्षण बताया। दिल्ली की 70 सदस्यीय विधानसभा के लिए चुनाव फरवरी 2025 में होने हैं। गोयल 2015 से दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष हैं और पूर्वी दिल्ली के शाहदरा निर्वाचन क्षेत्र से दो बार विधायक रहे हैं। केजरीवाल को 11 नवंबर को लिखे पत्र में गोयल ने कहा कि उन्होंने 10 साल तक शाहदरा के विधायक और विधानसभा अध्यक्ष के रूप में अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन किया और उन्हें काफी सम्मान मिला, जिसके लिए वह उनके आभारी हैं। उन्होंने अपने पत्र में कहा, ह्यह्यबढ़ती उम्र के कारण मैं चुनावी राजनीति से खुद को अलग करना चाहता हूं। मैं आपको आश्वस्त करना चाहता हूं कि मैं आम आदमी पार्टी में रहकर हर प्रकार से सेवा करता रहूंगा। आप मुझे जो भी जिम्मेदारी देंगे मैं उसे पूरा करने की कोशिश करूंगा।

केजरीवाल ने कहा कि गोयल के मार्गदर्शन ने पार्टी को वर्षों तक सही दिशा में आगे बढ़ाया।

केजरीवाल ने अपने पोस्ट में कहा, हाल में उन्होंने अपनी बढ़ती उम्र और स्वास्थ्य के कारण चुनावी राजनीति से अलग होने की इच्छा व्यक्त की थी। हम उनके फैसले का सम्मान करते हैं।

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि वह (गोयल) आप परिवार के संरक्षक बने रहेंगे।

छात्र की मौत पर उसके परिजनों से मिलने पहुंची सीएम आतिशी, सरकारी मदद का दिया भरोसा

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली, । दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी वसंत विहार स्थित कुसुमपुर पहाड़ी में एक स्कूली छात्र की मौत की खबर सुनकर, मृत छात्र के परिवार से मुलाकात कर सांत्वना देने उनके घर पहुंची थीं। आतिशी ने मृत स्कूली छात्र के परिवार को हरसंभव सरकारी सहायता देने का आश्वासन दिया। इस दौरान आतिशी ने दिल्ली में कानून व्यवस्था पर भी सवाल उठाते हुए कहा, ह्लबदहाल कानून व्यवस्था का असर अब हमारे बच्चों पर भी हो रहा है। स्कूल परिसर के अंदर एक बच्चे की मौत होना बेहद ही दुखद घटना है। हम शिक्षा विभाग की तरफ से जांच करा रहे हैं और अगर इसमें स्कूल की तरफ से लापरवाही सामने आती है तो स्कूल पर एक्शन लिया जाएगा।ह्व आतिशी ने कहा, ह्लहमने यह पता लगाने के लिए शिक्षा विभाग से एक इंक्वारी शुरू की है कि आखिर ऐसा क्या हुआ कि बच्चे की मौत हो गई। अगर इसमें स्कूल की कोई भी लापरवाही पाई जाएगी तो स्कूल पर कार्रवाई की जाएगी। दिल्ली में अब ऐसा माहौल हो गया है कि उसका असर हमारे बच्चों पर भी पड़ रहा है। ऐसा माहौल है कि छठी क्लास के बच्चे एक दूसरे के साथ ऐसी हिंसा करते हैं कि उसमें बच्चे की मौत हो जाती है।ह्व उन्होंने दिल्ली की जनता से अपील की है कि हिंसा की हमारी जिंदगी में कोई भी जगह नहीं है। दिल्ली की जनता को एक साथ आना पड़ेगा और अपनी सुरक्षा का मद्दा खुद उठाना पड़ेगा। आए दिन कहीं बाजार में, कहीं पार्क में, कहीं मोहल्ले में, गोली चलना, मारपीट होना आम बात हो गई है। अब इस शहर में हिंसा की हद पार हो गई है। उन्होंने कहा कि अब हमारे बच्चे टीवी में, अखबारों में, हमेशा हर तरफ हिंसा की खबरें पढ़ रहे और देख रहे हैं, जिसका असर उन पर भी हो रहा है। जब हर तरफ, हर जगह क्राइम की और हिंसा की खबर आएगी तो इसका असर हमारे बच्चों पर पड़ेगा ही।

एसएफआई ने किया थाने के बाहर प्रदर्शन

नई दिल्ली, । दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्र संगठन स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) ने अन्य छात्र संगठनों के साथ मिलकर शहीद भगत सिंह कॉलेज (एसबीएससी) के छात्र के खिलाफ हुई कथित जातिगत टिप्पणी और हिंसा के विरोध में प्रदर्शन किया। एसएफआई के नेतृत्व में छात्र संगठनों ने मालवीय नगर थाने के बाहर इकट्ठा होकर शहीद भगत सिंह कॉलेज के प्राचार्य अरुण अत्री के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की। आरोप है कि प्राचार्य ने छात्र पर जातिवादी टिप्पणी की और हमला किया। यह घटना के बाद तीसरी बार है जब इस मामले में थाने के बाहर छात्रों ने प्रदर्शन किया है। एसएफआई दिल्ली के राज्य समिति सदस्य अनिल सेथुमाधवन ने कहा कि हाशिए पर मौजूद छात्रों को भेदभाव का सामना करना पड़ता है और आरक्षण, छात्रवृत्ति के साथ ही मानसिक स्वास्थ्य जैसी आवश्यक सुविधाओं से वंचित किया जाता है।

आरएमएल अस्पताल में मरीजों के लिए मुफ्त फोटोथेरेपी सुविधा, मेड-इन-इंडिया मशीन का उपयोग

नई दिल्ली, । आरएमएल अस्पताल ने मरीजों के लिए मुफ्त फोटोथेरेपी सेवा की शुरूआत की है। इस सुविधा का उद्घाटन अस्पताल के निदेशक डॉ. अजय शुक्ला ने किया। इस सेवा के तहत ह्लडुअल वेवलेंथ चैंबरह्व का उपयोग किया जाएगा, जो पूरी तरह से मेड-इन-इंडिया है और विदेशी मशीनों की तुलना में अधिक किफायती है। इन बीमारियों से मिलेगी मुक्ती इस मशीन के जरिए सोरायसिस, विटिलिगो, मायकोसिस फंजोइड्स और स्क्लेरोडर्मा जैसी बीमारियों का इलाज किया जाएगा। अस्पताल ने एक विशेष फोटो-टेस्टिंग मीटर भी खरीदा है, जिससे मरीजों को सुरक्षित खुराक सुनिश्चित की जाएगी और अधिक खुराक से होने वाले नुकसान से बचाया जाएगा। आरएमएल अस्पताल में यह सेवा खासतौर पर उन मरीजों के लिए उपयोगी होगी, जिनकी त्वचा संबंधी समस्याएं सर्दियों और दिल्ली के प्रदूषण के कारण बढ़ जाती हैं। सर्दियों में कम यूवी किरणों और स्मॉग के चलते सोरायसिस के मामलों में वृद्धि होती है। मरीजों के लिए बड़ी राहत इस सुविधा के तहत मरीजों को न केवल उच्च गुणवत्ता वाली उपचार सेवा मिलेगी, बल्कि वे अपने व्यक्तिगत उपयोग के लिए खरीदी गई यूवी लैंप्स की गुणवत्ता भी जांचवा सकते हैं। आरएमएल अस्पताल के डॉक्टरों ने कहा, ह्लयह मशीन भारतीय तकनीक का उत्कृष्ट उदाहरण है। यह न केवल मरीजों के लिए सस्ती है, बल्कि उनके लिए एक बड़ी राहत भी है।ह्व दिल्लीवासियों के लिए यह सुविधा एक नई उम्मीद लेकर आई है, जो सर्दियों के दौरान त्वचा संबंधी समस्याओं से परेशान रहते हैं।

दिल्ली मेट्रो केबल चोरी:ब्लू लाइन पर मेट्रो सेवाएं सामान्य

नई दिल्ली, । दिल्ली मेट्रो की ब्लू लाइनपर मोती नगर और कीर्ति नगर स्टेशन के बीच सिग्नलिंग केबल चोरी होने के कारण बृहस्पतिवार को करीब छह घंटे तक सेवाएं प्रभावित रहीं जिससे यात्रियों को भारी असुविधाओं का सामना करना पड़ा। मेट्रो की ब्लू लाइन द्वारका को वैशाली और नोएडा सिटी सेंटर से जोड़ती है। सुबह आठ बजे दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) ने यात्रियों को घटना के बारे में सूचित किया और बाद में बताया कि अपराह्न 1:38 बजे से सामान्य सेवाएं बहाल हो गयीं। डीएमआरसी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में लिखा,प्रभावित खंड पर ह्यसिग्नलिंग केबल की मरम्मत करने का आवश्यक कार्य पूरा हो गया है और अपरा 1:38 बजे से सेवाएं सामान्य हो गई हैं।डीएमआरसी ने पहले कहा था कि मोती नगर और कीर्ति नगर स्टेशन के बीच बदमाशों द्वारा सिग्नलिंग केबल की चोरी और लाइन को क्षति पहुंचाने का मामला प्रतीत होने के बाद ब्लू लाइन पर मेट्रो सेवाओं को सुबह से ही सीमित कर दिया गया था। एक अधिकारी ने बताया कि मोती नगर और कीर्ति नगर के बीच ट्रेन का परिचालन धीमी गति से था। गति धीमी होने के कारण यात्रियों को लंबे समय तक प्रतीक्षा करनी पड़ी, जिससे स्टेशन और ट्रेन में बहुत अधिक भीड़ रही। डीएमआरसी ने बाद में एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि वह दोपहर 12:45 बजे से प्रभावित खंड की मरम्मत का प्रयास करेगा, जिसके दौरान सुभाष नगर और कीर्ति नगर स्टेशन के बीच एकल लाइन परिचालन किया जाएगा। इस बीच, केबल चोरी की घटना पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की आलोचना करते हुए कहा, राष्ट्रीय राजधानी में कुछ भी सुरक्षित नहीं है। आप संयोजक ने सोशल मीडिया मंच ह्यएक्सह्व पर लिखा, अमित शाह जी, दिल्ली में क्या हो रहा है? दिल्ली मेट्रो का केबल चोरी हो गया है। कुछ भी सुरक्षित नहीं है। कुछ कीजिए।

अदालत ने विधायक बाल्यान को 10 दिन की हिरासत में भेजे जाने संबंधी पुलिस की याचिका खारिज की

नई दिल्ली, । दिल्ली की एक अदालत ने संगठित अपराध के एक मामले में आम आदमी पार्टी (आप) विधायक नरेश बाल्यान से पूछताछ के लिए उन्हें 10 दिन की हिरासत में भेजे जाने का अनुरोध करने वाली पुलिस की याचिका बृहस्पतिवार को खारिज कर दी। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश वंदना जैन ने हालांकि जांच अधिकारी को ह्यह्यउचित अदालत के समक्ष उचित आवेदन प्रस्तुत करने की आजादी दी। बाल्यान को अदालत में पेश किया गया, जिसके बाद अभियोजन पक्ष ने उनकी हिरासत और मामले को सांसदों और विधायकों के मामलों की सुनवाई के लिए निर्दिष्ट अदालत में स्थानांतरित करने की अपील करते हुए एक याचिका दायर की। न्यायाधीश ने सरकारी वकील से कहा, अदालत के समक्ष मुद्दा यह है कि आरोपी व्यक्ति विधायक हैं और उसे विशेष सांसद एवं विधायक अदालत में पेश किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, ह्यह्यमेरे पास मामले को स्थानांतरित करने का अधिकार नहीं है। मुझे इसका उदाहरण दिखाइए। न्यायाधीश ने कहा, ह्यह्ययहां आने की क्या जरूरत थी। यह समय की बर्बादी है। आप फैसला दिखाएं जिसके अनुसार अदालत इस (मुद्दे) पर विचार करने के लिए बाध्य हो मैं अभी कोई आदेश पारित नहीं कर सकती। दोपहर करीब 1.10 बजे सुनवाई दोबारा शुरू होने पर न्यायाधीश ने दिल्ली के पूर्व विधायक रामबीर शौकीन के संबंध में फैसला सुनाया। न्यायाधीश ने कहा,अभियोजक के रूप में आपको गहनता से जांच करनी चाहिए। क्या आप अपना वही रुख अपना रहे हैं या उसे बदल रहे हैं। बाल्यान को कथित संगठित अपराध से जुड़े मामले में चार दिसंबर को गिरफ्तार किया गया था, जबकि एक अदालत ने उन्हें पहले कथित जबरन वसूली के एक मामले में जमानत दे दी थी।

दिल्ली सरकार के काम और भाजपा शासित राज्यों की बदहाली को बताना महिला ग्रुप का मुख्य काम

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली विधानसभा चुनाव के मद्देनजर, महिला मतदाताओं को साधने के लिए आम आदमी पार्टी ने एक प्रभावी माइक्रो मैनेजमेंट रणनीति तैयार की है। इसके तहत, दिल्ली सरकार के कार्यों को महिलाओं तक पहुंचाने के लिए आम आदमी पार्टी की महिला विंग दिल्ली की सभी 70 विधानसभाओं में छोटी-छोटी बैठकों का आयोजन कर रही है, जिसमें महिलाओं से सीधा संवाद किया जा रहा है। इस अभियान को सफल बनाने के लिए आम आदमी पार्टी ने महिला विंग के पांच हजार ग्रुप बनाए हैं, जिनमें प्रत्येक ग्रुप में 8 महिलाएं शामिल हैं। हर ग्रुप को 10 महिलाओं से संवाद स्थापित करने की जिम्मेदारी दी गई है। इस तरह महिलाओं का यह ग्रुप दिनभर में तीन से चार बैठक करता है। बैठक में महिलाओं को केजरीवाल के काम और उसका महिलाओं को हो रहे फायदे की जानकारी दी जाती है। साथ ही यह भी बताया जाता है कि जहां भाजपा सरकारें हैं, वहां महिलाओं को किस तरह की सुविधा नहीं है। महिलाओं को आम आदमी पार्टी की सरकार होने के फायदे गिनाए जाते हैं। दरअसल दिल्ली में महिलाओं की हमेशा से पहली पसंद आम आदमी पार्टी रही है। आम आदमी पार्टी अपने इस मजबूत वोट बैंक को इस बार के चुनाव में मजबूती से पकड़ कर रखना चाहती है। आप का मानना है कि 2015 और 2020 के परिणाम को दोहराना है तो महिलाओं का साथ आवश्यक है। महिला विंग बैठक में महिलाओं से मिल रहे मशवरे को भी पार्टी हाईकमान तक पहुंचा रही है। महिला विंग की कार्यकर्ता दिल्ली के हर कॉलोनी, मोहल्ले और गलियों में जाकर महिलाओं के ग्रुप के साथ बैठकें कर रही हैं ताकि सभी लोगों को ह्यआपह्व सरकार की नीतियों और उनके प्रभावों के बारे में विस्तार से समझाया जा सके। इन बैठकों में महिलाओं को बताया जा रहा है कि किस तरह दिल्ली सरकार की मुफ्त बिजली, पानी और बसों में मुफ्त सफर की योजनाओं ने उन्हें और उनके परिवार को सशक्त बनाया है। इसके अलावा, बच्चों की शिक्षा, बुनियादी सुविधाओं और परिवहन पर महिलाओं के हजारों रुपये बच रहे हैं, जिससे उनका जीवन बेहतर हो रहा है। महिलाओं से मिल रहे फीडबैक को भी ग्रुप के सदस्य ह्यआपह्व के उच्च पदाधिकारियों तक पहुंचा रहे हैं, जिससे महिलाओं के हिसाब से पार्टी को अपनी रणनीति बनाने में मदद मिल रही है। इस रणनीति के अंतर्गत महिलाओं को यह भी प्रोत्साहित किया जा रहा है कि वे उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश और हरियाणा सहित अन्य राज्यों में अपने रिश्तेदारों से संपर्क कर वहां की बिजली दरों और अस्पतालों, स्कूलों की स्थिति के बारे में जानकारी प्राप्त करें। इस अभियान के तहत पूरी दिल्ली में 50 हजार से अधिक बैठकों का आयोजन किया जाएगा, जिसमें आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता सीधे लोगों से संवाद करेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि दिल्ली का हर मतदाता दिल्ली सरकार के विकास कार्यों को समझे। आप के दिल्ली संयोजक गोपाल राय का कहना है कि दिल्ली सरकार की योजनाओं का महिलाओं को खुब लाभ मिलता है। मुफ्त बस सफर, फ्री और अच्छी शिक्षा और स्वास्थ्य से उनकी प्रतिमाह 5-10 हजार की बचत होती है, जिसका इस्तेमाल वह अपनी अन्य जरूरतों को पूरा करने में करती हैं। दिल्ली सरकार जल्द ही महिलाओं को एक हजार रुपये भी देने वाली है। इन सब कारणों से महिलाओं के अंदर आम आदमी पार्टी को लेकर काफी सकारात्मकता है। इसी को पूरी तरह से पार्टी से जोड़ने के लिए महिला विंग की छोटी बैठकें आयोजित कराई जा रही।

डीडीए की जमीन को निजी बताकर बेचने के आरोपी 3 अधिकारियों के खिलाफ एलजी ने एसीबी जांच की दी मंजूरी

नई दिल्ली, । दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने आम आदमी पार्टी सरकार के राजस्व विभाग में तैनात तीन अधिकारियों के खिलाफ एसीबी जांच को मंजूरी दे दी है. भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति के तहत उपराज्यपाल ने प्रीवेंशन ऑफ करप्शन एक्ट 1988 की धारा 17 ए के तहत राजस्व विभाग के तीन अधिकारियों के खिलाफ एसीबी द्वारा जांच को मंजूरी दी है. उन्होंने सतर्कता विभाग को भी मामला प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है. इस मामले में शामिल दक्षिण जिले हौज खास के तत्कालीन एसडीएम को एक सप्ताह के भीतर पेश होने के लिए कहा गया है. उपराज्यपाल सचिवालय से मिली जानकारी के अनुसार इस मामले में राजस्व विभाग के पूर्व उप-रजिस्ट्रार डीसी साहू, पूर्व कानूनगो रमेश कुमार और पूर्व तहसीलदार अनिल कुमार के खिलाफ जांच की मंजूरी दे दी गई है. ये पहले हौज खास, दक्षिण जिला, राजस्व विभाग, एनसीटी सरकार से जुड़े थे. यह है मामला: दरअसल मामला एनओसी जारी करके डीडीए की जमीन को निजी व्यक्तियों को कथित तौर पर बेचने से जुड़ा है. दक्षिणी दिल्ली के हौज खास इलाके में खसरा नंबर 351 वाली भूमि 1965 में डीडीए द्वारा अधिग्रहित की गई थी. 2019 में, बाला देवी नाम की एक महिला ने एसडीएम, हौज खास के पास एक आवेदन दायर किया, जिसमें खसरा नंबर 351 के सीमांकन की मांग की गई. राजस्व अधिकारियों द्वारा कुल 44 बीघा और 19 बिस्वा क्षेत्रफल में से सीमांकन के बाद, 1 बीघा और 5 बिस्वा भूमि को निजी के रूप में सीमांकित किया गया था. सतर्कता विभाग की तरफ से देरी: इस मामले में कोर्ट में सुनवाई के दौरान, डीडीए ने विपरीत रुख अपनाया और बताया कि डीडीए की जमीन पर अवैध निर्माण था, जिसे ध्वस्त कर दिया गया है और प्राधिकरण ने जमीन पर कब्जा कर लिया है. राजस्व रिकॉर्ड साफ तौर से बताने के बावजूद कि भूमि सरकार (डीडीए) की थी, दक्षिण जिले के राजस्व विभाग के अधिकारियों ने बाला देवी को एनओसी जारी कर दी. इसके बाद, तत्कालीन सब-रजिस्ट्रार, डीसी साहू, अधिग्रहित भूमि के विक्रय पत्र को पंजीकृत करने के लिए चले गए. धोखाधड़ी के इस कथित कृत्य के परिणामस्वरूप सरकार को राजस्व हानि हुई. चूंकि, सतर्कता विभाग की तरफ से इन मामलों कार्रवाई में देरी हुई थी, इसलिए भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामलों से निपटने वाले सतर्कता विभाग के अधिकारियों को अधिनियम में निर्धारित समय-सीमा का सख्ती से पालन करने और संवेदनशील मामलों में देरी से बचने का निर्देश दिया गया था.

रेलवे ट्रेड यूनियन चुनाव: दूसरे दिन भी मतदान जारी, 12 दिसंबर को आएंगे परिणाम

नई दिल्ली, । रेलवे ट्रेड यूनियन चुनाव के लिए बृहस्पतिवार को दूसरे दिन भी मतदान जारी है. उत्तर रेलवे में पांच संस्थाएं चुनाव लड़ रही है. 6 दिसंबर को भी मतदान होंगे, लेकिन रनिंग स्टाफ जो ट्रेन लेकर बाहर जाते हैं वही मतदान कर सकेंगे. आगामी 12 दिसंबर को मतगणना होगी. इसके बाद पता चलेगा कि रेलवे कर्मचारियों व अधिकारियों ने किस यूनियन पर अपना भरोसा जताया है. रेलवे स्टेशनों के साथ विभिन्न वर्कशाप और कार्यालयों में रेलवे की तरफ से पोलिंग बूथ बनाए गए हैं, जहां रेलवे के कर्मचारी उनकी आवाज उठाने वाली किसी भी यूनियन को मतदान कर सकते हैं. बृहस्पतिवार को दूसरे दिन भी कर्मचारियों ने उत्साह के साथ मतदान किया. इसके साथ ही अन्य कर्मचारियों को भी मतदान के लिए जागरूक किया गया. देशभर में 12 लाख से अधिक कर्मचारी है. उत्तर रेलवे में करीब 1.25 लाख रेल कर्मचारी हैं. नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर मतदान करने पहुंचे रेलवे के डिप्टी सीटीआई देवेंद्र कुमार ने कहा कि हमारी जो दिक्कतें होती हैं हम उन्हें यूनियन को बताते हैं. यूनियन कर्मचारियों की समस्या पर काम करती है और उनका समाधान कराती है. चीफ पार्सल सुपरवाइजर सोनिया शर्मा ने बताया कि इस वक्त रेलवे के कर्मचारियों का सबसे बड़ा मुद्दा पुरानी पेंशन की बहाली है. कर्मचारी पुरानी पेंशन को लागू करने की मांग कर रहे हैं, जो भी यूनियन आए पेंशन दिलाए, क्योंकि 60 साल में रिटायर होने के बाद परिवार कैसे चलेगा. सरकार द्वारा यूपीएस लाई गई, लेकिन कर्मचारी इसके समर्थन में नहीं है. चीफ

महिला मतदाताओं को साधने पर आप की नजर, बनाई माइक्रो मैनेजमेंट रणनीति

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली, ।दिल्ली विधानसभा चुनाव के मद्देनजर, महिला मतदाताओं को साधने के लिए आम आदमी पार्टी ने एक माइक्रो मैनेजमेंट रणनीति तैयार की है। इसके तहत, दिल्ली सरकार के कार्यों को महिलाओं तक पहुंचाने के लिए पार्टी की महिला विंग दिल्ली की सभी 70 विधानसभाओं में छोटी-छोटी बैठकों का आयोजन कर रही है, जिसमें महिलाओं से सीधा संवाद किया जा रहा है। इस अभियान को सफल बनाने के लिए आप ने महिला विंग के पांच हजार ग्रुप बनाए हैं, जिनमें प्रत्येक ग्रुप में आठ महिलाएं हैं। हर ग्रुप को 10 महिलाओं से संवाद स्थापित करने की जिम्मेदारी दी गई है। इस तरह महिलाओं का यह ग्रुप दिन में तीन-चार बैठकें करता है। बैठक में महिलाओं को केजरीवाल के काम और महिलाओं को हो रहे उनके फायदों की जानकारी दी जाती है। साथ ही यह भी बताया जाता है कि जहां भाजपा सरकारें हैं, वहां महिलाओं को किस तरह की सुविधा नहीं है। आप महिलाओं के अपने मजबूत वोट बैंक को इस बार के चुनाव में मजबूती से पकड़ कर रखना चाहती है। उसका मानना है कि 2015 और 2020 के परिणाम को दोहराना है तो महिलाओं का साथ आवश्यक है। महिला विंग की बैठक में महिलाओं से मिल रहे सुझावों को भी पार्टी हाईकमान तक पहुंचा रही है। महिला विंग की कार्यकर्ता दिल्ली की हर कॉलोनी, मोहल्ले और गलियों में जाकर महिलाओं के समूहों के साथ बैठकें कर रही हैं ताकि सभी लोगों को ह्यआपह्व सरकार की नीतियों और उनके प्रभावों के बारे में विस्तार से समझाया जा सके। महिलाओं को बताया जा रहा है कि किस तरह दिल्ली सरकार की मुफ्त बिजली, पानी और बसों में मुफ्त सफर की योजनाओं ने उन्हें और उनके परिवार को सशक्त बनाया है। इसके अलावा, बच्चों की शिक्षा, बुनियादी सुविधाओं और परिवहन पर महिलाओं के हजारों रुपये बच रहे हैं, जिससे उनका जीवन बेहतर हो रहा है। इस रणनीति के अंतर्गत महिलाओं को भाजपा और एनडीए शासित उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश और हरियाणा सहित अन्य राज्यों में अपने रिश्तेदारों से संपर्क कर वहां की बिजली दरों और अस्पतालों, स्कूलों की स्थिति के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। इस अभियान के तहत पूरी दिल्ली में 50 हजार से अधिक बैठकों का आयोजन किया जाएगा, जिसमें आप के कार्यकर्ता सीधे लोगों से संवाद करेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि दिल्ली का हर मतदाता दिल्ली सरकार के विकास कार्यों को समझे। आप के दिल्ली संयोजक गोपाल राय का कहना है कि दिल्ली सरकार की योजनाओं का महिलाओं को खूब लाभ मिलता है। मुफ्त बस सफर, फ्री और अच्छी शिक्षा और स्वास्थ्य से उनकी प्रतिमाह पांच-दस हजार रुपये की बचत होती है, जिसका इस्तेमाल वे अपनी अन्य जरूरतों को पूरा करने में करती हैं। दिल्ली सरकार जल्द ही महिलाओं को एक हजार रुपये भी देने वाली है। इन सब कारणों से महिलाओं के अंदर आप को लेकर काफी सकारात्मकता है। इसी को पूरी तरह से पार्टी से जोड़ने के लिए महिला विंग की छोटी बैठकें आयोजित कराई जा रही।

संक्षिप्त खबरें

आरएमएल अस्पताल में मरीजों के लिए मुफ्त फोटोथेरेपी सुविधा, मेड-इन-इंडिया मशीन का उपयोग

नई दिल्ली,। आरएमएल अस्पताल ने मरीजों के लिए मुफ्त फोटोथेरेपी सेवा की शुरूआत की है। इस सुविधा का उद्घाटन अस्पताल के निदेशक डॉ. अजय शुक्ला ने किया। इस सेवा के तहत ह्लड्डुअल वेवलेंथ चैंबरह्व का उपयोग किया जाएगा, जो पूरी तरह से मेड-इन-इंडिया है और विदेशी मशीनों की तुलना में अधिक किफायती है। इन बीमारियों से मिलेगी मुक्ती इस मशीन के जरिए सोरायसिस, विटिलिगो, मायकोसिस फंजोइड्स और स्क्लेरोडर्मा जैसी बीमारियों का इलाज किया जाएगा। अस्पताल ने एक विशेष फोटो-टेस्टिंग मीटर भी खरीदा है, जिससे मरीजों को सुरक्षित खुराक सुनिश्चित की जाएगी और अधिक खुराक से होने वाले नुकसान से बचाया जाएगा। आरएमएल अस्पताल में यह सेवा खासतौर पर उन मरीजों के लिए उपयोगी होगी, जिनकी त्वचा संबंधी समस्याएं सर्दियों और दिल्ली के प्रदूषण के कारण बढ़ जाती हैं। सर्दियों में कम यूवी किरणों और स्मॉग के चलते सोरायसिस के मामलों में वृद्धि होती है। मरीजों के लिए बड़ी राहत इस सुविधा के तहत मरीजों को न केवल उच्च गुणवत्ता वाली उपचार सेवा मिलेगी, बल्कि वे अपने व्यक्तिगत उपयोग के लिए खरीदी गई यूवी लैंप्स की गुणवत्ता भी जांचवा सकते हैं। आरएमएल अस्पताल के डॉक्टरों ने कहा, ह्लयह मशीन भारतीय तकनीक का उत्कृष्ट उदाहरण है। यह न केवल मरीजों के लिए सस्ती है, बल्कि उनके लिए एक बड़ी राहत भी है।

फरार बदमाश क्राइम ब्रांच के हत्थे चढ़ा

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने जीटीबी एन्क्लेव इलाके में सड़क पर हुई कहासुनी के दौरान एक युवक की चाकू मारकर हत्या और उसके दो दोस्तों पर चाकू से जानलेवा हमला कर फरार हुए आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी गोपाल को पानी टंकी बड़ी मस्जिद मंडोली के पास से दबोचा गया। पूछताछ में उसने अपना गुनाह कबूल कर लिया। उसने बताया कि झिलमिल मेट्रो स्टेशन के पास तीन युवकों पर चाकू से हमला किया था।

रेडियो रिमोट यूनिट की चोरी करने वाले दो धरे

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने मोबाइल टावर में लगने वाले आरआरयूएस (रेडियो रिमोट यूनिट) की चोरी करने वाले गिरोह का पदार्फाश किया है। इस संबंध में पुलिस ने दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से पुलिस ने करीब 80 लाख रुपये कीमत के 82 आरआरयू बरामद किए हैं। पुलिस ने तकनीकी जांच के आधार पर यूपी के मेरठ निवासी वसीम और शाहनवाज को दिल्ली के मुस्तफाबाद के पास भगत विहार से पकड़ा लिया।

फर्जी दस्तावेज के सहारे मोबाइल बेचने वाले दबोचे

नई दिल्ली। द्वारका साउथ थाना पुलिस ने 27 नवंबर को चोरी के मोबाइल फर्जी दस्तावेज के सहारे ऑनलाइन कंपनी को बेचने वाले गिरोह के पांच सदस्यों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों अनुज, दीपक, अखिल, अब्दुल अलीम और कपिल के पास से एक मोबाइल और कई दर्जन फर्जी दस्तावेज बरामद हुए हैं। इन्होंने 29 अक्तूबर को एक महिला से मोबाइल झपट लिया था। इसके बाद पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगालकर आरोपियों की पहचान की और उन्हें पकड़ लिया।

हत्या मामले में वांछित बदमाश गिरफ्तार

नई दिल्ली, 05 दिसंबर (वेब वार्ता)। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने लूटपाट के लिए हत्या के मामले में वांछित बदमाश को 18 साल बाद गिरफ्तार किया है। आरोपी ने अपने साथियों के साथ मिलकर 60 वर्षीय महिला की गला दबाकर हत्या कर लाखों के आभूषण लूटे थे। अदालत ने 2006 में उसे भगोड़ा घोषित किया था। आरोपी की पहचान राम भाले के रूप में हुई है।

ईसीएम चोरी करने वाला सरगना साथी के साथ पकड़ा

नई दिल्ली। बाहरी उत्तरी जिला और उसके आसपास के इलाके में खड़े वाहनों से ईसीएम चोरी करने के लिये हर रोज नये लडके के साथ रेकी करने वाले सरगना सद्दाम अहमद को उसके साथी सूरज उर्फ सुशील को बाहरी उत्तरी जिला की स्पेशल स्टॉफ पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों से आधा दर्जन चोरी के ईसीएम जब्त कर पांच वारदातों का खुलासा किया है। पुलिस आरोपी के नेटवर्क के बारे में जानकारी लेने की कोशिश कर रही है। आरोपी सद्दाम 26 वारदातों में शामिल रहा है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले में काफी ईसीएम चोरी होने पर इंस्पेक्टर पवन यादव के नेतृत्व में एसआई डिंपी गुलिया, एएसआई अजहर अनवर जेदी, हेड कांस्टेबल नेतराम, कांस्टेबल रविकांत और जितेंद्र को आरोपियों को पकडने का जिम्मा सौंपा गया था।

गुरुग्रामः प्रॉपर्टी बुकिंग के लिए विजिटिंग कार्ड पर रसीद बना हड़प लिए लाखों रुपये

पीड़ित की शिकायत पर पुलिस नहीं कर रही कार्रवाई, पीड़ित ने डीसीपी साउथ जोन से लगाई न्याय की गुहार

प्रात : किरण/एजेंसी

गुरुग्राम। कॉमर्शियल यूनिट बुक करने के नाम पर एक व्यक्ति के साथ धोखाधड़ी व जालसाजी कर ली गई। पीड़ित की तरफ से पीड़ित समीर बंसल ने डीसीपी साउथ जोन को लिखित में शिकायत देकर न्याय की गुहार लगाई है।

समीर बंसल पुत्र स्वर्गीय महेश प्रसाद बंसल निवासी पाश्र्वनाथ ग्रीन विले सोहना रोड गुरुग्राम ने गुरुवार को बताया कि उन्होंने अपने व अपनी माता सुषमा बंसल के नाम से एक कॉमर्शियल यूनिट नंबर-210 द्वितीय फ्लोर सिटीसकैप, सेक्टर-66, गोल्फ कोर्स एक्सटेंशन रोड में बुक कराया था। जिसके लिए उनसे कपूर एंड थापर रियलटी सर्विसेस प्राइवेट लिमिटेड में काम करने वाले प्रॉपर्टी एजेंट फानेश्वर त्रिपाठी के माध्यम से कंपनी के डायरेक्टर रवीश कपूर के माध्यम से उन्होंने यह दुकान बुक कराई थी। तब उपरोक्त दोनों 20 नवंबर 2012 को उनके निवास पर आए और 3 लाख रुपए नकद रूप में लेकर अपने विजिटिंग कार्ड पर धनराशि प्राप्ति की। वे रसीद देकर चले गए। दूसरी बार में 30 नवंबर 2012 को 3 लाख 92 हजार 580 रुपए नकद रूप में लिए। इस बार भी विजिटिंग कार्ड पर ही रसीद बनाकर दे दी और कहा कि

आपकी कुल 6 लाख 92 हजार 580 रुपए की राशि बिल्डर के पास जमा करा देंगे। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि इसके बाद उपरोक्त दोनों आरोपी 10 दिसंबर 2012 को उनके पास आए और कहा कि अब एक लाख 96 हजार 350 रुपए के साथ आवेदन पत्र फार्म अलॉटमेंट के लिए भरकर दे दो। आपका काम हो गया है। जिस पर उन्होंने उपरोक्त राशि का एक चेक अलॉटमेंट के लिए आवेदन पत्र के साथ दे दिया। जिसके बाद उन्होंने पीड़ित को 22 जुलाई 2013 को प्रोविजनल अलॉटमेंट लेटर दे दिया। जिसमें उनके द्वारा दी गई नकद व चेक राशि का कोई विवरण, हवाला नहीं दिया गया। पीड़ित समीर बंसल का आरोप है कि उससे झांसे में लेकर कई बार में कुल 15 लाख 21 हजार 955 रुपए की धनराशि ले ली और दुकान देने में टालमटोल करते रहे। पता चला है कि रवीश कपूर, आकाश कपूर और गौरव खंडेलवाल ने मिलकर फानेश्वर त्रिपाठी को मोहरा बनाकर उनकी दी गई राशि को हड़प लिया। समीर बंसल ने डीसीपी साउथ जोन से आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। आरोपियों को गिरफ्तार कर ठगी की गई रकम की बरामदगी की गुहार लगाई है। पीड़ित का यह भी कहना है कि वह पुलिस थाने में कई बार शिकायत देने के बावजूद शिकायत पर हुई कार्रवाई जानने के लिए बार-बार थाने के चक्कर काटता रहा, लेकिन थाना प्रभारी ने टालमटोल करते रहे। उसकी शिकायत को ही रददी की टोकरी में डाल दिया।

हरियाणा पुलिस ने शंभू और खनौरी बॉर्डर पर बढ़ाई सुरक्षा

किसानों को दिल्ली में प्रदर्शन की नहीं मिली अनुमति

हरियाणा पुलिस ने अंबाला के शंभू और जींद के खनौरी बॉर्डर पर सुरक्षा बढ़ा दी है। किसानों को दिल्ली में प्रदर्शन की अनुमति नहीं मिली है इसलिए उन्हें हरियाणा में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। किसान नेता दिल्ली में जंतर-मंतर या रामलीला मैदान पर धरना देना चाहते हैं लेकिन वर्तमान में संसद का शीतकालीन सत्र चल रहा है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पानीपत में कार्यक्रम है।

प्रात : किरण/एजेंसी

चंडीगढ़। अंबाला में संधू और जींद में खनौरी बॉर्डर पर जमे किसानों को हरियाणा में एंट्री नहीं मिलेगी। शुक्रवार को दिल्ली कूच पर अड़े आंदोलनरत किसानों को दिल्ली में धरने-प्रदर्शन की अनुमति नहीं मिली है। इसे देखते हुए हरियाणा पुलिस ने दोनों बॉर्डर पर सख्ती बढ़ाते हुए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया है।

गृह सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा ने किसान नेताओं का आह्वान किया कि वे सुप्रीम कोर्ट द्वारा बनाई गई कमेटी के समक्ष अपनी बात रखें, ताकि कोई समाधान निकल सके। दिल्ली में किसानों को प्रदर्शन की अनुमति नहीं मिलने के कारण हम उन्हें आगे नहीं जाने दे सकते।

धारा 144 के लगे नोटिस

किसानों के दिल्ली कूच को लेकर हरियाणा पुलिस ने शंभू बॉर्डर पर धारा 163 (पहले धारा 144) के नोटिस चिपका दिए हैं। अंबाला के उपायुक्त द्वारा जारी नोटिस में कहा गया है कि किसानों को दिल्ली पुलिस से अनुमति मिलने के बाद ही आगे बढ़ने की अनुमति मिल पाएगी।

अंबाला में धारा 163 लागू होने के कारण पांच या इससे अधिक लोगों के इकट्ठे होने पर रोक रहेगी। अंबाला पुलिस ने शंभू बार्डर से करीब 500 मीटर की दूरी पर फिर से पक्की बैरिकेडिंग शुरू कर दी है।

'जंतर-मंतर या रामलीला मैदान पर देना चाहत हैं धरना'

किसान नेता दिल्ली में जंतर-मंतर या रामलीला मैदान पर धरना देना चाहते हैं। चूंकि

- अंबाला में सिंधू और जींद में खनौरी बॉर्डर पर हरियाणा पुलिस ने सख्ती बढ़ाई
- आंदोलनकारियों को दिल्ली में प्रदर्शन की नहीं मिली है अनुमति
- हरियाणा पुलिस ने शंभू बॉर्डर पर लगाए धारा 144 के पोस्टर

वर्तमान में संसद का शीतकालीन सत्र चल रहा है, ऐसे में किसानों के प्रदर्शन से शांति व्यवस्था भंग होने और कानून व्यवस्था बिगड़ने की आशंका के चलते किसान संगठनों को दिल्ली पुलिस ने धरने-प्रदर्शन की अनुमति नहीं दी है। इसके अलावा नौ दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का पानीपत में कार्यक्रम है, जिसमें वह बीमा सखी योजना का शुभारंभ करेंगे।

पैदल मार्च की जिद पर अड़े किसानों के आगे बढ़ने की स्थिति में इस कार्यक्रम में खलल पड़ने की आशंका है। ऐसे में सरकार किसानों को आगे बढ़ने की छूट देकर कोई जोखिम नहीं लेना चाहती। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी खुद पूरी स्थिति पर नजर रखे हुए हैं।

खुफिया एजेंसियों को स्थिति बिगड़ने का खतरा

खुफिया एजेंसियां भी आंदोलनरत किसानों को लेकर प्रतिकूल रिपोर्ट दे चुकी हैं। रिपोर्ट के मुताबिक किसानों को पैदल मार्च की अनुमति दी गई तो वे रास्ते में उग्र हो सकते हैं।

हरियाणा में उन्हें रोकने पर वे जगह-जगह पक्का धरना भी लगा सकते हैं, जिससे प्रदेश में कानून व्यवस्था बिगड़ सकती है। इसके अलावा उनके पैदल मार्च में हरियाणा के किसान भी शामिल हो गए तो स्थिति और बिगड़ जाएगी। इसलिए पंजाब के आंदोलनरत किसानों को दिल्ली में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।

पंजाब की ओर से आने वाली सभी वाहनों पर नजर

खनौरी और शंभू बार्डर पर 24 घंटे नजर रखने के लिए पुलिस के जवानों की स्पेशल ड्यूटी लगाई गई है। पंजाब की ओर से आने वाले हर वाहन की न केवल सघन चेकिंग की जा रही है, बल्कि ट्रैक्टर की एंट्री को पूरी तरह से प्रतिबंधित कर दिया गया है।

अंबाला सहित जीटी रोड पर पड़ने वाले सभी जिलों और दिल्ली से लगते जिलों की पुलिस को अलर्ट मोड पर रखा गया है। सभी जिलों में अतिरिक्त पुलिस की तैनाती की गई है। चेकिंग से यातायात का दबाव बढ़ने की स्थिति में पुलिस की ओर से वैकल्पिक मार्गों का इस्तेमाल करने की सलाह दी गई है।

बीपीएल परिवार मकान मरम्मत के लिए सरकार से ले सकते हैं 80 हजार रुपये

प्रात : किरण/एजेंसी

- जिला में सभी बीपीएल परिवारों को मिलेगा योजना का लाभ

गुरुग्राम। हरियाणा अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग द्वारा सभी बीपीएल परिवारों को डॉ. बीआर अम्बेडकर आवास नवीनीकरण योजना के तहत मकान मरम्मत के लिए 80 हजार रुपये की आर्थिक मदद दी जा रही है। अभी तक यह लाभ केवल अनुसूचित जाति के बीपीएल परिवारों को ही दिया जा रहा था, लेकिन हरियाणा सरकार द्वारा योजना में बदलाव के बाद इसमें सभी पात्र बीपीएल परिवारों को लाभ दिया जा रहा है।

हरियाणा सरकार ने योजना के तहत लाभार्थियों का दायरा बढ़ाने के साथ-साथ योजना के तहत मिलने वाली राशि को भी 50 हजार से बढ़ाकर 80 हजार किया है। हरियाणा सरकार की यह आवास नवीनीकरण योजना अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग से संबंधित है। उपायुक्त अजय कुमार के मुताबिक बीपीएल सूची में शामिल आवेदकों को इस योजना के लिए पात्र बनाया गया है। उन्होंने बताया कि यदि पहले मकान निर्माण के लिए या अपने समय के निर्मित मकान को बनाए हुए 10 साल या इससे अधिक समय हो गया हो तथा मकान मरम्मत के योग्य हो तभी आप इस योजना का लाभ उठा सकते हैं। इस योजना का लाभ उठाने के लिए पात्रता संबंधी जानकारी देते हुए बताया कि आवेदनकर्ता हरियाणा का स्थाई निवासी होना चाहिए। आवेदनकर्ता का नाम बीपीएल सूची में दर्ज होना चाहिए। आवेदनकर्ता को अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग से संबंधित है। बीपीएल सूची में शामिल आवेदकों को बीपीएल परिवार होने का अपना जाति प्रमाण पत्र दिखाना अनिवार्य है।

आवेदनकर्ता का अपना घर होना चाहिए। घर कम से कम 10 साल पुराना होना चाहिए। उन्होंने बताया कि प्रार्थी की परिवार आईडी, बीपीएल राशन कार्ड नंबर, राशन पत्रिका, एससी, बीसी जाति प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, बैंक खाता संख्या, मोबाइल नंबर, घर के साथ फोटो, बिजली बिल-हाउस रजिस्ट्री-पानी बिल में से कोई भी दो, मकान की मरम्मत पर अनुमानित खर्च का प्रमाण जैसे कागजात जरूरी है। हरियाणाएससीबीसी.जीओवी.इन से फॉर्म डाउनलोड करके उसे भरना है और उसको सरपंच या फिर पार्षद से सत्यापित करवाना होगा। फॉर्म के साथ में ऊपर बताए गए सभी दस्तावेज लगाने अनिवार्य है। उसके बाद ये फॉर्म आपके नजदीकी सीएससी सेटर से ऑनलाइन करवाना है। ऑनलाइन करवाने के बाद आपको ये फार्म जिले के अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग में जमा करवाना है। कोई भी गलत जानकारी न भरें। डॉक्यूमेंट की कॉपी साथ लगाएं, जिससे आपके काम में कोई अड़चन न आए।

सोना समझ चुरा लिए दो किलो आभूषण, बेचने गए तो पता चला नकली है; तीन दोस्त गिरफ्तार

प्रात : किरण/एजेंसी

गुरुग्राम। महाराष्ट्र का रहने वाला एक युवक गुरुग्राम के सेक्टर 72 स्थित एक कॉलेज में पढ़ता था और वेयर हाउस में नौकरी करता था। इसने महाराष्ट्र से ही दो दोस्तों को नौकरी के लिए गुरुग्राम बुलाया।

नौकरी नहीं लगी तो तीनों ने फरुखनगर स्थित ज्वेलरी दुकान से दो किलो सोने के आभूषण चोरी कर लिए। पहली बार चोरी की थी, इसलिए इन्हें असली और नकली का फर्क पता नहीं था। जब दूसरी दुकान पर बेचने गए तो पता चला जिसे ये सोना समझ लाए थे, वह गोल्ड प्लेटेड था। यानी नकली गहने। यह चोरी 26 अक्टूबर को फरुखनगर स्थित दुकान में हुई थी। आभूषण चोरी करने के मामले में फरुखनगर क्राइम ब्रांच की टीम ने मंगलवार रात तीन आरोपितों को फरुखनगर से ही गिरफ्तार कर लिया। इनकी पहचान महाराष्ट्र के पालघर निवासी रियाज बद्री आलम, सोहेल और अक्षय मुरुगन के रूप में की गई है। क्राइम ब्रांच ने बताया कि 27 अक्टूबर को सराफा दुकानदार ने थाने में चोरी की शिकायत दर्ज कराई थी। बताया था कि चोरों ने शटर का ताला तोड़कर दुकान के अंदर से सारा सामान चोरी कर लिया। दुकान के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे के आधार पर इनकी तस्वीर निकाली गई।

क्राइम ब्रांच काफी दिनों तक तस्वीर के माध्यम से आरोपितों की पहचान में जुटी थी। इस दौरान रियाज के बारे में जानकारी मिली। पता चला कि वह फरुखनगर के बालाजी कालोनी में किराये से रहता है।

गुरुग्राम के सेक्टर 72 स्थित एक कॉलेज में बीटेक करता है और पास के ही वेयर हाउस में पार्ट टाइम जाब करता है। वेयर हाउस के पास ही लोगों ने इसकी पहचान की। टीम ने इसे इसके कमरे से पकड़ लिया।

इससे पूछताछ में इसके दोनों दोस्तों सोहेल और अक्षय के बारे में जानकारी मिली। कमरे से ही नकली आभूषण बरामद किए गए।इनकी कीमत करीब छह लाख रुपये बताई गई। इसके बाद इन दोनों को भी पकड़ लिया गया। रियाज ने पूछताछ में बताया कि वह वेयर हाउस में पार्ट टाइम जाब करता था। इसलिए सोहेल और अक्षय ने नौकरी लगवाने के लिए कहा था। रियाज ने सितंबर में दोनों को गुरुग्राम बुलाया और अपने साथ रखा।

काफी दिनों तक भी जब इनकी नौकरी नहीं लगी और रियाज के पैसे भी खर्च हो गए तो तीनों ने चोरी की साजिश रची। रियाज ने दुकान की पहले रेकी की। 26 अक्टूबर की रात तीनों आरोपित शटर तोड़कर अंदर घुस गए।आभूषण चोरी कर तीनों महाराष्ट्र फरार हो गए। यहां जब ये चोरी का माल बेचने पहुंचे तो पता चला ये नकली हैं। इसके बाद पहले रियाज वापस आया। बाद में थोड़े दिन पहले ही दोनों आरोपित भी दोबारा नौकरी की तलाश में गुरुग्राम आए थे। पूछताछ में तीनों ने पहली बार चोरी की वारदात करने की बात स्वीकार की।

वारदात को अंजाम देने की फिराक में था बदमाश, ऐन वक्त पर पहुंची पुलिस, आरोपी को गोली चलाना पड़ा भारी

वारदात को अंजाम देने के लिए बदमाश रेकी कर रहा था तभी पुलिस मौके पर पहुंच गई। इस दौरान पुलिस पुलिस और बदमाश के बीच मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ के दौरान पुलिस ने बदमाश को गिरफ्तार कर लिया। बताया गया कि बदमाश पैर में गोली लगने से घायल हो गया है। पुलिस ने जिला अस्पताल में उसका उपचार कराया।

प्रात : किरण/एजेंसी

फरीदाबाद। जमानत पर बाहर आने के बाद ग्रेटर फरीदाबाद के चंदीला चौक पर एक और वारदात को अंजाम देने के लिए रेकी कर रहा बदमाश पुलिस से मुठभेड़ में पकड़ा गया। विपिन नाम के इस आरोपित पर फरीदाबाद में सात, नोएडा में दो और गुरुग्राम में चोरी की एक वारदात को अंजाम देने के पहले से मुकदमे दर्ज हैं।

आरोपित अभी कुछ समय पहले ही जमानत पर बाहर आया था। ताजा मामले में यह जानकारी मिली है कि क्राइम ब्रांच सेक्टर-85 प्रभारी महेंद्र अपनी टीम के साथ

- फरीदाबाद में पुलिस मुठभेड़ के बाद एक बदमाश गिरफ्तार किया गया।
- फरीदाबाद के चंदीला चौक पर चोरी के लिए रेकी कर रहा था आरोपित।

गश्त पर थे। उनको सूचना मिली कि अंतरराज्यीय लूट और चोरी करने वाले गिरोह का एक सदस्य विपिन ग्रेटर फरीदाबाद में चंदीला चौक के पास रेकी कर रहा है। वह अपने साथियों संग एक और वारदात करने के इरादे से यह सब कर रहा है।

सूचना पाकर महेंद्र अपनी टीम के सदस्य संदीप, सिपाही हरकेश और सिकंदर के साथ मौके पर पहुंच गए। पुलिस की गाड़ी देखकर विपिन अपनी कार लेकर भागने लगा, लेकिन पुलिस ने पीछा कर कुछ ही दूरी पर जाकर बदमाश की गाड़ी को घेर लिया। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में हुआ घायल।

भंडाफोड़ | कॉल सेंटर के मालिक/संचालक सहित कुल तीन आरोपी गिरफ्तार

हरियाणा में बंजर भूमि पर भी लहलाएगी फसल, किसान उगा सकेंगे 691 नई वैरायटी

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ने जलवायु परिवर्तन और कुपोषण से निपटने के लिए 691 नई फसल किस्में विकसित की हैं। इनमें से 524 खेत फसलों और 167 बागवानी फसलों की किस्में हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 11 अगस्त को 34 खेत और 25 बागवानी फसलों की कुल 109 किस्मों को राष्ट्र को समर्पित किया था। ये किस्में अलग-अलग राज्यों में किसानों की जरूरत के हिसाब से विकसित की गई।

प्रात : किरण/एजेंसी

चंडीगढ़। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आइसीएआर) ने जलवायु परिवर्तन और कुपोषण की वजह से फसलों को खराब होने से बचाने की दिशा में कई प्रमुख अनुसंधान किए हैं। अनुसंधान परिषद ने केंद्रीय व राज्य कृषि विश्वविद्यालयों तथा विभिन्न कृषि संस्थानों के साथ मिलकर खेत फसलों की 524 और बागवानी फसलों की 167 नई/संकर किस्में विकसित की हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 11 अगस्त को 34 खेत ओर 25 बागवानी फसलों की कुल 109 किस्मों को राष्ट्र को समर्पित कर चुके हैं।

बंजर भूमि पर भी खेती संभवः कुरुक्षेत्र के भाजपा सांसद नवीन जिंदल ने लोकसभा में फसलों व बागवानी की नई किस्मों के अनुसंधान को लेकर केंद्र सरकार से सवाल पूछा था।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज चौहान ने लोकसभा में जानकारी दी कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ने फसलों व बागवानी की ऐसी किस्मों पर भी काम किया है, जिनसे बंजर भूमि में भी खेती हो सकेगी। बाढ़, जलभराव, अत्याधिक गर्मी व कड़ाके की ठंड, लवणीय भूमि और कम फास्फोरस वाली जमीन में भी खेती संभव हो पाएगी।

केंद्रीय कृषि मंत्री का कहना है कि किसी भी किस्म को किसानों के लिए जारी करने के बाद बीज का उत्पादन करने वाली सरकारी व प्राइवेट एजेंसियों से मांग पत्र के

हिसाब से बीज उत्पादन केंद्रों द्वारा प्रजनक बीज का उत्पादन किया जाता है।

इस पूरी प्रक्रिया में तीन वर्षों का समय लगता है। प्रमाणित बीज का डाउनस्ट्रीम गुणनीकरण करने के लिए एजेंसियों को बीजों की आपूर्ति की जाती है। बीज को पूरी तरह से जांचने-परखने के बाद इसकी आपूर्ति किसानों को होती है।

राज्यों की जरूरत के हिसाब से विकसित की नई किस्में: भारतीय कृषि अनुंसधान परिषद के तत्वावधान में किसानों के लिए फसलों की जो 524 नई किस्में तैयार की गई हैं, उनमें धान की 126, गेहूं की 22, मक्का की 51, ज्वार की 12, बाजरा की 13, छोटे मिलेट की 21, जौ की एक, तिलहन की 55, भारतीय सरसों की आठ, पीली सरसों की दो, मूंगफली की आठ। सोयाबीन की 12, अलसी की नौ, सूरजमुखी की तीन, कुसुम की चार, मटर व उड़द की छह-छह, मूंग की 15, लोबिया की तीन, राजमा की एक, कपास की 89, जूट की पांच, गन्ने की 12, तंबाकू की दो तथा चारा फसलों की 24 किस्में प्रमुख रूप से शामिल हैं। ये किस्में अलग-अलग राज्यों में किसानों की जरूरत के हिसाब से विकसित की गई हैं।

बागवानी की कई किस्मों पर चल रही टेस्टिंगः अनुसंधान के बाद बागवानी से जुड़ी फसलों की 167 नई किस्में तैयार की गई हैं। इनमें बारहमासी मसाले की 19, बीजीय मसाले की आठ, आलू एवं उष्ण कटिबंधीय कंदावर फसलों की आठ, रोपण फसलों की छह, फलदार फसलों की 40, सब्जियों की 70 तथा फूलों की 16 किस्में शामिल हैं।

हालांकि, खेती व बागवानी फसलों की नई किस्मों में से अभी तक खेत की 34 और बागवानी की 27 फसलों की कुल 109 गुण विशिष्ट किस्मों को लागू किया गया है। बाकी पर अभी टेस्टिंग चल रही है।

संसद में 'इंडिया' विभाजित

संसद की कार्यवाही सुचारू रूप से चले, इस पर स्पीकर ओम बिरला की अध्यक्षता में सभी दलों में सहमति तो बनी थी, लेकिन वह सहमति कारगर कब होगी? मंगलवार को भी दोनों सदनों में हंगामा हुआ, विपक्ष नारेबाजी करता हुआ अध्यक्ष के आसन तक भी पहुंचा, लिहाजा वह सर्वदलीय सहमति फर्जी लगी। विपक्ष ने संसद से बहिर्गमन तक किया, लेकिन लौट कर कार्यवाही में भी शिरकत की। प्रश्नकाल के दौरान सांसदों ने सवाल भी पूछे। शून्यकाल की भी संभावनाएं जगीं, लेकिन बुनियादी सवाल यह है कि संसद की कार्यवाही बाधित क्यों की जाए? क्या अदाणी कांड वाकई राष्ट्रीय और संसदीय मुद्दा है, जिस पर कांग्रेस और कुछ विपक्षी दल हंगामा कर रहे हैं और संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के गठन की मांग कर रहे हैं? यदि अदाणी समूह ने कुछ गलत किया है, तो वह अमरीकी अदालत तय करेगी और दंडित करेगी। भारत में यह कांड आपराधिक नहीं है और न ही ऐसा कोई न्यायिक निष्कर्ष सामने आया है। अदाणी कांड पर ही विपक्ष के इंडिया गठबंधन में दरारें उभरी हैं। इंडिया में सर्वसम्मति कभी नहीं रही। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खडगे के आवास पर इंडिया के सहयोगी दलों की जो बैठक हुई थी, उसमें तृणमूल कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के नेताओं ने भाग नहीं लिया। वे लगातार मानते रहे हैं कि संसद की कार्यवाही सुचारू चलनी चाहिए। अदाणी ऐसा मुद्दा नहीं है, जिस पर संसद की कार्यवाही स्थगित करने को बाध्य होना पड़े। सपा नेता अखिलेश यादव के साथ 37 सांसद लोकसभा में हैं।

उनके लिए संभल क्षेत्र की सांप्रदायिक हिंसा और आम नागरिकों की मौत नरसंहार से कम नहीं है। आखिर हरेक जामा मस्जिद के नीचे हिंदू मंदिर दफन के ऐतिहासिक अतीत को क्यों खोदा जाए? ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस के 29 सांसद लोकसभा में हैं। उनके लिए बेरोजगारी, बढ़ती महंगाई, विपक्ष द्वारा शासित राज्य सरकारों के प्रति केंद्र सरकार का सौतेला और भेदभाव वाला रवैया, केंद्र द्वारा पूंजी का अपर्याप्त आवंटन आदि बेहद महत्वपूर्ण मुद्दे हैं, जिन पर संसद में बहस होनी चाहिए। तृणमूल के लिए अदाणी कांड बेमानी, फिजूल है। सपा और तृणमूल इस राजनीति के भी पक्षधर नहीं हैं कि प्रधानमंत्री मोदी और अदाणी परस्पर पूरक हैं। हालांकि कांग्रेस, आप, राजद, शिवसेना (उद्धव), द्रमुक और वामदलों के सांसदों ने संसद भवन के =मकर द्वार की सीढ़ियों पर विरोध-प्रदर्शन किया, लेकिन सपा और तृणमूल कांग्रेस उसमें शामिल नहीं हुए। सवाल यह है कि क्या संसद में इंडिया गठबंधन विभाजित हो चुका है? क्या इंडिया निर्णायक तौर पर खंड-खंड हो चुका है और अब मोदी सरकार के लिए कड़ी चुनौती नहीं है? चूंकि चुनावों के दौरान इंडिया के कई घटक दलों ने अलग-अलग चुनाव लड़े, लिहाजा सवाल है कि क्या अब ह्यइंडियाह्ल भीतरी तौर पर भी एक बंटा हुआ गठबंधन है? संसद की कार्यवाही बेशकीमती है, क्योंकि वह देश के निर्वाचित सांसदों का सबसे बड़ा, महत्वपूर्ण सदन है। संसद में कानून बनाए जाते हैं तथा सांसद अपने क्षेत्र की समस्याओं को आवाज दे सकते हैं। संसद की कार्यवाही स्थगन से कितना पैसा बर्बाद होता है, अब यह उतना संवेदनशील मुद्दा नहीं रहा, क्योंकि इसकी चर्चा बार-बार की जाती है, लेकिन यह चिंतित स्थिति है कि 5 दिन में लोकसभा सिर्फ 69 मिनट और राज्यसभा 94 मिनट ही काम कर पाई। औसतन 4-5 फीसदी ही काम हो पाया। क्या संसद नारों और हंगामे का ही सदन बन गया है? बेशक भाजपा जब विपक्ष में थी, तो उसने भी कई-कई दिन तक संसद नहीं चलने दी थी। क्या अब कांग्रेस नेतृत्व वाला इंडिया भी उसका प्रतिशोध लेगा? यह देशहित में नहीं है। यदि सार रूप में देखें, तो साल भर में 35-40 दिन भी संसद की कार्यवाही नहीं चल पाती है, जबकि अपेक्षाएं की जाती रही हैं कि कमोबेश 65-70 दिन संसद चले। संसद सुचारू रूप से चलनी चाहिए।

सदन में करवटें बदलतीं आत्माएं

राकेश अचल

आपने यदि गौर किया हो तो आप पाएंगे कि आजकल संसद के दोनों सदनों में पीठासीन प्रमुखों की आत्माएं अचानक करवटें बदलती दिखाई दे रहीं हैं। सदन चलने को लेकर दुनिया भर से मिल रही लानत मलानत के बाद लोकसभा हो या राज्य सभा अब केंद्रीय मंत्रियों को लताड़ मिलती दिखाई दे रहीं है। लोकसभा में यदि स्पीकर श्री ओम बिरला जी यदि संसदीय कार्यकमंत्री पर बिफरे तो राजयसभा कि सभापति माननीय धनकड़ जी ने सदन कि बाहर एक कार्यक्रम में कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान की क्लास ले ली।

मंगलवार लोकसभा में शून्यकाल शुरू होने से पहले कार्यसूची में तमाम मंत्रियों के नाम से अंकित दस्तावेज संसदीय कार्य राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल की ओर से प्रस्तुत किए जाने पर स्पीकर ने नाराजगी जताई. उन्होंने कहा कि जिन मंत्रियों के नाम कार्यसूची में हैं, वे सदन में उपस्थित रहें. दरअसल, सदन में प्रश्नकाल खत्म होने के बाद दोपहर 12 बजे कार्यसूची में अंकित जरूरी कागजात संबंधित मंत्रियों की ओर से सदन के पटल पर रखे जाते हैं। हालांकि अगर कोई मंत्री सदन में उपस्थित नहीं रहता तो उनकी तरफ से संसदीय कार्य राज्य मंत्री इन्हें प्रस्तुत करते आये हैं। संसद में बहुत दिनों बाद स्पीकर को बदली हुई मुद्रा में देश ने देखा है। लगता है कि अब उन्हें उनकी आत्मा कचोटने लगी है। अहसास करने लगी है कि वे केवल सत्तापक्ष के लिए ही नहीं बने हैं।

सदन में जरूरी प्रपत्र पेश किए जाने के दौरान वाणिज्य और उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद के नाम पर अंकित एक दस्तावेज को संसदीय कार्य राज्य मंत्री मेघवाल ने रखा. इस पर स्पीकर बिरला ने कहा कि उद्योग मंत्री पीयूष गोयल सदन में बैठे हैं और उन्हें दस्तावेज प्रस्तुत करने के लिए कहा जाना चाहिए था। इसके बाद गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार अपने नाम से अंकित दस्तावेज सदन के पटल पर रख रहे थे. उन्हें कठिनाई होने पर अन्य मंत्री उनकी मदद करते नजर आए. इस पर लोकसभा अध्यक्ष ने इन मंत्रियों से कहा, आप एक-दूसरे को मत समझाओ. फिर स्पीकर ने संसदीय राज्य मंत्री मेघवाल से ही संबंधित दस्तावेज प्रस्तुत करने को कहा।

लोकसभा की ही तरह राज्य सभा के बाहर एक समारोह में सभापति जयदीप धनकड़ अचानक किसान आंदोलन का प्रश्न आते ही केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान पर पिल पड़े। किसान आंदोलन को लेकर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने मंगलवार को सीधे कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से कई सवाल किए। उन्होंने शिवराज की ओर इशारा करते हुए कहा, कृषि मंत्री जी, आपका एक-एक पल भारी है। मेरा आपसे आग्रह है और भारत के संविधान के तहत दूसरे पद पर विराजमान व्यक्ति आपसे अनुरोध कर रहा है कि कृपया करके मुझे बताइए कि किसान से क्या वादा किया गया था? और जो वादा किया गया था, वह क्यों नहीं निभाया गया? आपको बता दें कि देश कि किसान एक बार फिर आंदोलित हो रहे हैं।

धनकड़ का रूप विपक्ष के किसी संसद जैसा था। उन्होंने सवाल किया कि - वादा निभाने के लिए हम क्या कर रहे हैं? बीते साल भी आंदोलन था, इस साल भी आंदोलन है। कालचक्र घूम रहा है। हम कुछ नहीं कर रहे हैं। धनखड़ ने मुंबई में केंद्रीय कपास प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान के शताब्दी समारोह के में ये बातें कहीं। कार्यक्रम में शिवराज भी मौजूद थे। हालांकि, उन्होंने उपराष्ट्रपति के सवालों का जवाब नहीं दिया। आपको याद होगा कि किसान आंदोलन को लेकर पूर्व में भाजपा के वरिष्ठ नेता और राजयपाल रहे सत्यपाल मलिक भी आग -बबूला हो चुके हैं और इसका खामियाजा भी उन्हें भुगतना पड़ा है, लेकिन धनकड़ को पता है कि अब उनका कुछ बिगड़ने वाला नहीं है। भाजपा उन्हें राष्ट्रपति तो बनाने से रही।

दुर्भाग्य ये है कि संसद को हंगामे से उबरने के लिए हुई बैठक भी बहुत ज्यादा कामयाब नजर नहीं आयी, क्योंकि मंगलवार को संसद में अडानी का नाम आते ही फिर हंगामा हुआ था। कांग्रेस के गौरव गोगोई द्वारा अडानी और मोदी का नाम लेते ही सत्तापक्ष बिफर गया था और उसने गौरव के शब्दों को सदन की कार्रवाई से निकलवाकर ही चैन की सांस ली थी। कांग्रेस ने इस मुद्दे पर लोकसभा की कार्रवाई का न सिर्फ बहिष्कार किया ब्लल्कि बैनर लेकर ये संदेश भी दिया की मोदी जी और अडानी जी एक हैं।

6 दिसंबर पुण्यतिथि पर विशेष

समतामूलक एवं शिक्षित राष्ट्र देखना चाहते थे बाबा साहेब

14 अप्रैल 1891 को मध्यप्रदेश के महू में जन्म लेने वाले बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर ने 1907 में मैट्रिक परीक्षा उत्तीर्ण कर एल्फिंस्टन कॉलेज में प्रवेश किया। इस स्तर पर शिक्षा प्राप्त करने वाले अपने समुदाय से वे पहले व्यक्ति थे। 1912 तक बॉम्बे विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र और राजनीतिक विज्ञान में बी.ए. पास की।

-रीना रानी-
(लेखिका समाजसेवा, लेखन एवं अध्यापन कार्य से जुड़ी हैं)

आज भारत रत्न बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर की पुण्यतिथि पर पूरा देश उन्हें नमन कर रहा है। बाबा साहेब के विचारों पर हर ओर चर्चा हो रही है। उनके अवदान को याद किया जा रहा है। हो भी क्यों नहीं? भारत में समतामूलक समाज हो और भारत शिक्षित एवं सशक्त राष्ट्र बने। ऐसा चाहने वाले बाबा साहेब ने विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत को संविधान देकर समृद्ध भारत की नींव रख दी थी। 14 अप्रैल 1891 को मध्यप्रदेश के महू में जन्म लेने वाले बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर ने 1907 में मैट्रिक परीक्षा उत्तीर्ण कर एल्फिंस्टन कॉलेज में प्रवेश किया। इस स्तर पर शिक्षा प्राप्त करने वाले अपने समुदाय से वे पहले व्यक्ति थे। 1912 तक बॉम्बे विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र और राजनीतिक विज्ञान में बी.ए. पास की। जून 1915 में उन्होंने कला स्नातकोत्तर परीक्षा पास की, जिसमें अर्थशास्त्र प्रमुख विषय था तथा समाजशास्त्र, इतिहास, दर्शनशास्त्र और मानव विज्ञान अन्य विषय के रूप में शामिल थे। उन्होंने स्नातकोत्तर के लिए प्राचीन भारतीय वाणिज्य विषय पर शोध कार्य प्रस्तुत किया। 1916 में अपने दूसरे शोध कार्य के लिए उन्होंने लंदन की राह पकड़ ली और तीसरे शोध कार्य के लिए अर्थशास्त्र में पीएचडी प्राप्त की।

बाबा साहेब मानवाधिकार की रक्षा के लिए सदैव चिंतित रहते थे। वे दलितों एवं आदिवासियों के मंदिर में प्रवेश, छुआछूत, जातिवाद, ऊँच-नीच जैसी सामाजिक कुरीतियों को मिटाने के लिए कई आंदोलनों के सूत्रधार बने। बेजुबान, शोषित और अशिक्षित लोगों को जगाने के लिए मूक नायक, बहिष्कृत भारत, समता, जनता और प्रबुद्ध भारत नामक पांच साप्ताहिक एवं पाक्षिक पत्र-पत्रिकाओं का संपादन किया। कमजोर वर्गों के छात्रों को छात्रावासों, रात्रि स्कूलों, ग्रंथालयों तथा शैक्षणिक गतिविधियों के माध्यम से अपने दलित वर्ग को शिक्षा और अध्ययन करने के साथ ही आय अर्जित करने के लिए उनको सक्षम बनाया। सन् 1945 में उन्होंने अपनी पीपुल्स एजुकेशन सोसायटी के माध्यम से मुम्बई में सिद्वार्थ महाविद्यालय तथा औरंगाबाद में मिलिन्द महाविद्यालय की स्थापना की। हिन्दू विधेयक संहिता के द्वारा महिलाओं को तलाक, संपत्ति में उत्तराधिकार आदि का प्रावधान कर उसके कार्यान्वयन के लिए जीवन पर्यन्त संघर्ष करते रहे।

आर्थिक, वित्तीय और प्रशासनिक योगदान भारत में रिजर्व बैंक ऑफ इण्डिया की स्थापना डॉ. अम्बेडकर द्वारा लिखित शोध ग्रंथ रुपए की समस्या-उसका उदभव तथा उपाय और भारतीय चलन व बैंकिंग का इतिहास, ग्रन्थों और हिल्टन यंग कमीशन के समक्ष उनकी साक्ष्य के आधार पर 1935 से हुई। उनके दूसरे शोध ग्रंथ ब्रिटिश भारत में प्रांतीय वित्त का विकास के आधार पर देश में वित्त आयोग की स्थापना हुई। कृषि में सहकारी खेती के द्वारा पैदावार बढाना, सतत विद्युत और जल आपूर्ति करने का उपाय बताया। उन्होंने भारत के विकास हेतु मजबूत तकनीकी संगठन का नेटवर्क ढांचा प्रस्तुत किया। संविधान तथा राष्ट्र निर्माण उन्होंने समता, समानता, बन्धुता एवं मानवता आधारित भारतीय संविधान को 02 वर्ष 11 महीने और 17 दिन के कठिन परिश्रम से तैयार कर 26 नवंबर 1949 को तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद को सौंपकर देश के समस्त नागरिकों को राष्ट्रीय एकता, अखंडता और व्यक्ति की गरिमा की जीवन पद्धति से भारतीय संस्कृति को अभिभूत किया। वर्ष 1951 में महिला सशक्तिकरण का हिन्दू संहिता विधेयक पारित करवाने में प्रयास किया और पारित न होने पर स्वतंत्र भारत के प्रथम कानून मंत्री के पद से इस्तीफा दिया। निर्वाचन आयोग, योजना आयोग, वित्त आयोग, महिला पुरुष के लिये समान नागरिक हिन्दू संहिता, राज्य पुनर्गठन, बडे आकार के राज्यों को छोटे आकार में संगठित करना, राज्य के नीति निर्देशक तत्व, मौलिक अधिकार, मानवाधिकार, काम्पट्रोलर व ऑडीटर जनरल, निर्वाचन आयुक्त तथा राजनीतिक ढांचे को मजबूत बनाने वाली सशक्त, सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक एवं विदेश नीति बनाई। प्रजातंत्र को मजबूती प्रदान करने के लिए सरकार के तीनों अंगों न्यायपालिका, कार्यपालिका एवं विधायिका को स्वतंत्र और पृथक बनाया तथा समान नागरिक अधिकार के अनुरूप एक व्यक्ति, एक मत और एक मूल्य के तत्व को प्रस्थापित किया। विधायिका, कार्यपालिका एवं न्यायपालिका में अनुसूचित जाति एवं जनजाति के लोगों की सहभागिता संविधान द्वारा सुनिश्चित की तथा भविष्य में किसी भी प्रकार की विधायिकता जैसे ग्राम पंचायत, जिला पंचायत, पंचायत राज इत्यादि में सहभागिता का मार्ग प्रशस्त किया।

आज उन तमाम वैचारिक पहलुओं पर भी गौर करना आवश्यक है, जो बाबा साहेब अम्बेडकर की विचारधारा के मूल धरोहर हैं। बाबा साहेब समतामूलक समाज, शिक्षित एवं सशक्त राष्ट्र के समर्थक थे। लेकिन, यह विडंबना रही कि तमाम राजनीतिक पार्टियाँ बाबा साहेब अम्बेडकर के नाम का उपयोग करती रही और सत्ता हासिल करती रही, लेकिन बाबा साहेब के सपनों को साकार करना मुनासिब नहीं समझा और उन्हें समुचित सम्मान भी नहीं दिया। बाबा साहेब को आजादी के चार दशक बाद भाजपा समर्थित वीपी सिंह के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने भारत रत्न दिया। वैसे तो देश में ऐसे कई कार्य थे, जिन्हें कई दशक पहले हो जाना चाहिए था। लेकिन, वह नहीं हो सका। बाबा साहेब के योगदान को स्मरणीय बनाने की पटकथा श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी के जी नेतृत्व वाली सरकार ने लिखी। देश की राजधानी नई दिल्ली में डॉ. अम्बेडकर राष्ट्रीय स्मारक का निर्माण भी ऐसे ही कार्यों में शामिल है। श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी के नेतृत्व वाली सरकार ने इसकी व्यवस्था की थी, लेकिन उनके हटते ही यह कार्य ठप हो गया। दस वर्ष तक यूपीए सरकार ने डॉ. अम्बेडकर राष्ट्रीय स्मारक के निर्माण कार्य को यूं ही छोड़ दिया। फिर श्री नरेंद्र मोदी जी की सरकार ने भव्य डॉ. अम्बेडकर राष्ट्रीय स्मारक का निर्माण पूरा किया। यह, किसी महापुरुष के प्रति बड़ा सम्मान है। इसके पीछे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की दूरदर्शिता झलकती है। अपने किस्म की यह भारत की पहली इमारत है। इसमें आधुनिक संग्रहालय बनाया गया है, जिसके माध्यम से डॉ. अम्बेडकर के जीवन और कार्यों से लोग अवगत होंगे। यह निर्माण तो डॉ. अम्बेडकर के निधन के बाद ही होना चाहिए था, लेकिन यह कार्य तब हुआ जब सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के मूलमंत्र पर चलने वाली भाजपा की सरकार बनी।

हाइब्रिड पॉलिटिकल पार्टी 'आप' यदि कांग्रेस से गठबंधन करेगी तो सियासी तौर पर समाप्त हो जाएगी?

पंजाब और दिल्ली की राजनीतिक परिस्थिति भी इसी बात की चुगली करती है। कहना न होगा कि छोटा हिंदुस्तान समझा जाने वाले दिल्ली प्रदेश का विधानसभा चुनाव किसी भी राजनीतिक दल के लिए काफी अहमियत रखता है। यहां पर पहले कांग्रेस और उसके बाद भाजपा का शासन रहा है। बाद में भी इन्हीं दोनों पार्टियों के बीच सत्ता की अदला-बदली हुई लेकिन दिल्ली की स्थानीय पार्टी के तौर पर आप के राजनैतिक अभ्युदय ने कांग्रेस और भाजपा दोनों के समक्ष एक नई राजनीतिक चुनौती खड़ी कर दी।

-प्रदीप मिश्र-
(लेखक जम्मू-कश्मीर में पत्रकार)

देश की राजधानी दिल्ली में फरवरी 2025 में विधानसभा चुनाव होंगे और यहां पर सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी एक बार फिर पूरे दम-खम से अकेले यह चुनाव लड़ेगी जबकि वह कांग्रेस के नेतृत्व वाली इंडिया गठबंधन की भागीदार पार्टी रही है। बताया जाता है कि हाइब्रिड पॉलिटिकल पार्टी आप को डर है कि यदि वह कांग्रेस से गठबंधन करेगी तो सियासी तौर पर समाप्त हो जाएगी. पंजाब और दिल्ली की राजनीतिक परिस्थिति भी इसी बात की चुगली करती है।

कहना न होगा कि छोटा हिंदुस्तान समझा जाने वाले दिल्ली प्रदेश का विधानसभा चुनाव किसी भी राजनीतिक दल के लिए काफी अहमियत रखता है। यहां पर पहले कांग्रेस और उसके बाद भाजपा का शासन रहा है। बाद में भी इन्हीं दोनों पार्टियों के बीच सत्ता की अदला-बदली हुई लेकिन दिल्ली की स्थानीय पार्टी के तौर पर आप के राजनैतिक अभ्युदय ने कांग्रेस और भाजपा दोनों के समक्ष एक नई राजनीतिक चुनौती खड़ी कर दी, जो अब तलक जारी है। समझा जाता है कि कभी केंद्र में सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी के जबड़े से 2013 में उसकी सूबाई सत्ता छीनना और फिर केंद्र में सत्तारूढ़ हुई भाजपा के कसते सियासी शिकंजे के बावजूद 2015 और 2020 में भी यहां की सत्ता को बचाए रखना दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल की बहुत बड़ी राजनीतिक सफलता है जिसके लिए उन्हें नाको चने चबाने पड़े। इसके ही खातिर उन्हें तिहाड़ जेल तक जाना पड़ा जहां से फिलवक्त बेल पर वह बाहर हैं। दरअसल, हाइब्रिड पॉलिटिकल पार्टी आप एक अलबेली राजनीतिक पार्टी है जो कई मामलों में भाजपा और कांग्रेस से अलग है तथा क्षेत्रीय दलों से काफी आगे है। कांग्रेस एवं उसकी विरोधी रही जनता पार्टी व जनता दल और भाजपा के अलावा ह्यआपह्ल एकमात्र राजनीतिक पार्टी है जो एक के बाद दूसरे राज्य में अपने बलबूते सरकार बनाने में सफल हुई और सफलता पूर्वक उसका संचालन कर रही है। युवा पेशेवरों की यह पार्टी तमाम विवादास्पद मुद्दों में निष्पक्ष अंदाज रखती आई है हालांकि केंद्रीय सत्ता तक पहुंचना अभी भी उसके लिए ह्यनई दिल्ली दूर है जैसा प्रतीत होता है। हालांकि इंडिया गठबंधन की सोहबत और भाजपा के धुर विरोध में आप को भी अल्पसंख्यक तुष्टिकरण की नीति अपनानी पड़ी है। आरक्षण सम्बन्धी दुविधाजनक स्टैंड लेना पड़ा। भ्रष्टाचार के अंध कुएं में गोते लगाने पड़े हैं। शानो शौकत के वास्ते शीश महल (मुख्यमंत्री का आवास) तक बनवाने पड़े। वहीं, जनता को रिश्वत स्वरूप मुफ्त बिजली-पानी देने की उसकी शुरूआत और शिक्षा-स्वास्थ्य सम्बन्धी जनसुविधा आज सभी पार्टियों के एजेंडे में शामिल हो चुका है। इसे भारतीय राजनीति में रेवड़ी कल्चर कहा जाता है जिसकी शुरूआत आप ने की है। कांग्रेस/भाजपा आदि तो इस मामले में अब आप से भी दो कदम आगे बढ़ चुके हैं। देखा जाए तो 2025 में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले अरविंद केजरीवाल ताबड़तोड़ फैसले ले रहे हैं जिसमें अपनी भरोसेमंद सहयोगी मंत्री रहीं आतिशी मलेर्ना को दिल्ली का नया मुख्यमंत्री बनाया जाना भी शामिल है। वहीं, हाल ही में उन्होंने दूसरी महत्वपूर्ण घोषणा की है कि दिल्ली विधानसभा चुनाव में वह कांग्रेस से गठबंधन नहीं करेंगे। शायद यह हरियाणा विधानसभा चुनाव में आप के प्रति कांग्रेस की ओर से दिखाई गई राजनीतिक बेरुखी का असर और प्रतिक्रिया स्वरूप करारा जवाब है क्योंकि तब भी कांग्रेस-आप का गठबंधन टूट गया था। फलसफा यह निकला कि कांग्रेस हरियाणा की सत्ता में आ नहीं पाई और वहां पर अपने बलबूते चुनाव लड़ी आप का खाता तक नहीं खुला, जबकि यह आप सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल का गृह प्रदेश भी है। हालांकि यह बात सभी जानते हैं कि गठबंधन में रहते हुए भी आप ने लोकसभा चुनाव 2024 के दौरान कांग्रेस से अपने वर्चस्व वाले एक प्रान्त दिल्ली में गठबंधन तो दूसरे प्रान्त पंजाब में दोस्ताना संघर्ष किया। इस दौरान आप पार्टी पंजाब की 13 लोकसभा सीटों में से मात्र 3 सीटें ही जीत पाई जबकि कांग्रेस को 7 सीटें मिलीं। यही बात आप को अखर गई। वहीं, दिल्ली में भी उसने लोकसभा की 7 सीटों में से 3 सीटें कांग्रेस को दी थी लेकिन दोनों पार्टियां यहां जीरो पर आउट हो गईं क्योंकि यहां भी सियासी तालमेल नदारद दिखा था। परिणाम यह हुआ कि सातों लोकसभा सीटों पर भाजपा जीत गई, जो पहले भी सभी सीटों पर काबिज थी।

ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि क्या दिल्ली में मुकाबले को त्रिकोणीय बना पाएगी कांग्रेस क्योंकि जहां जहां भी त्रिकोणीय मुकाबले की नौबत आती है तो अक्सर सत्ता पक्ष फायदे में रहता है। आप के लिए यह स्थिति यहां भी फायदेमंद हो सकती है। चूंकि दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच गठबंधन की लगभग सभी संभावनाएं समाप्त हो गई हैं, यह तय हो चुका है कि दोनों पार्टियां चुनावी मैदान में एक-दूसरे के खिलाफ खड़ी होंगी। ऐसे में आप से ज्यादा कांग्रेस का चुनावी सफर मुश्किल नजर आ रहा है। वहीं, गठबंधन में फूट की खबर सामने आते ही राजनीतिक गलियारों में अटकलों का बाजार गर्म हो गया है। जैसे ही दिल्ली विधान सभा चुनाव से पहले इंडिया गठबंधन के दो अहम दलों, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी की ओर से साफ संकेत मिला कि इस बार दोनों पार्टियां चुनावी रण में एक-दूसरे के सामने खड़ी होंगी तो सबसे ज्यादा चर्चा कांग्रेस को लेकर चलने लगी क्योंकि जो कांग्रेस कुछ वक्त पहले तक अरविंद केजरीवाल के खातिर बीजेपी से लड़ रही थी, अब वहीं कांग्रेस आखिर आम आदमी पार्टी और केजरीवाल के खिलाफ कैसे मोर्चा खोलेगी, यक्ष प्रश्न है? हालांकि मौजूदा सियासत में विचारों का उलट फेर एक आम सी बात हो गई हैं। चूंकि दिल्ली की जनता सूझबूझ वाली है, ऐसे में कांग्रेस के लिए राह आसान नहीं होगी।

भारतीय संविधान में कलात्मकता

गजेंद्र सिंह शेखावत
केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री, भारत सरकार

हमारा भारत देश संस्कृति और ऐतिहासिक विरासत का एक जीता जागता अनुभव है। इसके इतिहास को सरल शब्दों में व्यक्त करना अत्यंत कठिन है। इससे भी अधिक कठिन है पांच हजार से अधिक वर्षों की सभ्यता के इतिहास को एक दस्तावेज के रूप में व्यक्त करना, जो देश की स्वतंत्रता के समय एक नए स्वतंत्र हुए राष्ट्र के भाग्य का मार्गदर्शन करने वाला हो। लेकिन आचार्य नंदलाल बोस केवल एक कलाकार नहीं थे और भारत के संविधान पर चित्रण उनके लिये केवल एक और कार्य नहीं था। संविधान में चित्रण के लिए उनकी दृष्टि हड़प्पा सभ्यता के समय से लेकर स्वतंत्रता प्राप्ति के समय तक भारत की यात्रा का वर्णन करती है। यह सभी चित्रण संविधान के अंतिम पृष्ठ पर सूचीबद्ध हैं और उन्हें बारह ऐतिहासिक काल में वर्गीकृत किया गया है: मोहनजोदड़ो काल, वैदिक काल, महाकाव्य काल, महाजनपद और नंद काल, मौर्य काल, गुप्त काल, मध्यकालीन काल, मुस्लिम काल, ब्रिटिश काल, भारत का स्वतंत्रता आंदोलन, स्वतंत्रता के लिए क्रांतिकारी आंदोलन और प्राकृतिक विशेषताएँ।

संविधान की शुरूआत हमारे राष्ट्रीय प्रतीक के चित्रण से होती है। नंदलाल बोस इस बात को लेकर बहुत स्पष्ट थे कि प्रतीक में शेर बिल्कुल असली शेरों की तरह दिखें, उनकी चाल और चेहरे के हाव-भाव सही हों और आयु के हिसाब से उनमें बदलाव हो। राष्ट्रीय प्रतीक के डिजाइनर दीनानाथ भार्गव, जो उस समय कला भवन में एक युवा छात्र थे, इस कलाकृति को चित्रित करने से पहले शेरों के हाव-भाव, शारीरिक भाषा और तौर-तरीकों का अध्ययन करने के लिए महीनों तक कोलकाता चिड़ियाघर गए। प्रस्तावना पृष्ठ और कई अन्य पृष्ठों को बेहर राममनोहर सिन्हा ने डिजाइन किया था। नंदलाल बोस ने बिना किसी बदलाव के प्रस्तावना हेतु सिन्हा जी की बनाई कलाकृति का समर्थन किया। इस पृष्ठ पर निचले दाएं कोने में देवनागरी में सिन्हा का संक्षिप्त हस्ताक्षर राम है। संविधान की प्रस्तावना एक हाथ से लिखा हुआ लेख है जो आयताकार बॉर्डर से घिरा हुआ है। बॉर्डर के चार कोनों में चार पशुओं को दर्शाया गया है। दर्शाए गए चार जानवर भारत के राष्ट्रीय प्रतीक के आधार से लिए गए हैं। बॉर्डर की कलाकृति में कमल की आकृति प्रमुखता से दिखाई देती है। कमल की आकृति बॉर्डर कलाकृति में प्रमुखता से दिखाई देती है।

संविधान का प्रत्येक भाग एक चित्र से आरंभ होता है और अलग-अलग पृष्ठों पर अलग-अलग बॉर्डर डिजाइन दर्शाए गए हैं। कलाकारों के हस्ताक्षर चित्र पर और बॉर्डर के पास दिखाई देते हैं जो इस प्रोजेक्ट में सभी के सहयोग को दर्शाता है। अनेक पृष्ठों पर कई हस्ताक्षर हैं जो बंगाली, हिंदी, तमिल और अंग्रेजी में दिखाई देते हैं। भारत के संविधान के भाग 19 में विविध विषयों से संबंधित एक चित्र है जिसमें नेताजी सैन्य पोशाक में अपने सैनिकों से घिरे हुए सलामी दे रहे हैं। नंदलाल बोस के हस्ताक्षर चित्रण पर दिखाई देते हैं और ए. पेरुमल के हस्ताक्षर पृष्ठ के बाएं निचले कोने पर दिखाई देते हैं। वे कला को लोगों तक ले जाने वाले कलाकार के रूप में प्रसिद्ध हुए। वे शांतिनिकेतन के गाँवों में जाते और संथाल घरों की दीवारों को जानवरों, पक्षियों और पेड़ों वाली प्रकृति की थीम से सजाते। वे शांतिनिकेतन के कला भवन में चार दशकों से अधिक समय तक नंदलाल बोस जैसे महान कलाकारों के साथ रहे और काम किया, उन्हें स्नेह से पेरुमलदा कहा जाता था। संविधान का भाग श्क जो प्रथम अनुसूची के भाग अ में राज्यों से संबंधित है, वह ध्यान में बैठे भगवान महावीर की समृद्ध रंगीन चित्र से शुरू होता है, जिसमें वे अपनी आँखें बंद करके और हथेलियाँ एक दूसरे पर टिकाकर बैठे हुए हैं। भगवान महावीर के दोनों ओर एक-एक पेड़ हैं और फ्रेम में एक मोर भी दिखाई दे रहा है जो प्रकृति में सामंजस्यपूर्ण सह-अस्तित्व को दर्शाता है। यह मूल संविधान के कुछ रंगीन चित्रों में से एक है। रंगीन चित्रों में जमुना सेन और नंदलाल बोस के हस्ताक्षर हैं। इस पृष्ठ पर बॉर्डर डिजाइन में राजनीति नामक कलाकार के हस्ताक्षर भी हैं। भारतीय संविधान का भाग 15 चुनावों पर केंद्रित है। इस पृष्ठ पर दिए गए चित्रों में भारत के दो वीर सपूत छत्रपति शिवाजी महाराज और गुरु गोविंद सिंह को दिखाया गया है। इस पृष्ठ पर दिए गए चित्र धीरेंद्र कृष्ण देब बर्मन द्वारा बनाए गए हैं, जो त्रिपुरा राजघराने के सदस्य थे और रवींद्रनाथ टैगोर और नंदलाल बोस के साथ उनके घनिष्ठ संबंध थे।

संक्षिप्त खबरें

किसानों की गिरफ्तारी पर भाकियू सयुंक्त मोर्चा ने जताया रोष

अमरोहा।भारतीय किसान यूनियन संयुक्त मोर्चा पदाधिकारियों की पंचायत गुरुवार को क्षेत्र के गांव जलालाबाद में हुई। संगठन के मंडल अध्यक्ष मयंक धारीवाल ने नोएडा के दलित प्रेरणा स्थल पर धरना-प्रदर्शन की अनुमति के बाद भी किसानों को हिरासत में लिए जाने पर रोष जताया। कहा कि सरकार किसानों के संघर्ष को बर्बरता पूर्वक दबाना चाहती है। पंचायत में सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजवीर सिंह व मंडल अध्यक्ष मयंक धारीवाल के नेतृत्व में किसान दिल्ली व नोएडा के लिए कूच करेंगे। मुरादाबाद मंडल के रामपुर, मुरादाबाद, बिजनौर, अमरोहा समेत सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, बुलंदशहर जिले से किसान जीरो पॉइंट नोएडा पहुंचेंगे। बाकी किसान अपने-अपने क्षेत्र के थानों पर पहुंचकर विरोध-प्रदर्शन करेंगे। वहीं, प्रशासन को पंचायत की खबर लगते ही भारी संख्या में पहुंचे पुलिस बल ने किसानों को नजर बंद कर दिया। इस दौरान रवि चौधरी, प्रिंस चौधरी, अर्पण चौधरी, नकुल चौधरी, अहसान अली, राजकुमार, निशांत धारीवाल आदि रहे।

संयुक्त शिक्षा निदेशक ने स्मार्ट क्लास का किया शुभारंभ

हसनपुर। श्रीमती सुखदेवी इंटर कॉलेज में कला प्रदर्शनी व स्मार्ट क्लास का गुरुवार को संयुक्त शिक्षा निदेशक मनोज कुमार द्विवेदी ने शुभारंभ किया। शत प्रतिशत उपस्थिति वाले छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित भी कर कॉलेज परिसर में पौधरोपण भी किया। संयुक्त शिक्षा निदेशक ने विद्यार्थियों द्वारा तैयार की गई कलाकृतियों को देख उनके रचना कौशल एवं सृजनात्मक की प्रशंसा की। कक्षा शिक्षण को रोचक बनाने के लिए स्मार्ट क्लास का शुभारंभ कर कहा कि आज जब सब कुछ डिजिटल होने की ओर है, तो ऐसे में शिक्षा का डिजिटल होना भी आवश्यक है। स्मार्ट क्लास के माध्यम से विद्यालय के छात्र लाभांवित होंगे। शिक्षण भी रोचकता की ओर जाएगा। इसके बाद पत्रिका के विमोचन के दौरान उन्होंने छात्र-छात्राओं द्वारा संचित रचना कर्म पर प्रकाश डालते हुए सतत लेखन की प्रेरणा दी। पौधरोपण के बाद पौधों की देखभाल पर भी जोर दिया। इस दौरान अनिरुद्ध रस्तोगी, अनिल रस्तोगी, ज्ञानेंद्र रस्तोगी, मुकेश ठाकुर, अक्षी अग्रवाल, विष्णु कुमार रस्तोगी, सुशील रस्तोगी, विनीत कुमार, धर्म प्रकाश अग्रवाल, महेंद्र सिंह, गुरदेव सिंह, सचिन कुमार, मनोज कुमार, उमेश कुमार, श्रीनारायण यादव, संजय कुमार, तनवीर जहां, रोहित कुमार आदि रहे।

जिले में हो चुकी 50 प्रतिशत गेंहू की बुआई

अमरोहा। जिले में 50 फीसदी गेहूं की बुआई का कार्य पूरा हो चुका है। 50 फीसदी क्षेत्रफल पर गेहूं की बुआई होनी बाकी रही है। गन्ने की कटाई के बाद खेत खाली होने पर किसान अभी भी बुआई कर रहे हैं। जनवरी के प्रथम सप्ताह तक बुआई चलेगी। उम्मीद है कि लक्ष्य से अधिक जिले में गेहूं की बुआई हो सकती है। गेहूं की बुआई का समय 15 नवंबर से 25 दिसंबर तक माना जाता है। कृषि विशेषज्ञों किसानों को अगेती बुआई के लिए जागरूक भी करते हैं। क्योंकि उत्पादन अच्छा मिलता है, लेकिन अधिकांश किसान गन्ने की कटाई के बाद बुआई करते हैं। अक्तूबर माह के आखिर में चीनी मिल चालू हुई थी। पर्चियां समय से और पर्याप्त मिलने में भी थोड़ी समस्या रहती है। साथ ही डीएपी और एनपीके उर्वरक की उपलब्धता में भी समस्या रही। ऐसे में बुआई में थोड़ा विलंब भी हुआ। कृषि विभाग का लक्ष्य 72 हजार हेक्टेयर में गेहूं की बुआई का है। अब तक 50 प्रतिशत ही बुआई हो चुकी है।

सहारनपुर में मधुमक्खियों के हमले में युवक की मौत

सहारनपुर । सहारनपुर जिले में शहद बेचने का काम करने वाले एक युवक पर मधुमक्खियों के झुंड ने हमला कर दिया जिससे वह बुरी तरह घायल हो गया और इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक (देहात) सागर जैन ने बताया कि थाना फतेहपुर अंतर्गत मुजफ्फराबाद निवासी सोनू (40) बुधवार शाम घूमने के लिए निकला था और जैसे ही वह पानी की टंकी के नीचे पहुंचा, टंकी पर बने छत्ते से निकलकर मधुमक्खियों ने उस पर हमला कर दिया। घटना के बाद ग्रामीणों ने उसे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

पीएम मोदी के आगमन पर फेस्टिव मूड में नजर आएगा पूरा महाकुंभ नगर और प्रयागराज

प्रातः किरण, संवाददाता

महाकुंभ नगर, । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 13 दिसंबर को महाकुंभ 2025 की तैयारियों का जायजा लेने और परियोजनाओं का लोकार्पण करने महाकुंभ नगर और प्रयागराज आ रहे हैं। उनके आने से पूर्व स्वयं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 7 दिसंबर को सभी तैयारियों का जायजा लेंगे। पीएम मोदी की यात्रा के मद्देनजर सभी विभागों को अपनी दफ्तरों और इमारतों के सौंदर्यीकरण के निर्देश दिए गए हैं। इमारतों को फसाड लाइटिंग से रौशन किए जाने की भी योजना है। इसके अतिरिक्त प्रमुख चौराहों और सड़कों को भी दुल्हन की तरह सजाया जाएगा। मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत ने अधिकारियों को सभी आवश्यक तैयारियां समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही, जिन परियोजनाओं का प्रधानमंत्री लोकार्पण करेंगे, उन्हें भी समय से पूर्व पूर्ण किए जाने के लिए आवश्यक निर्देश प्रदान किए गए हैं। मंडलायुक्त ने बताया कि पीएम मोदी के दौरे की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। इन्हें निर्धारित समय सीमा में पूर्ण कर लिया जाएगा। प्रधानमंत्री के आने से पूर्व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का भी भ्रमण 7 दिसंबर को होना है। सीएम के निर्देशों के अनुसार सभी कार्य कराए जा रहे हैं। सीएम स्वयं इन सभी कार्यों की समीक्षा करेंगे। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी की यात्रा के दौरान पूरा शहर स्वच्छ और हरित महाकुंभ की परिकल्पना को साकार करता नजर आएगा। शासन द्वारा दिए गए निदेशों के अनुसार, सभी विभागों को अपने-अपने दफ्तरों को शोभनीय बनाते हुए उसमें फसाड लाइटिंग और उसका यथासंभव सौंदर्यीकरण कराने के निर्देश दिए गए हैं। इस दिशा में भी काम जोर-शोर से चल रहा है। इसके अतिरिक्त प्रमुख चौराहों, सड़कों और पार्कों को भी सजाया जाएगा। मंडलायुक्त ने बताया कि पीएम के दौरे को लेकर सभी विभाग और अधिकारी पूरी तत्परता से जुटे हुए हैं। पीडब्ल्यूडी सभी महत्वपूर्ण सड़कों का नवीनीकरण तेजी से पूरा कर रहा है। सभी जंक्शंस और सड़क सौंदर्यीकरण का कार्य प्रयागराज डेवलपमेंट अथॉरिटी और पीडब्ल्यूडी द्वारा समय पर पूर्ण कर लिया जाएगा। नगर निगम की ओर से स्ट्रीट लाइटिंग और थीमैटिक लाइटिंग का कार्य किया जा रहा है। विद्युत विभाग की ओर से सभी पावर केबल्स को बिछाने का काम भी तेजी से पूरा किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त सीएंडडीएस द्वारा गेट्स और इंस्टॉलेशन वर्क कंप्लीट कर लिया जाएगा। कॉरिडोर्स के काम को भी अंतिम रूप दिया जा रहा है और इसे समय पर पूरा कर लिया जाएगा। घाटों पर स्वच्छता और पवित्रता बनाए रखने के लिए दिन रात काम हो रहा है। पीएम के दौरे से पहले 7 दिसंबर को सीएम योगी महाकुंभ नगर और प्रयागराज में तैयारियों का जायजा लेंगे और खोया-पाया केंद्र तथा सेक्टर-1 में स्थापित पब्लिक एकमोडेशन का उद्घाटन भी करेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सीएम योगी 7 दिसंबर को अपनी यात्रा के दौरान सर्किट हाउस में पीएम मोदी के कार्यक्रम को लेकर संगठन के पदाधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक करेंगे। यहीं पर वह महाकुंभ 2025 के कार्यों की समीक्षा बैठक में भी हिस्सा लेंगे। इसके अतिरिक्त वह अलोपीबाग फ्लाई ओवर एवं अलोपीबाग रोड का निरीक्षण करेंगे।

उत्तर प्रदेश: ट्रेन में सीट को लेकर हुए विवाद के बाद हमले में एक युवक की मौत, दो लोग घायल

प्रातः किरण, संवाददाता

अमेठी, । जम्मू से वाराणसी आ रही बेगमपुरा एक्सप्रेस में सीट पर बैठने को लेकर हुए विवाद में चाकू से किये गये हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, बृहस्पतिवार को जम्मू से वाराणसी आ रही बेगमपुरा एक्सप्रेस में लखनऊ से निहालगढ़ के बीच सीट पर बैठने को लेकर दो यात्रियों के बीच विवाद हो गया और मामला इतना बढ़ गया की एक व्यक्ति ने चाकू से हमला कर दिया, जिसमें तौहीद (24) नाम के युवक की मौत हो गई। मृतक तौहीद अंबाला से अपने घर आ रहा था। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि लखनऊ के बाद सीट पर बैठने को लेकर सुलतानपुर के एक युवक का तौहीद से विवाद हो गया, जिसके बाद आरोपी ने अपने कुछ साथियों के साथ मिलकर तौहीद पर चाकू और लोहे की रॉड से हमला कर दिया। उन्होंने बताया कि तौहीद ने इस घटना की सूचना अपने परिजनों को दी, जिसके बाद उसके दो भाई निहालगढ़ रेलवे स्टेशन पहुंचे जहां पर युवकों ने उसक भाई तालिब और तौसीफ पर भी हमला कर दिया, जिसमें दोनों गंभीर रूप से घायल हो गये। अधिकारी ने बताया कि तालिब को जगदीशपुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से प्राथमिक उपचार के बाद लखनऊ ट्रामा सेंटर स्थानांतरित कर दिया गया जब कि तौसीफ का इलाज स्वास्थ्य केंद्र में जारी है। भाले सुल्तान शहीद स्मारक थाना प्रभारी निरीक्षक तनुज पाल ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया और इस मामले में कानूनी कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि आरोपी युवकों को राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) ने सुलतानपुर रेलवे स्टेशन पर गिरफ्तार कर लिया।

किसानों का आरोप, जबरन दरवाजा तोड़कर ले गई पुलिस, आज फिर 12 बजे जीरो पॉइंट पर आने आह्वान

प्रातः किरण, संवाददाता

नोएडा, । ग्रेटर नोएडा के जीरो पॉइंट पर चल रहे किसानों के धरने में बीती देर रात पुलिस ने कार्रवाई करते हुए सुधीर खलीफा समेत कई अन्य किसानों को हिरासत में लेकर जेल भेज दिया। किसान नेताओं के परिवार ने पुलिस पर आरोप लगाते हुए वीडियो जारी किया है। उन्होंने बताया कि बीती देर रात उनके घर के दरवाजे तोड़े गए और उन्हें गिरफ्तार किया गया। किसान नेता रूपेश न भी अपना देर रात एक वीडियो जारी कर किसानों से गुरुवार दोपहर 12 बजे तक फिर जीरो पॉइंट पहुंचने का आह्वान किया है। रूपेश ने अपने जारी किए गए वीडियो में किसान नेताओं के साथ विश्वासघात की बात कही है। उन्होंने बताया है कि कुछ किसानों को दोबारा देर रात हिरासत में लिया गया है। उनका कहा है कि इस समय आंदोलन अपने चरम पर है और सरकार इसे दबाना चाहती है। इसलिए सभी किसानों को इस आंदोलन को सफल बनाना होगा। उन्होंने किसानों से आज फिर 12 बजे जीरो पॉइंट पर इकट्ठा होने का आह्वान किया है। इसके अलावा कई किसान नेताओं के परिवारों ने सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर कर अपना दर्द बताया। उन्होंने कहा है कि बीती देर रात घर में जबरन पुलिस वाले घुस गए और दरवाजा तोड़कर गिरफ्तार कर ले गए। उन्होंने यह भी बताया गया है कि कमरे का दरवाजा जब नहीं खुला तो उसे तोड़ दिया और किसान नेता को घर से गिरफ्तार कर ले गए। उन्होंने आरोप लगाया गया कि पुलिस किसान नेता जतन यादव को घर से उठा ले गई। घर में लगे विंडो एसी भी तोड़ दिए। वीडियो सामने आने के बाद किसानों में रोष बना हुआ है।

बाबर के युग में जो हुआ और अब बांग्लादेश में जो हो रहा है उसका डीएनए एक: योगी

अयोध्या, । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्षी दलों पर समाज को बांटने का आरोप लगाते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि अयोध्या व संभल में मुगल शासक बाबर की सेना ने जो किया और आज जो बांग्लादेश में हो रहा है, उसका डीएनए एक ही है। मुख्यमंत्री ने यहां 43वें रामायण मेले का उद्घाटन करने के बाद कहा, ह्लभगवान राम ने इस पूरे समाज को एक किया था। अगर हमने एकता को महत्व दिया होता और देश के दुश्मनों की रणनीति सफल नहीं होने दी होती तो यह देश कभी गुलाम नहीं बनता। हमारे तीर्थ कभी अशुद्ध नहीं हुए होते। मुट्ठीभर आक्रांता हम पर आक्रमण नहीं कर पाते और भारत के वीर सैनिकों ने उन्हें कुचल दिया होता।ह्व मुख्यमंत्री ने किसी का नाम लिए बगैर कहा, ह्लेकिन इस समाज में अड़चने पैदा करने वाले सफल हो गए। सामाजिक ताने-बाने को छिन्न भिन्न करने के लिए जाति आधारित राजनीति करने वाले आज भी सक्रिय हैं।ह्व उन्होंने कहा, ह्ल आप देखें कि पड़ोसी देशों में हमारे दुश्मन किस प्रकार का कृत्य कर रहे हैं। 500 वर्ष पहले बाबर के एक जनरल ने अयोध्या और संभल में जो कृत्य किए थे ठीक वैसा ही आज बांग्लादेश में हो रहा है। इन तीनों जगहों पर कृत्यों की प्रकृति और डीएनए समान है।ह्व योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अगर कोई सोचता है कि बांग्लादेश में जो हो रहा है, वह यहां नहीं होगा तो वह भ्रमित है। उन्होंने कहा कि विभाजनकारी तत्व पहले से ही यहां खड़े हैं और सामाजिक ताना बाना खराब कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, ह्लइन विभाजनकारी ताकतों में कई ऐसे लोग हैं, जिन्होंने विदेशों में संपत्ति खरीदी हुई है और यहां संकट पैदा होने पर वे भागकर उन स्थानों पर चले जाएंगे तथा यहां लोगों को मरने के लिए छोड़ देंगे। वे यही करते हैं।ह्व बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के इस वर्ष अगस्त में पतन के बाद से पड़ोसी मुल्क में हिंदू समुदाय समेत धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ व्यापक हिंसा की खबरें आ रही हैं।

रामजस इंटरनेशनल स्कूल में यमुना बचाओ अभियान

प्रातः किरण, संवाददाता

रामजस इंटरनेशनल स्कूल में 4 दिसंबर 2024 को यमुना बचाओ अभियान के अंतर्गत यमुना भिक्षु के संयोजक श्री रविशंकर तिवारी ने दौरा किया। यह आयोजन इंटरेक्ट क्लब के द्वारा छात्रों के बीच यमुना नदी के महत्व एवं उसकी स्वच्छता की आवश्यकता के विषय में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से किया गया था। अपने संबोधन में श्री तिवारी ने युवा छात्रों को यमुना नदी को साफ करने के प्रयासों पर विशेष ध्यान देने के साथ- साथ उन्हें पर्यावरण सुरक्षा के एजेंट (प्रतिनिधि) बनकर सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने अपने संदेश के माध्यम से छात्रों को पर्यावरणीय स्थिरता,सुरक्षा तथा स्वच्छता में योगदान देने और अपने परिवेश को बेहतर बनाने की दिशा में काम करने के लिए प्रेरित किया।

पीएम मोदी के स्वच्छता अभियान को आगे बढ़ाते हुए स्वच्छता का दिया संदेश : सुभाषचंद्र

प्रातः किरण संवाददाता

पलवल, । स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के तहत जिला पलवल में गुरुवार को स्वच्छता कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण हरियाणा के उपाध्यक्ष सुभाषचंद्र मुख्य अतिथि रहे। उपाध्यक्ष सुभाषचंद्र ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छता अभियान को आगे बढ़ाते हुए स्वच्छता का संदेश दिया। उन्होंने बताया कि स्वच्छता को जन आंदोलन बनाना होगा। तभी हम अपने देश व जिला पलवल को स्वच्छ बना सकते हैं। इसमें हर व्यक्ति की भागीदारी सुनिश्चित होनी चाहिए। सभी लोग अपनी जिम्मेवारी समझकर स्वच्छता का विशेष ध्यान रखें। उन्होंने निर्देश दिए कि शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों की आवश्यकतानुसार जहां भी सामुदायिक शौचायलयों की आवश्यकता है, वहां सामुदायिक शौचालय का निर्माण कराया जाए। उन्होंने कहा कि जहां पहले से ही सामुदायिक शौचालय बने हुए हैं उनकी साफ-सफाई की जिम्मेदारी आम जनमानस की है, आमजन उनके प्रति सजग रहे। स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण हरियाणा के उपाध्यक्ष सुभाषचंद्र ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में रिटायर कर्मचारियों, मंदिर गुरुद्वारों आदि के प्रबुद्ध लोगों को इसका रोल मॉडल बनाया जाए। स्वच्छता अभियान के तहत पॉलिथीन प्रतिबंध किया गया है। यह एक जटिल समस्या है। इससे निपटने के लिए हमें चाहिए कि सभी पॉलिथीन की जगह जूठ के बने बैग इस्तेमाल करें, ताकि पॉलिथीन से अपने पलवल को निजात मिल सके। गांव स्तर पर व वार्ड स्तर पर निगरानी कमेटियां बनाई जाएं, जो स्वच्छता का विशेष ध्यान रखे। इस कार्यशाला के माध्यम से उन्होंने सामाजिक संस्थाओं का विशेष आह्वान किया कि वे स्वच्छता से जुडकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सपने को साकार करने में अपना पूर्ण योगदान दें। कोई भी अधिकारी स्वच्छता को लेकर किसी प्रकार का कोई समझौता न करें। कार्यशाला में जिला नगर आयुक्त अखिल पिलानी, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी जितेंद्र कुमार, कार्यकारी अभियंता सतेन्द्र, कार्यकारी अभियंता पंचायती राज हरेंद्र कुमार, राज्य स्तरीय टास्क फोर्स सदस्य वेद प्रकाश, सभी खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी, स्वच्छ भारत मिशन स्टाफ, ग्राम सचिव, जिला स्तर टास्क फोर्स सदस्य, क्षेत्र के व्यापारी वर्ग व एनजीओ, सामाजिक संगठन आदि मौजूद रहे। कार्यशाला में आम लोगों ने विभिन्न स्वच्छता से संबंधित मुद्दों पर प्रकाश डाला, जिस पर उपाध्यक्ष सुभाषचंद्र ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि जल्द से जल्द सभी स्थानों पर समस्याओं का समाधान किया जाए।

मुरादाबाद : दूसरे समुदाय के व्यक्ति को मकान बेचने पर सोसाइटी के लोगों ने किया विरोध

प्रातः किरण संवाददाता

मुरादाबाद । मुरादाबाद की एक सोसाइटी में एक निवासी द्वारा कथित तौर पर अन्य समुदाय के व्यक्ति को मकान बेचे जाने के बाद वहां के निवासियों ने विरोध प्रदर्शन किया। विरोध प्रदर्शन मंगलवार को तब शुरू हुआ जब टीडीआई सोसाइटीह्व के सदस्यों को पता चला कि डॉक्टर अशोक बजाज नाम के व्यक्ति ने अपना मकान डॉक्टर इकरा चौधरी को बेच दिया। लोगों का आरोप है कि यह उचित नहीं है क्योंकि यह ऐसी सोसाइटी है जहां हिंदू रहते हैं। डाक्टर अशोक बजाज, अपना मकान वापस लो के नारे लिखे बैनरों के साथ महिलाओं समेत सोसाइटी के लोगों ने कॉलोनी के गेट पर प्रदर्शन किया। प्रतिक्रिया के लिए क्रेता और विक्रेता से संपर्क नहीं हो सका। एक प्रदर्शनकारी ने पत्रकारों से बातचीत में कहा, ह्यह्ययह हिंदू सोसाइटी है जहां 400 से अधिक हिंदू परिवार रहते हैं। हम नहीं चाहते कि किसी दूसरे समुदाय से कोई यहां रहे। उन्होंने कहा कि जो मकान बेचा गया है वह एक मंदिर के पास है और सोसाइटी चाहती है कि उस मकान का रजिस्ट्रेशन निरस्त हो। इस विरोध प्रदर्शन में टीडीआई सिटी सोसाइटी के चेयरमैन अमित वर्मा, कल्पना सिंह, संगीता सिंह और अन्य लोग शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि वह किसी खास समुदाय से नफरत नहीं करते। हालांकि उन्होंने कहा, हमें डर है कि इस सोसाइटी की जनसांख्यिकी संरचना में गड़बड़ी पैदा होगी और अगर दूसरे समुदाय के लोग यहां रहने लगते हैं तो अवांछित बदलाव किया जा सकता है जिससे हिंदू यहां से दूसरी जगह जाने लगेंगे। जिलाधिकारी अनुज कुमार सिंह ने कहा कि सोसाइटी ने शिकायत की है और उन्होंने एक मकान बेचे जाने पर आपत्ति की है। उन्होंने कहा,हम संबंधित पक्षों से बात कर रहे हैं और सौहार्दपूर्ण समाधान निकालने का प्रयास कर रहे हैं।

उत्तर प्रदेश: पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर अज्ञात वाहन से टक्कर होने पर कार में सवार युवक की मौत

प्रातः किरण संवाददाता

सुलतानपुर, । उत्तर प्रदेश के सुलतानपुर में पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर बुधवार देर रात एक अज्ञात वाहन और कार की टक्कर में एक युवक की मौत हो गई है और एक व्यक्ति घायल हो गया। पुलिस के एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, अंबेडकर नगर जिले के टाडा थाना क्षेत्र के अलीगंज कस्बे के रहने वाले मोहम्मद अशरफ ऊर्फ रहीम और आसिफ ऊर्फ सोमू के साथ अर्टिगा कार से अंबेडकर नगर जा रहे थे। पुलिस ने बताया कि बुधवार देर रात सुलतानपुर में पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर उनकी कार आगे चल रहे एक अज्ञात भारी वाहन से जा टकराई, जिससे कार में सवार दोनों व्यक्ति गंभीर रुप से घायल हो गये। स्थानीय लोगों ने उत्तर प्रदेश एक्सप्रेस औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) को सूचित किया और मौके पर पहुंचे असिस्टेंट सेक्शन ऑफिसर (एएसओ) परमात्मा सिंह ने दोनों घायलों को कूरेभार स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया, जहां चिकित्सकों ने आसिफ (25) को मृत घोषित कर दिया। कूरेभार थाना प्रभारी शारदेन्दु दूबे ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

सरकार बंदूक और लाठियो से किसानों की आवाज को नहीं दबा सकती: चौ.गजेन्द्र सिंह

- चौ.गजेन्द्र सिंह टिकैत के आवास पर किसानों को पुलिस ने किया नजर बंद

प्रातः किरण संवाददाता

स्योहारा। थाना क्षेत्र के ग्राम जट नंगला में ब्लॉक अध्यक्ष चौधरी गजेंद्र सिंह टिकैत और उनके साथियों को ग्रेट नोएडा आंदोलन में जाने के चलते उनके आवास पर ही नजर बंद कर दिया। क्षेत्राधिकार धामपुर सर्वम सिंह थाना स्योहारा पुलिस बल के साथ उनके आवास पर सवेरे से ही पहुंच गए और उन्हें समझा बुझाकर वातार्लाप की और ब्लॉक अध्यक्ष गजेंद्र सिंह ने अपना मांग पत्र भी सौंपा। पुलिस क्षेत्राधिकारी सर्वम सिंह से वातार्लाप के बाद उन्होंने बताया कि किसानों को दिल्ली जाने से रोकने के लिए ऊपर से आदेश हैं पुलिस के जवान मंगलवार की रात को ही 11:30 बजे उनके आवास पर डेरा डाले हुए हैं चौधरी गजेंद्र सिंह टिकैत ने कहा उत्तर प्रदेश सरकार किसानों की आवाज को बल पूर्वक दबाना चाहती है जिसे दबने नहीं दिया जाएगा। उन्होंने बताया ग्रेटर नोएडा के किसान अधिग्रहण की गई भूमि के मुआवजे के लिए आंदोलन कर रहे हैं सवैधानिक तरीके से आंदोलन कर रहे किसानों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। प्रदेश सरकार सभी किसानों को अविलम्ब रिहा करे। उनके जमीन का उनकी मांग के अनुसार मुआवजा दिलाया जाए अगली रणनीति हाई कमान का आदेश पर भारतीय किसान यूनियन और किसान संयुक्त मोर्चा बड़ा आंदोलन हर जगह करने के लिए मजबूर होंगे। जिसकी जिम्मेदारी प्रशासन और उत्तर प्रदेश सरकार की होगी।

सैफ मंसूरी युवा कांग्रेस के कार्यक्रम नशा नहीं, रोजगार दो कार्यक्रम में हुए शामिल

प्रातः किरण संवाददाता

देहरादून/ बिजनौर। बिजनौर के युवा कांग्रेसी कार्यकर्ता सैफ मंसूरी युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब के नेतृत्व में उत्तराखंड युवा कांग्रेस के द्वारा कराये गये नशा नही रोजगार दोह्व कार्यक्रम में शामिल हुए।बेरोजगारी, निकाय और पंचायत चुनाव को मुद्दा बनाकर यूथ कांग्रेस ने यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष के नेतृत्व में सचिवालय कूच किया। जहाँ पुलिस प्रशासन ने सुभाष रोड पर बैरिकेडिंग कर रोक लिया। यहां कांग्रेसियों ने जमकर हंगामा किया। कांग्रेसी बैरियर पर चढ़ गए। पुलिस ने बल प्रयोग कर राष्ट्रीय अध्यक्ष, प्रदेश अध्यक्ष और कई वरिष्ठ नेताओं सहित करीब 30 नेताओं को अपनी हिरासत में ले लिया। और सभी को पुलिस लाइन ले गई। जहां से चेतावनी देकर सभी को छोड़ दिया गया। पूर्व नियोजित कार्यक्रम के तहत युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष सुमित्तर भुल्लर के आह्वान पर प्रदेश भर से सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता रेंजर्स ग्राउंड में एकत्र हुए। राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब ने कहा कि बेरोजगारी और नशाखोरी पूरे देश में है, लेकिन इसे रोकने के लिए बीजेपी सरकार कुछ नहीं कर रही है। प्रधानमंत्री मोदी युवाओं के बारे में सोचने के बजाय अपने मित्र अडानी के बारे में सोच रहे हैं कि उसको जेल जाने से कैसे बचाया जाए। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष करन मेहरा ने कहा कि सरकार ने युवाओं के सपनों को तोड़ने का काम अग्निवीर योजना लागू कर किया। लगातार पेपर लीक हो रहे हैं। हम सब इस लड़ाई को पूरी ताकत से लड़ेंगे। वरिष्ठ नेता सूर्यकांत धस्माना ने कहा कि देहरादून में 100 से ज्यादा विदेशी शराब की दुकानें हैं। तीर्थ स्थल के रूप में पहचान बनाने वाला उत्तराखंड शराब, खनन और सूखे नशे का गढ़ बनता जा रहा है। इसके लिए सिर्फ और सिर्फ भाजपा जिम्मेदार है। इस दौरान पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत, पूर्व अध्यक्ष प्रीतम सिंह, गणेश गोदियाल, प्रकाश जोशी, जोत सिंह गुनसोला, विधायक रवि बहादुर, निगम भंडारी, पूर्व विधायक राजकुमार, अभिनव थापर, महानगर अध्यक्ष जसविंदर गोगी, लालचंद शर्मा, स्वाति नेगी आदि मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

निरंकुशता पर लोकतंत्र की जीत है किसान नेताओं की रिहाईः एसकेएम

अलीगढ़। संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) ने राकेश टिकैत समेत किसान नेताओं की रिहाई को निरंकुशता पर लोकतंत्र की जीत करार दिया है। बृहस्पतिवार को जारी एक बयान में इस मोर्चा ने कहा कि बुधवार को किसान पंचायत में शामिल होने से टिकैत को रोकने की पुलिस की कार्रवाई, टिकैती के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन था। बयान में कहा गया कि उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ की सरकार इस किसान आंदोलन की एकजुटता की वजह से टिकैत, रुपेश वर्मा, सुखबीर खलीफा और सुनील फौजी सहित किसान नेताओं को रिहा करने पर मजबूर हुई। मोर्चा ने कहा कि आंदोलनकारी किसानों की मांगे माने जाने तक ग्रेटर नोएडा के ह्यजीरो प्वाइंट पर विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा। उल्लेखनीय है कि भारतीय किसान यूनियन के नेता राकेश टिकैत और अन्य नेताओं को बुधवार की सुबह अलीगढ़ के टप्पल थाने में हिरासत में ले लिया गया था और शाम को उन्हें छोड़ दिया गया।

उत्तर प्रदेशः विधानसभा का शीतकालीन सत्र 16 दिसंबर से होगा शुरू

लखनऊ, । उत्तर प्रदेश विधानसभा का शीतकालीन सत्र 16 दिसंबर से शुरू होगा। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल 16 दिसंबर को पूर्वाह्न 11 बजे शीतकालीन सत्र को संबोधित करेंगी। यह इस वर्ष का तीसरा सत्र होगा। शीतकालीन सत्र के संबंध में एक अधिसूचना बृहस्पतिवार को जारी कर दी गई।

नाबालिग छात्रा के साथ बलात्कार करने के जुर्म में एक व्यक्ति को 20 वर्ष की कैद

नोएडा, । गौतम बुद्ध नगर जनपद की एक अदालत ने एक नाबालिग छात्रा को बंधक बनाकर उसके साथ बलात्कार करने के जुर्म में एक व्यक्ति को 20 साल की कैद की सजा सुनायी है। एक पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि अपर सत्र विशेष न्यायाधीश पास्को (द्वितीय) सौरव द्विवेदी ने बुधवार को आरोपी को दोषी ठहराते हुए उसे 20 वर्ष की कठोर कैद की सजा सुनायी तथा उसपर 80 हजार रुपए का जुमार्ना भी लगाया। प्रवक्ता के अनुसार अदालत ने कहा कि जुमार्ना नहीं भरने पर अभियुक्त को एक और वर्ष सलाखों के पीछे रहना होगा। अदालत ने कहा है कि जुमार्ने की 80 फीसदी धनराशि पीड़िता के पुनर्वास के लिए दी जाएगी। प्रवक्ता के अनुसार फेस-तीन थाना क्षेत्र की यह किशोरी 13 अक्टूबर 2018 को स्कूल से घर जाने के लिए निकली थी, लेकिन वह घर नहीं पहुंची। जब उसके परिजन शक के आधार पर हिमांशु नामक युवक के घर पर पहुंचे तब उन्होंने वहां हिमांशु को उसके साथ बलात्कार करता हुआ देखा। परिजनों ने हिमांशु को पुलिस के हवाले कर दिया। प्रवक्ता के अनुसार पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया तथा चिकित्सकीय परीक्षण में बलात्कार की पुष्टि हुई। प्रवक्ता ने बताया कि पुलिस ने जांच के बाद आरोपी के खिलाफ न्यायालय में आरोपपत्र दाखिल किया।

उत्तर प्रदेशः कार के डिवाइडर से टकराने की दुर्घटना में दो युवकों की मौत, पांच लोग घायल

महोबा, । उत्तर प्रदेश के महोबा जिले में बुधवार रात एक तेज रफ्तार कार के डिवाइडर से टकराने की दुर्घटना में दो युवकों की मौत हो गई जबकि पांच अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस के एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) वंदना सिंह ने बताया कि बुधवार रात पुलिस को सूचना मिली कि झांसी-मिजार्पुर राजमार्ग में सुगिरा गांव के नजदीक एक तेज रफ्तार कार डिवाइडर से टकरा गई। उन्होंने बताया कि इस हादसे में कार सवार और मऊरानीपुर के रहने वाले अंश पटेल (20) और घुटई गांव के रहने वाले मनीष पटेल (28) की मौके पर ही मौत हो गई जबकि वाहन में सवार प्रदीप पटेल, मुकेश पटेल, विपिन पटेल, योगेंद्र और प्रिंस पटेल घायल हो गए। अधिकारी ने बताया कि घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जिनमें से विपिन की हालत गंभीर होने पर उसे झांसी स्थानांतरित कर दिया गया। उन्होंने बताया कि कार में सवार सभी लोग झांसी जिले के मऊरानीपुर कस्बे से महोबा जिले के कुलपहाड़ कस्बे में एक बारात में शामिल होने आ रहे थे। वंदना ने बताया कि दोनों युवकों के शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेजकर सड़क हादसे की जांच शुरू कर दी गई है।

लिव इन रिलेशनशिप समाज के लिए एक अभिशापः चेयरपर्सन रेणु भाटिया

प्रातः किरण, संवाददाता

पलवल, । अभिभावक अपनी संतान को अच्छे संस्कार देकर पूर्ण रूप से संस्कारवान बनाएं, ताकि वे एक अच्छे समाज के निमार्ण के भागी बनें। बुजुर्ग व महिलाओं का आदर सम्मान करें। हरियाणा महिला आयोग की चेयरपर्सन रेणु भाटिया ने गुरूवार को जिला सचिवालय के तृतीय तल पर स्थित पुलिस सभागार में पीड़ित महिलाओं की समस्याओं को सुनते हुए सभी से आह्ववान कर रहीं थीं। उन्होंने समाज के बुजुर्गों से अपील करते हुए कहा कि पुराने समय से चली आ रही एक परिवार में दो बेटियों के विवाह करने की प्रथा में बदलाव करने की आवश्यकता है। आज के युग में बेटियों पर अत्याचार को रोकने के लिए यह कदम जरूरी है। बेटियों की अच्छी परवरिश करके उन्हें संस्कारवान बनाएं, शिक्षा पूरी करवाकर उन्हें स्वाबलंबी बनाए। चेयरपर्सन रेणु भाटिया ने कहा कि हमें अपनी पारंपरिक परंपरा को समझना चाहिए। इस बैठक से पूर्व उन्होंने डा. भीमराव अंबेडकर राजकीय महाविद्यालय का औचक निरीक्षण किया तथा मौके पर अनुपस्थित पाए अधिकारियों के विरूद्ध कार्यवाही करने के निर्देश दिए। हरियाणा महिला आयोग की चेयरपर्सन रेणु भाटिया ने कहा कि प्रदेश में महिलाओं के मान सम्मान व उनके अधिकारों के साथ किसी प्रकार का खिलवाड़ नहीं होने दिया जाएगा। यदि महिलाओं को कोई परेशानी आती है तो हरियाणा महिला आयोग हर समय उनके साथ खड़ा है। उन्होंने कहा कि महिलाओं के अधिकारों की रक्षा के लिए हरियाणा महिला आयोग पूरी तरह से सजग है और किसी भी रूप से महिला अत्याचार को सहन नहीं किया जा रहा है। हर महिला की परेशानी को समझते हुए उसका समाधान सुनिश्चित करने में हरियाणा महिला आयोग अपनी सक्रिय भूमिका निभा रहा है। वहीं एक अन्य शिकायत में पीड़ित महिला को स्वालंबी बनाने के लिए आयोग की ओर से ब्यूटी पार्लर का कोर्स करवाने और अपना कार्य शुरू करने के लिए ऋण मुहैया करवाने की भी बता कही। इसके अतिरिक्त नाम व धर्म बदलकर विवाह करने की महिला की शिकायत पर उन्होंने संबंधित व्यक्ति को तुरंत प्रभाव से गिरफ्तार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि महिला आयोग की नोटिस पर न आने वाले व्यक्तियों के खिलाफ पुलिस सख्त रवैया अपनाते हुए कार्यवाही अमल में लाएं।

नोएडा और ग्रेटर नोएडा में चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल तैनात

प्रातः किरण, संवाददाता

नोएडा, । नोएडा और ग्रेटर नोएडा में चप्पे चप्पे पर आज पुलिस बल तैनात है। ग्रेटर नोएडा के जीरो पॉइंट पर पुलिस के आला अधिकारी, जिलाधिकारी और तकरीबन 500 पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। इसके साथ-साथ महामाया फ्लाईओवर और दलित प्रेरणा स्थल पर भी पुलिस की कड़ी सुरक्षा व्यवस्था है। बुधवार देर रात ग्रेटर नोएडा के जीरो पॉइंट से सुखबीर खलीफा समेत अन्य किसानों की हुई गिरफ्तारी के बाद कई किसान नेताओं ने सोशल मीडिया वीडियो शेयर कर आज फिर सभी किसानों को जीरो पॉइंट आने के लिए आह्वान किया था। बीती रात उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दफ्तर से एक्स पर एक पोस्ट के बाद पुलिस एक्टिव हो गई थी। पुलिस ने धरने पर बैठे सभी किसानों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। बुधवार को जीरो पॉइंट पर हुई महापंचायत में जिन किसानों को जेल से छोड़ा गया था, अब उन्हें ढूंढकर गिरफ्तार किया जा रहा है। इस बात को लेकर किसान और किसान नेताओं में रोष है। गाजियाबाद के महरौली में भी किसानों ने एनएच 24 को जाम किया था। जिसके थोड़ी देर बाद वहां पहुंचे पुलिस बल ने उन्हें हिरासत में लिया और वेब सिटी थाने ले गए। उत्तर प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में लगातार किसानों के प्रदर्शन की खबरें सामने आ रही हैं। ग्रेटर नोएडा के दनकौर इलाके में भी किसान जीरो पॉइंट जाने के लिए निकले थे, जिन्हें पुलिस ने पहले ही गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के आला अधिकारियों के मुताबिक, उन्हें सख्त हिदायत दी गई है कि कोई भी धरना प्रदर्शन नहीं होगा। कोई भी अराजकता नहीं की जाएगी और जो ऐसा करता है उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगा।

संभल हिंसा में शामिल लोगों के पोस्टर आज लगाएगा जिला प्रशासन

प्रातः किरण, संवाददाता

संभल। संभल में 24 नवंबर को मुगलकालीन मस्जिद के सर्वे के दौरान भड़की हिंसा में शामिल लोगों के पोस्टर जिला प्रशासन बृहस्पतिवार को जारी करेगा। संभल के जिला मजिस्ट्रेट राजेंद्र पेंसिया ने बताया, 24 नवंबर को हुई हिंसा के बाद 400 से अधिक उपद्रवियों की पहचान कर ली गई है और अभी तक 32 लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। उन्होंने बताया, अब तक 400 से अधिक लोगों को चिन्हित किया जा चुका है। आज पोस्टर लग जाएंगे। आज ही दोपहर तीन बजे शांति समिति की बैठक है जिसमें यह चर्चा की जाएगी कि कितने लोगों के पोस्टर लगाए जाएं। यह पूछे जाने पर कि कितने लोगों के पोस्टर लगेंगे, उन्होंने कहा, अभी हम डिजाइनिंग कर रहे हैं और इसे अंतिम रूप दे दिया जाएगा। 400 लोगों को चिन्हित किया जा चुका है। पकड़े गए लोगों को छोड़कर बाकी लोगों के पोस्टर लगाए जाएंगे ।यह पूछे जाने पर कि क्या इस मामले में विदेशी फंडिंग की भी बात सामने आ रही है, उन्होंने कहा कि किसी भी चीज से इनकार नहीं किया जा सकता। अभी जांच चल रही है। उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश सरकार ने 27 नवंबर को कहा था कि वह संभल हिंसा में शामिल लोगों के पोस्टर बनवाएगी और सार्वजनिक संपत्ति के नुकसान की भरपाई कराएगी तथा पथराव करने वालों के पोस्टर सार्वजनिक स्थलों पर लगाए जाएंगे।

भाजपा की योजना राजस्व बढ़ाने से ज्यादा भ्रष्टाचार बढ़ाने की : अखिलेश यादव

प्रातः किरण, संवाददाता

लखनऊ, । जीएसटी परिषद द्वारा कई वस्तुओं पर कर बढ़ाए जाने की संभावना की खबरों को लेकर बृहस्पतिवार को केंद्र पर प्रहार करते हुए समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा की योजना राजस्व बढ़ाने से ज्यादा भ्रष्टाचार बढ़ाने की है। अखिलेश ने एक्स पर लिखा, कहां तो भाजपाई कह रहे थे एक देश, एक कर। लेकिन उनकी यह बात भी जुमलाई झूठ निकली, क्योंकि अब वे कर की नई ह्यस्लैबह्व ला रहे हैं। जब एक कर, कई स्लैब हैं तो एक कर का नारा सही मायनों में झूठा साबित हुआ न। उन्होंने कहा, दरअसल कर की दरें बेतहाशा बढ़ाने के पीछे एक बड़ा खेल है। यह राजस्व बढ़ाने से ज्यादा भ्रष्टाचार बढ़ाने और फिर अधिकारियों के माध्यम से दुकानदारों, कारोबारियों पर दबाव बढ़ाकर ज्यादा वसूली की भाजपाई योजना है। अखिलेश ने कहा, दुनिया का नियम है कि जितनी अधिक कर की दर होती है, उतनी ही अधिक कर की चोरी होती है और जितनी अधिक कर की चोरी होती है, उतनी ही अधिक भ्रष्ट सत्ताधारियों की कमाई होती है। भाजपा सरकार में कर चुराने के लिए और उससे वसूली के लिए पिछले दरवाजे के रास्ते पहले तैयार कर लिए जाते हैं। उसके बाद कोई कर योजना सामने के दरवाजे से बाहर नहीं आती। उन्होंने कहा, हर कर को चुकाने का बोझ आखिर में जनता पर ही आता है। इसलिए घूम-फिरकर कर की चक्की में जनता ही पिसती है, जनता ही मारी जाती है। अखिलेश ने एक समाचार पत्र की कटिंग भी इस पोस्ट में साझा की है जिसका शीर्षक है, सिगरेट, तंबाकू पर जीएसटी बढ़ाकर 35 प्रतिशत की जा सकती है, जीएसटी परिषद का निर्णय 21 दिसंबर को।

सरकार के प्रतिनिधिमंडल को संभल जाकर पीड़ितों के परिजन से मिलना चाहिएः विधायक महमूद

प्रातः किरण, संवाददाता

संभल। कांग्रेस नेता राहुल गांधी को संभल जाने से रोके जाने के बाद यहां से समाजवादी पार्टी के विधायक नवाब इकबाल महमूद ने प्रदेश सरकार से एक प्रतिनिधिमंडल संभल भेजने की मांग की है।

राहुल गांधी के नेतृत्व में बुधवार को कांग्रेस नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल को संभल जाते समय उत्तर प्रदेश पुलिस ने गाजीपुर सीमा पर रोक दिया था, जिले में बाहरी लोगों के प्रवेश पर रोक है। महमूद ने बुधवार देर शाम पत्रकारों से बातचीत में कहा, सरकार को अपना राजनीतिक प्रतिनिधिमंडल यहां भेजना चाहिए जो पीड़ितों के परिजनों से मिले और यह संदेश दे कि सभी को एकजुट होकर साथ रहना चाहिए।

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के इस बयान पर कि क्यों हर मस्जिद में शिवलिंग तलाशा जाए, महमूद ने कहा कि भाजपा को उनकी सलाह माननी चाहिए।

उन्होंने कहा, समाज में नफरत फैलाने से बचने और भाईचारा बढ़ाने के लिए इसका अनुपालन किया जाना चाहिए। इस तरह से (मस्जिदों को निशाना बनाकर) कोई भाईचारा नहीं होगा और दंगे होंगे।

उन्होंने कहा, वे बांटो और राज करो की व्यवस्था चाहते हैं। वे ना तो बच्चों को रोजगार देना चाहते हैं और ना ही बेरोजगारी और बढ़ती महंगाई रोकने पर काम करना चाहते हैं। वे केवल हिंदू और मुसलमानों को बांटते हैं और इस पर राजनीति करते हैं। महमूद ने कहा,ह्यह्व वे इसमें सफल भी हो रहे हैं।

किसी दिन हम देखेंगे कि हमने बड़ी गलती की है।

देश आगे बढ़ना चाहिए लेकिन यह पिछड़ रहा है।

उन्होंने कहा, संभल के लोगों से पूछो कि उन्हें कितना नुकसान हुआ।व्यापारियों, दुकानदारों से पूछो जो इस शादी ब्याह के सीजन में बेकार बैठे हैं।

गत 24 नवंबर को मुगलकालीन मस्जिद के सर्वेक्षण के दौरान संभल में भड़की हिंसा में चार लोगों की मौत हो गई थी और कई लोग घायल हो गए थे।

ग्रेटर नोएडाः जीरो पॉइंट से हिरासत में लिए किसान नेता, सीएम योगी की पोस्ट के बाद पुलिस ने की कार्रवाई

प्रातः किरण, संवाददाता

ग्रेटर नोएडा, । ग्रेटर नोएडा के जीरो पॉइंट पर बुधवार को किसानों की महापंचायत थी। मंगलवार शाम को गिरफ्तार हुए सभी किसानों को छोड़ दिया गया था। इसके बाद आगे की रणनीति के लिए आज गुरुवार को पंचायत होनी है। लेकिन इससे पहले ही देर रात सीएम योगी आदित्यनाथ की पोस्ट के बाद पुलिस ने किसानों को एक बार फिर हिरासत में लिया। जीरो पॉइंट पर रात करीब 12 बजे के आसपास किसानों को हिरासत में लेकर लुक्सर जेल भेजा गया। जीरो पॉइंट पर धरना खत्म करा दिया गया। पुलिस ने ये कार्रवाई तब की जब किसानों की संख्या 50 से कम थी। हालांकि, पुलिस इस गिरफ्तारी को लेकर कुछ भी बोलने को तैयार नहीं है। किसानों की गिरफ्तारी को लेकर पुलिस की तरफ से कोई आधिकारिक बयान भी नहीं आया है। दरअसल ग्रेटर नोएडा के जीरो पॉइंट पर बुधवार सुबह से शुरू हुई किसानों की महापंचायत उनके हक में रही थी। जेल में बंद उनके सभी किसान नेता समेत 123 किसानों को पुलिस ने छोड़ दिया था। हालांकि, इस महापंचायत में राकेश टिकैत नहीं पहुंच पाए, क्योंकि पुलिस ने उन्हें टप्पल पर रोक लिया था। पंचायत में नरेश टिकैत का प्रतिनिधित्व करते हुए गौरव टिकैत शामिल हुए। शाम को जेल से छूट कर आए किसानों ने मंच संभाला और स्पष्ट किया कि धरना वहीं से शुरू किया जाएगा जहां से खत्म हुआ था। जिसके बाद रात को किसानों ने गुरुवार को पंचायत करने का फैसला किया था। लेकिन इससे पहले देर रात ही किसानों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। जानकारी के मुताबिक, सीएम योगी के सख्त आदेश है कि अराजकता करने वालों को बिल्कुल भी बख्शा नहीं जाए। सीएम योगी के दफ्तर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक कहा गया है, गौतमबुद्धनगर हो, अलीगढ़ हो या संभल अथवा कोई अन्य जनपद, अराजकता फैलाने की छूट किसी को नहीं दी जा सकती। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ महाराज।

संभल एसपी ने हिंसा को बताया दुर्भाग्यपूर्ण, बोले-उपद्रवियों से ही होगी नुकसान की वसूली

संभल, । संभल के एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई ने गुरुवार को बताया कि संभल में जो घटना हुई थी वो बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण थी। उन्होंने कहा कि उपद्रवियों से ही नुकसान की वसूली की जाएगी। एसपी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए एक सवाल के जवाब में कहा कि संभल में 24 नवंबर को जो घटना हुई वो बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण थी। घटना में 29 पुलिसकर्मी घायल हुए थे। चार लोगों की मौत हुई थी। उसके अनुक्रम में अभी तक का 34 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। 83 लोगों को प्रकाश में लाया जा चुका है। करीब 400 से ज्यादा लोगों के फोटो की पहचान की जा चुकी है। इनकी पहचान कर जल्द प्रकाश में लाया जाएगा। इसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि जितने भी लोगों ने सार्वजनिक या प्राइवेट संपत्ति को नुकसान पहुंचाया है। उन लोगों के द्वारा जो नुकसान का दावा किया गया है, उसका आकलन लगभग हो चुका है। भीड़ में जिन उपद्रवियों द्वारा इस संपत्ति को तबाह किया गया था, उन्हीं लोगों से वसूलने की तैयारी चल रही है। पाकिस्तानी कारतूस मिलने के सवाल पर एसपी ने कहा कि पाकिस्तान ऑर्डिनेंस फैक्ट्री के 9 एमएम का खोखा मिला था।

संभल में जुमे की नमाज से पहले कड़ी की गई सुरक्षा-व्यवस्था

प्रातः किरण, संवाददाता

संभल, । उत्तर प्रदेश के संभल में हिंसा के बाद दूसरे जुमे की नमाज को देखते हुए जिला प्रशासन की तरफ से सुरक्षा-व्यवस्था की विशेष तैयारी की गई है। सभी संवेदनशील स्थानों पर पुलिस बलों को तैनात करने का निर्देश दिया गया है। जिलाधिकारी राजेंद्र पेंसिया ने गुरुवार को बताया, आज हमने 30 समितियों के साथ बैठक की। इसके अलावा, हमने सभी मस्जिदों के प्रमुखों से भी बात की। जुमे की नमाज शांतिपूर्ण तरीके से हो, इसके लिए तीन लेयर की सुरक्षा के प्रबंध किए जाने का निर्देश दिया गया। इससे पहले भी तीन लेयर की सुरक्षा की व्यवस्था की गई थी। उन्होंने कहा, हम जुमे की नमाज को लेकर पूरी तरह से सतर्क और सजग हैं। राहत की बात यह है कि सब कुछ नियंत्रण में है और शांत है ह्व जिलाधिकारी ने बताया कि प्रशासन की तरफ से ऐसी कोई संख्या निर्धारित नहीं की गई है कि कितने लोग जुमे की नमाज के लिए आ सकते हैं। लेकिन, हमने अपील की है कि कम से कम संख्या में लोग नमाज के लिए आएं । उन्होंने कहा, पिछली जुमे की नमाज में महज 700 से 800 लोग ही आए थे। मेरी लोगों से यही अपील है कि वो इतनी संख्या में इस बार भी नमाज के लिए आए। उन्होंने कहा, हमने सभी मस्जिदों के प्रमुखों से यही अपील की है कि जिस तरह से पहले नमाज पढ़ा जाता था, ठीक उसी प्रकार से इस बार भी पढ़ा जाए। उत्तर प्रदेश के संभल स्थित जामा मस्जिद के सर्वे का विरोध कर रहे लोगों ने सर्वे टीम और पुलिस पर हमला कर दिया था। इसके बाद स्थिति हिंसात्मक हो गई। इस हिंसा की जद में आकर कई लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी, तो कई घायल हो गए थे। शासन की तरफ से स्पष्ट निर्देश है कि इस हिंसा में संलिप्त किसी भी उपद्रवी को बख्शा नहीं जाएगा। बीते दिनों सीसीटीवी फुटेज के आधार पर उपद्रवियों को चिह्नित कर उनके पोस्टर जारी किए गए थे। शासन की तरफ से यह भी कहा गया था कि इन उपद्रवियों के बारे में जानकारी देने वाले को इनाम भी दिया जाएगा।

संयुक्त किसान मोर्चा के नेताओं में फुट, प्रदर्शन से अलग हुआ भारतीय किसान यूनियन

प्रातः किरण, संवाददाता

नोएडा, । अपनी विभिन्न मांगों को लेकर पिछले कई दिनों से यहां प्रदर्शन कर रहे संयुक्त किसान मोर्चा के नेताओं में आपसी फूट पड़ गई है। बताया जाता है कि 10 संगठनों द्वारा इस आंदोलन को संचालित किया जा रहा था, लेकिन उसके प्रमुख घटक भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) और कई संगठनों ने इस धरना से किनारा कर लिया है। भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने बृहस्पतिवार सुबह बताया कि किसानों के प्रदर्शन और समस्याओं को देखते हुए उत्तर प्रदेश सरकार ने दो दिन पहले पांच सदस्यीय एक उच्च स्तरीय समिति बनायी। उन्होंने कहा कि उनका मत है कि किसान संगठन के लोग इस समिति के साथ धरना स्थल पर ही बातचीत करें तथा अपनी मांगों को उनके सामने प्रमुखता से रखें। उन्होंने कहा कि धरना-प्रदर्शन के अलावा सरकार के नुमाइंदो से बात करके ही किसानों की समस्याओं का हल निकाला जा सकता है। टिकैत ने कहा कि दिल्ली कूच करने से समस्या का हल नहीं होगा क्योंकि दिल्ली कूच के लिए राष्ट्रीय स्तर पर किसानों के सभी संगठनो का एक होना जरूरी है, तभी वह सफल हो पाएगा। उन्होंने कहा कि किसान नेता समिति के लोगों से बात करें लेकिन कुछ नेता इस बात के लिए तैयार नहीं थे। उन्होंने कहा कि इस वजह से भारतीय किसान यूनियन इस प्रदर्शन से अलग हो गया है। उनका कहना था कि अन्य किसी संगठन को अपने हिसाब से जो भी करना है वे करें। किसान संगठन के सूत्रों के अनुसार इसके अलावा कुछ अन्य किसान संगठनों ने भी अपने आप को इस प्रदर्शन से अलग कर लिया है। उनका भी मत है कि समिति के सामने अपना पक्ष रखकर किसानों की मूल समस्याओं को हल निकाला जाए। कई किसान नेताओं का मानना है कि हल टकराव से नहीं आपसी बातचीत से होगा। हालांकि कुछ किसान नेताओं का मानना है कि समिति बनाकर सरकार ने एक ह्यलॉलीपॉपह्व दिया है। उनके मुताबिक पहले भी उच्चस्तरीय

प्रदेश के युवाओं को बेहतर व्यवस्थाएं संसाधन उपलब्ध कराने की जरूरत : गौरव गौतम

प्रातः किरण, संवाददाता

पलवल, । प्रदेश सरकार में खेल, युवा अधिकारिता एवं उद्यमिता, कानून विधायी राज्य मंत्री गौरव गौतम ने कहा कि देश को आगे लेकर जाने में युवाओं की अहम भूमिका है। युवा अपने विचारों से हर क्षेत्र को प्रभावित करते हैं। वे जिस विचार की ओर अग्रसर होते हैं, समाज उससे प्रभावित होता ही है। आज दुनिया में सर्वाधिक मांग युवाओं की है। ऐसे में युवा सशक्तिकरण एवं उद्यमिता विभाग के उच्च अधिकारियों को चाहिए कि वे प्रदेश के युवाओं को आगे लेकर जाने के लिए उन्हें बेहतर व्यवस्थाएं और संसाधन उपलब्ध कराएं। युवा अधिकारिता मंत्री ने गुरूवार को चंडीगढ़ में युवा सशक्तिकरण एवं उद्यमिता विभाग के उच्च अधिकारियों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश दे रहे थे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदेश के युवाओं को सभी मूलभूत सुविधाएं प्रदान की जाएं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री नायब सिंह सेनी के प्रेरणादायी नेतृत्व में युवा वर्ग ऊर्जा और नवोन्मेष के साथ विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। यह प्रेरणा युवाओं को अपने कौशल और प्रतिभा का उपयोग कर सकने के लिए प्रेरित कर रही है, जिससे समाज और अर्थव्यवस्था में सकारात्मक बदलाव आ रहा है। राज्य मंत्री गौरव गौतम ने कहा कि राष्ट्र की प्रगति और कामयाबी के लिए युवा बेहद अहम होते हैं। युवाओं को देश को आगे लेकर जाना है। अपनी शक्ति, सामर्थ्य और साहस से देश को परम वैभव तक पहुंचाने का दायित्व युवाओं को उठाना होगा। समाज में युवाओं की भूमिका की आवश्यकता है जिससे वे उचित ज्ञान और सही दृष्टिकोण के साथ प्रौद्योगिकी, विज्ञान, चिकित्सा, खेल और अन्य सहित विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त कर सकते हैं। यह न केवल उन्हें व्यक्तिगत रूप से और पेशेवर रूप से विकसित करेगा बल्कि पूरे राष्ट्र के विकास और प्रगति के लिए भी योगदान देगा। बैठक के दौरान प्रदेश की खेल नीतियों को किस तरह बेहतर बनाया जा सके और जिन खेलों के कुछ अभी तक उपलब्ध नहीं है उनकी भर्ती की प्रक्रिया सुचारू रूप से जल्द की जा सके वही आने वाले ओलंपिक पैरा ओलंपिक और कॉमनवेल्थ गेम और चैंपियनशिप में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।

सनी देओल और नाना पाटेकर पहली बार साथ करेंगे काम

सोमवार को नाना पाटेकर की फिल्म 'वनवास' का ट्रेलर लॉन्च हुआ। इस दौरान 'गदर 2' के अभिनेता ने भी इस लॉन्च इवेंट में भाग लिया। फिल्म के निर्देशक अनिल शर्मा के साथ सनी देओल, 'गदर', 'अपने' और 'गदर 2' जैसी फिल्मों में काम कर चुके हैं। इवेंट के दौरान नाना पाटेकर और सनी देओल के बीच काफी मजेदार बात हुई। इस दौरान नाना पाटेकर सनी देओल से पूछ बैठे क्या वह कभी साथ में काम करेंगे। इस पर सनी देओल ने सहमति जताई। हालांकि, दोनों की सहमति पर अनिल शर्मा ने मुहर लगा दी और दोनों के साथ जल्दी ही फिल्म लाने का वादा किया।

सनी देओल के साथ काम करना चाहते हैं नाना

इवेंट के दौरान जब सनी देओल और नाना पाटेकर के बीच बातचीत हो रही थी, तो 'वनवास' अभिनेता ने सनी देओल से पूछा, क्या हम कभी गलती से साथ काम करेंगे? इस पर सनी देओल ने जवाब दिया बिल्कुल हम करेंगे। सनी देओल ने

अनिल शर्मा ने किया वादा

सनी देओल के पूछने के बाद निर्देशक अनिल शर्मा ने उनकी इस बात पर मुहर लगा दी। निर्देशक ने कहा, वादा करता हूं, जल्द ही आप दोनों के लिए एक विषय लाता हूं। निर्देशक ने आगे कहा, यह वादा है मेरा, वनवास के इस ट्रेलर लॉन्च पर, इन दोनों को लेकर एक पिक्चर बनाएंगे। इसके बाद नाना पाटेकर और सनी देओल ने एक दूसरे से हाथ मिलाया।

नाना और सनी पहली बार स्क्रीन पर होंगे साथ!

अगर निर्देशक अनिल शर्मा अपना वादा पूरा करते हैं, तो सनी देओल और नाना पाटेकर पहली बार बड़े स्क्रीन पर साथ आएंगे। हालांकि, नाना पाटेकर ने 'गदर 2' में नैरेटर की भूमिका निभाई है, लेकिन दोनों एक साथ अभिनय करते हुए अभी तक नजर नहीं आए हैं।

असल जिंदगी में भी विद्रोही हैं श्वेता त्रिपाठी

अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी ने 'मिर्जापुर' सीरीज से अपने आप को अभिनय की दुनिया में एक मजबूती दी। इस शो से उनका किरदार 'गोलू' मशहूर हो गया। लोग उन्हें 'गोलू दीदी' कहकर भी संबोधित करने लगे। इससे पहले उन्होंने 'मसान' में शानदार अभिनय करते हुए सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा था। 'ये काली काली आंखें' में भी उन्होंने प्रशंसनीय काम किया। हाल ही में बातचीत में श्वेता ने खुद के बारे में कई सारे खुलासे किए। अभिनेत्री ने साझा किया कि उन्हें मानदंडों को चुनौती देना पसंद है।

विद्रोही व्यक्तित्व की हैं श्वेता

अभिनेत्री ने बातचीत में साझा किया कि वह एक हीरोइन के सांचे में फिट नहीं बैठती लेकिन उन्हें मानदंडों को चुनौती देना पसंद है। अभिनेत्री ने कहा, मेरा व्यक्तित्व विद्रोही है। मैं 5 फीट की हूं, मैं आपकी नायिका के आदर्श में फिट नहीं बैठती, मुझे उन मानदंडों को चुनौती देना पसंद है। 'मिर्जापुर' सीरीज में गोलू का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री ने इस शो में अपने अभिनय के लिए खूब प्रशंसा बटोरी। उन्होंने साफ किया कि उन्हें बिकनी या स्विमसूट पहनने में कोई समस्या नहीं है। लेकिन उन्होंने कहा, इस तरह से प्रदर्शित होना कुछ ऐसा है जो मुझे पसंद नहीं आएगा।

भावनात्मक कहानियों को कहने में रुचि रखती हैं श्वेता

अभिनेत्री ने अपनी बातचीत में आगे कहा, वह इस बात से खुश हैं कि महिलाओं की इच्छा से जुड़े किरदार और विषय सामने आ रहे हैं। अभिनेत्री ने कहा, मुझे यह पसंद है कि मसान और मिर्जापुर जैसी फिल्में हैं, जहां यह महिला की इच्छा के बारे में है... बीना त्रिपाठी (मिर्जापुर में रसिका दुगल) या देवी (मसान में ऋचा चड्ढा) जैसे किरदार होना जरूरी है, क्योंकि हम एक बहुत ही प्रगतिशील भूमि और संस्कृति से ताल्लुक रखते हैं। अगर हम अपने पंख काटते रहेंगे, तो यह हर पहलू और हर क्षेत्र में होगा। वहीं, अभिनेत्री ने सिनेमा में अपने काम को लेकर कहा, मुझे लगता है कि मैं कहानी कहने के आनंद का पीछा कर रही हूं, ऐसी कहानियां जो भावनाओं के स्तर को ऊपर उठाती हैं। ताकि जब लोग मेरी कहानी या मेरा किरदार देखें, तो उन्हें कुछ महसूस हो। मैं ऐसी कहानियों का हिस्सा बनना चाहती हूं, जो लोगों को प्रभावित करें या उन्हें असहज करे।

आगे खिसकी रेड 2 की रिलीज की तारीख, अब 21 फरवरी को दस्तक देगी अजय देवगन की फिल्म

बॉलीवुड अभिनेता अजय देवगन की 2018 की फिल्म रेड दर्शकों को खूब पसंद आई थी। कुछ समय पहले फिल्म के निर्माताओं ने पोस्टर साझा करते हुए इसके सीक्वल का एलान किया था। अजय एक बार फिर आयकर विभाग अधिकारी बन रेड मारने के लिए तैयार हैं। फिल्म की रिलीज डेट का एलान हो चुका था, लेकिन अब इसकी रिलीज की तारीख को आगे खिसका दिया गया है। अब नई रिलीज डेट का एलान किया गया है।

दो बार बदली फिल्म की रिलीज डेट

अजय देवगन की यह फिल्म अब तय समय पर रिलीज नहीं होगी। आज मंगलवार, 3 दिसंबर को निर्माताओं ने फिल्म का पोस्टर जारी करते हुए इसकी नई रिलीज डेट का एलान किया है। पहले दो बार फिल्म की रिलीज डेट में बदलाव हो चुका है। सबसे पहले यह फिल्म 15 नवंबर, 2024 को रिलीज होने वाली थी। इसके बाद इसे आगे खिसकाकर 21 फरवरी 2025 को रिलीज करने की योजना बनाई गई।

फिल्म की नई रिलीज डेट

अब यह फिल्म 21 फरवरी को रिलीज नहीं होगी। अजय देवगन की रेड 2 अब 1 मई, 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। अजय देवगन ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट साझा कर इस बारे में जानकारी दी। उन्होंने फिल्म का पोस्टर जारी करते हुए कैप्शन में लिखा, आईआरएस अमय पटनायक का अगला मिशन मई 2025 से शुरू। रेड 2 1 मई 2025 को रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है।

गुमनाम नायकों की कहानी है 'रेड 2'

अजय देवगन की आगामी फिल्म 'रेड 2' आयकर विभाग के गुमनाम नायकों की कहानी बताएगी। उनकी किताबों से सच्ची घटनाएं सामने लाएगी। अजय देवगन के अलावा इस फिल्म में वाणी कपूर और रजत कपूर महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे।

'रेड 2' का खलनायक कौन

अभिनेता रितेश देशमुख 'रेड 2' में खलनायक की भूमिका निभाते हुए नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्देशन राज कुमार गुप्ता ने किया है। इसके पहले भाग को भी राज कुमार ने ही निर्देशित किया था, जो दर्शकों को खूब पसंद आई थी। फिल्म ने क्रिटिक्स की भी सराहना प्राप्त की थी। इस सीक्वल को भूषण कुमार, कृष्ण कुमार और कुमार मंगत पाठक और अभिषेक पाठक ने अपने बैनर टी-सीरीज और पैनोरमा स्टूडियोज के तहत बनाया है।

प्रियंका ने पूरी की सिटाडेल 2 की शूटिंग

ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा ने 'सिटाडेल 2' की शूटिंग पूरी कर ली है। प्रियंका ने सोशल मीडिया पर फैंस के साथ एक पोस्ट शेयर कर 'सिटाडेल 2' टीम का आभार जताया। इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर कर प्रियंका चोपड़ा ने कैप्शन में लिखा, कुछ दिनों से मैं काफी उत्साहित और रोमांच में रही हूं। हमने 'सिटाडेल सीजन 2' की शूटिंग को पूरा कर लिया है! यह साल मेरे लिए बहुत उतार-चढ़ाव भरा रहा है लेकिन इतने प्यार और समर्थन की वजह से कुछ आसान बन गया। प्रियंका शूटिंग पूरी कर काफी खुश हैं और इसका उन्होंने बड़े प्यारे अंदाज में इजहार किया। ये भी बताया कि उनके लिए ये छुट्टियों समान है और इसका आनंद उठाने के लिए वो पूरी तरह से तैयार हैं। उन्होंने कहा, मैं सीरीज के एक्टर्स, क्रू और खासकर मेरी टीम की बहुत आभारी हूं, जिन्होंने मेरा साथ दिया। अब मैं छुट्टियों के मौसम में गोता लगाने को तैयार हूं। सिटाडेल अमेजन प्राइम वीडियो की जासूसी थ्रिलर सीरीज का निर्माण डेविड वेइल ने किया है। सीरीज में प्रियंका चोपड़ा लीड रोल में हैं और उनके किरदार का नाम नादिया सिंह है। 'देसी गर्ल' के साथ 'सिटाडेल 2' में हॉलीवुड अभिनेता रिचर्ड मैडेन भी हैं। सीरीज में प्रियंका की एक्टिंग को दर्शकों से काफी सराहना मिली थी। सिटाडेल के सीजन 1 में प्रियंका चोपड़ा के साथ स्टेनली टुची, लेस्ली मैनविल, एश्ले कमिंग्स, रिचर्ड मैडेन, जोश एप्पेलबाम अहम रोल में हैं। देसी गर्ल के वर्कफ्रंट की बात करें तो उनकी झोली में कई बड़े प्रोजेक्ट्स हैं। 'सिटाडेल 2' के अलावा देसी गर्ल के पास इदरीस एल्बा और जॉन सीना के साथ 'हेड्स ऑफ स्टेट' और कार्ल अर्बन के साथ 'द ब्लफ' भी है। प्रियंका की झोली में फरहान अख्तर की अपकमिंग 'जी ले जरा' भी है, जिसमें उनके साथ कैटरीना कैफ और आलिया भट्ट भी अहम भूमिकाओं में हैं।

पीएम संग द साबरमती रिपोर्ट देख इमोशनल हुईं रिद्धि डोगरा

गोधरा कांड पर बेस्ड द साबरमती रिपोर्ट की सोमवार को स्क्रीनिंग हुई। एक्टर्स संग पीएम मोदी ने फिल्म देखी, जिसे लेकर अभिनेत्री रिद्धि डोगरा ने सोशल मीडिया पर एक इमोशनल पोस्ट शेयर किया। अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर तस्वीरों की सीरीज शेयर कर अभिनेत्री रिद्धि डोगरा ने कैप्शन में लिखा, हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ स्क्रीनिंग के बाद जब मैं अपने होटल के कमरे में पहुंची, तो शायद मैं रोई। एक ऐसा दिन जिसे हम हमेशा याद रखेंगे और एक ऐसा दिन जिसे हम भूल नहीं सकते। आपका धन्यवाद। पीएम के साथ ही अभिनेत्री ने प्रोड्यूसर एकता कपूर को भी धन्यवाद दिया और कहा, मुझे अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर देने के लिए धन्यवाद, मैं आपकी आभारी हूं एकता कपूर। मुझ पर विश्वास करने के लिए आपका धन्यवाद। शेयर की गई तस्वीरों में पीएम मोदी, रिद्धि डोगरा, जितेंद्र, विक्रांत मैसी, एकता कपूर, राशि खन्ना के साथ मुलाकात करते नजर आ रहे हैं। अन्य तस्वीरों में फिल्म के सितारे पोज देते हुए एक ही फ्रेम में कैद नजर आए। रिद्धि डोगरा से पहले द साबरमती रिपोर्ट की प्रोड्यूसर एकता कपूर ने भी पीएम का आभार जताते हुए सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर किया। एकता कपूर ने लिखा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 'द साबरमती रिपोर्ट' की स्क्रीनिंग में शामिल हुए। हम गर्व और कृतज्ञता के शब्दों से परे हैं। हम जिस सत्य को सामने लाने का प्रयास कर रहे हैं, उसकी इस स्वीकृति से हम अभिभूत हैं! यह सच्चे मूल्यों से प्रेरित कहानी अब लाखों लोगों तक पहुंच चुकी है। आप सभी के समर्थन के लिए धन्यवाद!

'द साबरमती रिपोर्ट' की खास स्क्रीनिंग संसद के बालयोगी ऑडिटोरियम में रखी गई। गोधरा कांड पर बनी फिल्म देखने के बाद पीएम ने एक्स पर तस्वीरें शेयर कर इसके निर्माता की तारीफ की। पीएम ने लिखा, द साबरमती रिपोर्ट की स्क्रीनिंग में साथी एनडीए सांसदों के साथ शामिल हुआ।

मैं फिल्म के निर्माता का उनके प्रयासों के लिए सराहना करता हूं। पीएम के साथ फिल्म देखने गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय, केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी, कंगना रनौत, जितेंद्र समेत अन्य मंत्री-सांसद व एक्टर्स पहुंचे। फिल्म 15 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी।

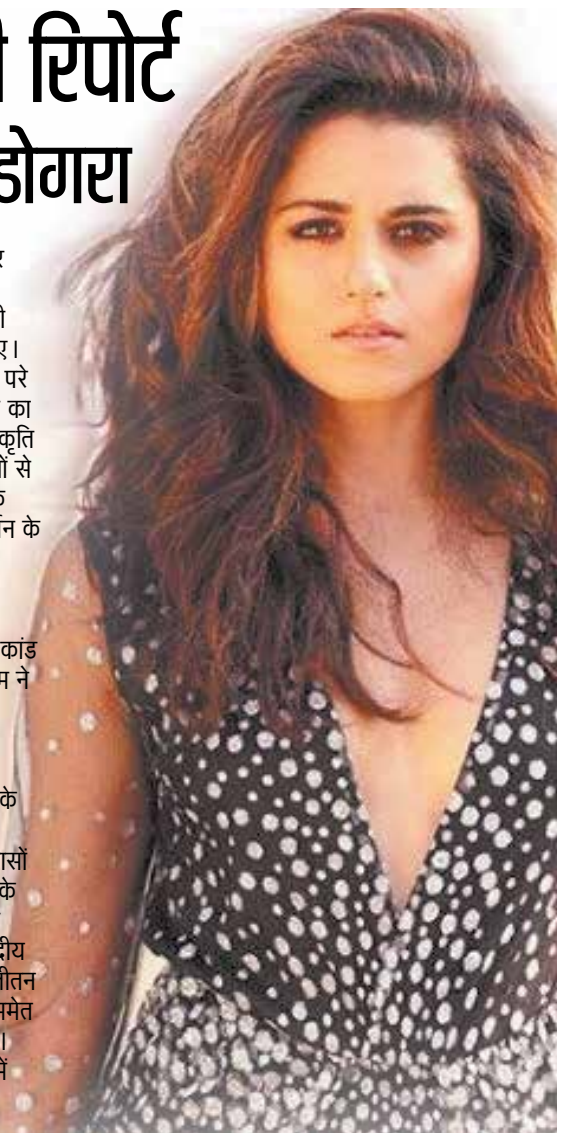

पत्रकार बन भारत के 8000 करोड़ के घोटाले को सामने लाएंगे मनोज बाजपेयी

स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म जी5 ने अपनी आगामी इन्वेस्टिगेटिव क्राइम थ्रिलर डिस्पैच का ट्रेलर जारी किया। इस फिल्म में मनोज बाजपेयी ने जॉय बैग की भूमिका निभाई है, जो एक क्राइम जर्नलिस्ट है, जो एक खतरनाक जांच में उलझ जाता है। इसमें शहाना गोस्वामी, अर्चिता अग्रवाल, रितु परना सेन, दिलीप शंकर, रिजु बजाज और अन्य सहायक भूमिकाओं में हैं। ट्रेलर में क्राइम जर्नलिस्ट जॉय बैग अपने अखबार डिस्पैच के लिए सबसे बड़ी खबर को उजागर करने के मिशन पर है। वह 8000 करोड़ रुपये के भयावह जीडीआर 2जी घोटाले के पीछे की सच्चाई को उजागर करने के लिए एक खतरनाक यात्रा पर निकलता है, अनजाने में अपनी जान को गंभीर खतरे में डाल देता है। अज्ञात दुश्मनों से बढ़ती धमकियों के साथ उसे केस छोड़ने के लिए मजबूर किया जाता है और जॉय की ब्रेकिंग स्टोरी की तलाश उसके लिए एक खतरनाक खेल बन जाता है। डिस्पैच में दिखेगा खोजी पत्रकारिता का सच कनु बहल डिस्पैच के निर्देशक हैं। फिल्म बनाने का कारण बताते हुए कनु ने कहा, मैंने 2016 में डिस्पैच पर काम करना शुरू किया था, और गहन शोध के बाद हमने पत्रकारिता की दुनिया, खास तौर पर खतरनाक मुंबई अंडरवर्ल्ड से जुड़ी अनकही, चौंका देने वाली कहानियों का खजाना खोजा। हमारा लक्ष्य सिर्फ एक थ्रिलर बनाना नहीं था, बल्कि खोजी पत्रकारिता के दोषपूर्ण, मानवीय पक्ष को उजागर करना था और सुर्खियों के पीछे की कच्ची, कठोर सच्चाई को दिखाना। मनोज बाजपेयी ने कहा, मैंने इस भूमिका के लिए कड़ी तैयारी की है और कनु एक सख्त टास्कमास्टर हैं, जिन्होंने हमें अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए हमारी सहजता से परे जाकर प्रेरित किया है, इसलिए हमें उम्मीद है कि यह फिल्म दर्शकों के दिलों को छूएगी और हमें और बेहतर करने के लिए प्रेरित करेगी। रॉनी स्क्रूवाला की आरएसवीपी मूवीज द्वारा निर्मित डिस्पैच का डेब्यू प्रतिष्ठित मामी फिल्म फेस्टिवल 2024 में हुआ, जिसके बाद 55वें इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया (आईएफएफआई) में इसकी विशेष स्क्रीनिंग की गई। यह इन्वेस्टिगेटिव थ्रिलर फिल्म 13 दिसंबर से जी5 पर स्ट्रीम होना शुरू होगी।

पिता फिरोज की फिल्म 'कुर्बानी' को बनाएंगे फरदीन खान

फरदीन खान बॉलीवुड में लंबे समय से अभिनय कर रहे हैं। बीच में वह ड्रग्स की बुरी आदत का शिकार हुए। अब वह इस आदत को छोड़ चुके हैं। अब वह अपने करियर को दोबारा से ऊंचाइयों पर लेकर जाना चाहते हैं। इस साल वह हीरामंडी और खेल खेल में जैसी फिल्मों में नजर आए। अगले साल उनकी एक फिल्म हाउसफुल 5 आएगी। हाल ही में उन्होंने अपने करियर और फिल्मों को लेकर एक इंटरव्यू दिया। इसमें उन्होंने अपने पिता फिरोज खान की एक हिट फिल्म 'कुर्बानी' को दोबारा बनाने को लेकर भी खुलासा किया। एक इंटरव्यू में फरदीन कहते हैं, 'कुर्बानी बनाने की बात हमेशा से मेरे दिमाग में रही है। हो सकता है कि इसका प्रीक्वल बन जाए या हो सकता है कि सीक्वल बन जाए। स्टार कास्ट को लेकर भी उन्होंने कहा कि कई लोगों लीड रोल के लिए मेरी पहली पसंद हैं लेकिन उनके बारे में अभी कुछ नहीं बता सकता हूं।' आगे इसी इंटरव्यू में वह कहते हैं कि आज के समय के हिसाब से कुर्बानी को बनाना एक चैलेंज है।

संक्षिप्त समाचार

एथर एनर्जी ने ग्राहकों के लिए पहला एथर गोल्ड सर्विस सेंटर लॉन्च करने की घोषणा की

मुंबई, एजेंसी। भारत में इलेक्ट्रिक स्कूटर उद्योग की मुख्य कंपनी, एथर एनर्जी के को-फाउंडर एवं सीईओ, तरुण मेहता ने एक्स पर एक ट्वीट के माध्यम से नए एथर गोल्ड सर्विस सेंटर के लॉन्च की घोषणा की। यह एथर की ओर से अब तक का सबसे उच्च श्रेणी का सर्विस अनुभव है। पहला एथर गोल्ड सर्विस सेंटर नासिक, महाराष्ट्र में खोला गया है।

अपने ट्वीट में तरुण मेहता ने बताया कि एथर हमेशा से सर्विस पर केंद्रित रहा है, और नए एथर गोल्ड सर्विस सेंटर्स के लॉन्च के

साथ वो सर्विस के अनुभव को अपग्रेड कर रहे हैं। इन सेंटर्स में विस्तृत सर्विस प्लेबुक के मार्गदर्शन में अपग्रेडेड और व्यवस्थित सर्विस का अनुभव प्रदान किया जाएगा। एक्सप्रेस केयर द्वारा ग्राहकों के इलेक्ट्रिक स्कूटर की सर्विसिंग एक घंटे में पूरी करके उन्हें उनका वाहन सौंप दिया जाएगा। साथ ही इन सेंटर्स में प्रशिक्षित स्टाफ होगा, जिनका इंटरव्यू एथर की बैंगलुरू टीम द्वारा लिया गया है और उन्हें सॉफ्ट एवं टेक्निकल स्किल्स में प्रशिक्षित किया गया है। एथर गोल्ड सर्विस सेंटर्स में ग्राहकों के लिए एक आरामदायक लाउंज होगा, जहाँ बैठकर वो अपने इलेक्ट्रिक स्कूटर की सर्विसिंग पूरी होने का इंतजार कर सकेंगे। साथ ही यहाँ के इन्फ्रास्ट्रक्चर द्वारा ग्राहकों को वही सुकूनभरा अनुभव प्राप्त होगा, जो एथर के एक्सपीरियंस सेंटर्स में मिलता है।

एजुटेस्ट ने एंड-टू-एंड एन्क्रिप्शन के साथ सफलतापूर्वक सीबीटी परीक्षा की आयोजित

नई दिल्ली एजेंसी। चार दशकों के अनुभव के साथ परीक्षा क्षेत्र में अग्रणी एजुटेस्ट सॉल्यूशंस ने एंड-टू-एंड एन्क्रिप्शन के साथ भारत में पहली बार कंप्यूटर-आधारित परीक्षा (सीबीटी) सफलतापूर्वक आयोजित करके एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। 1.2 लाख उम्मीदवारों के लिए आधुनिक तरीके से निष्पादित इस ग्राउंड-ब्रेकिंग इनोवेशन ने पारंपरिक सीबीटी परीक्षाओं में लंबे समय से चली आ रही चुनौतियों का समाधान किया है और सुरक्षित और विश्वसनीय डिजिटल मूल्यांकन के लिए एक नया बेंचमार्क स्थापित किया है। यह परीक्षा शनिवार से सोमवार तक तीन दिनों में आयोजित की गई थी। परीक्षा को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए एजुटेस्ट ने एक खास सॉफ्टवेयर विकसित किया था जिसमें बिना सॉफ्टवेयर इंस्टॉलेशन, स्वचालित सीट आवंटन और एंड-टू-एंड एन्क्रिप्शन सहित नवीन तकनीकी विशेषताओं का संयोजन शामिल था। एडटेक कंपनी के इस परीक्षा प्लेटफॉर्म को डिवाइस पर सॉफ़्टवेयर इंस्टॉलेशन की आवश्यकता को खत्म करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिससे हैकिंग या अनधिकृत पहुँच का जोखिम काफी कम हो जाता है।

गुजरात की कंपनी ने एक लाख के बना दिए 10 लाख रुपये, धड़ाधड़ लग रहा अपर सर्किट

नईदिल्ली, एजेंसी। इस समय शेयर मार्केट जहां हिचकोले ले रही है, वहीं कुछ पेनी स्टॉक धड़ाधड़ रिटर्न दे रहे हैं। इनमें कई ऐसे हैं जिनमें पिछले कई दिनों से अपर सर्किट लग रहा है। फिर इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि मार्केट ऊपर है या नीचे। इन्हीं में एक पेनी स्टॉक निवेशकों को लगातार मालामाल बना रहा है। आज गुरुवार सुबह 11 बजे जहां शेयर मार्केट में गिरावट रही तो वहीं इस पेनी स्टॉक में 5 फीसदी का अपर सर्किट लग गया।

हम जिस पेनी स्टॉक की बात कर रहे हैं उसका नाम गुजरात कोटेक्स लिमिटेड है। गुजरात की यह कंपनी निवेशकों को लगातार अच्छा रिटर्न दे रही है। इसमें बेहद कम समय में निवेश को कई गुना कर दिया है। यही नहीं, एक लाख के 10 लाख रुपये बनाने में भी इसे बहुत ज्यादा समय नहीं लगा है। गुरुवार को इसमें 5 फीसदी का अपर सर्किट लगा। अभी इस कंपनी के एक शेयर की कीमत 13.68 रुपये है।

6 महीने में दोगुने से ज्यादा कर दिया पैसा: इस शेयर ने निवेशकों की रकम को 6 महीने में दोगुने से ज्यादा कर दिया है। 6 महीने पहले इसके एक शेयर की कीमत मात्र 6.22 रुपये थी। इसने इन 6 महीनों में अब तक 120 फीसदी रिटर्न दिया है। अगर आपने महीने पहले इसके एक लाख रुपये के शेयर खरीदे होते तो इनकी वैल्यू आज 2.20 लाख रुपये होती। यानी आपको मात्र 6 महीने में ही 1.20 लाख रुपये का फायदा हो चुका होता।

एक साल में 300 प्रतिशत से ज्यादा रिटर्न: एक साल के रिटर्न की बात करें तो इसने निवेशकों को खुश कर दिया है। इतने समय में निवेश चार गुने से ज्यादा कर दिया है। एक साल पहले इसके शेयर की कीमत 3.19 रुपये थी। अब 13.68 रुपये है। ऐसे में इसने मात्र एक साल में निवेशकों को करीब 330 फीसदी रिटर्न दिया है।

एक लाख के बना दिए 10 लाख रुपये: इस शेयर ने निवेशकों के एक लाख रुपये को 10 लाख में बदल दिया है। लेकिन इस फायदा उन्हीं निवेशकों को मिला है जिन्होंने इसमें लॉन्ग टर्म में निवेश किया। इसने 5 साल में 891 फीसदी रिटर्न दिया है।

5 साल पहले इसके शेयर की कीमत मात्र 1.38 रुपये थी। एक आपने 5 साल पहले इसमें एक लाख रुपये निवेश किए होते तो आज उन एक लाख रुपये की वैल्यू करीब 10 लाख रुपये (9.91 लाख रुपये) होती। ऐसे में आपको 5 साल में जबरदस्त फायदा हो चुका होता।

क्या है कंपनी का काम: बीएसई की ऑफिशियल वेबसाइट के मुताबिक कंपनी का मार्केट कैप 19.49 करोड़ रुपये है। कंपनी का हेडक्वार्टर दादर एंड नागर हवेली में है, लेकिन कॉर्पोरेट ऑफिस सूरत (गुजरात) में है। यह कंपनी टेक्सटाइल फैब्रिक, पॉलिस्टर यार्न आदि में कारोबार करती है। चालू वित्त वर्ष की सितंबर तिमाही में कंपनी का रेवेन्यू 5.20 करोड़ रुपये था। वहीं जून तिमाही में यह रेवेन्यू 7.13 करोड़ रुपये था।

सितंबर तिमाही में कंपनी के नेट प्रॉफिट में भी कमी आई है। यह 14 लाख रुपये रहा। वहीं जून तिमाही में यह 20 लाख रुपये था। इस विश्लेषण में दिए गए सुझाव व्यक्तिगत विश्लेषकों या ब्रोकिंग कंपनियों के हैं, एनबीटी के नहीं। हम निवेशकों को सलाह देते हैं कि किसी भी निवेश का निर्णय लेने से पहले प्रमाणित विशेषज्ञों से परामर्श कर लें। क्योंकि शेयर बाजार की परिस्थितियां तेजी से बदल सकती हैं।

नए साल में महंगा होगा गाड़ी खरीदना, हुंडई ने किया कीमतों में बढ़ोतरी का ऐलान

नईदिल्ली, एजेंसी। अगर आप नए साल में गाड़ी खरीदने का प्लान बना रहे हैं तो ये खबर आपके लिए है। एचएमआइएल ने ऐलान किया है कि 1 जनवरी 2025 से सभी मॉडल्स की कीमतों में बढ़ोतरी की जाएगी। कंपनी ने बताया कि इस फैसले के पीछे सबसे बड़ी वजह इनपुट कॉस्ट, एक्सचेंज रेट का असर और लॉजिस्टिक्स कॉस्ट में बढ़ोतरी है।

कीमतों में कितनी बढ़ोतरी होगी

कंपनी के वाइस प्रेसिडेंट और सीओओ, तरुण गर्ग ने कहा, हम हमेशा बढ़ती लागत को ग्राहकों तक पहुंचने से रोकने की कोशिश करते हैं लेकिन अब लागत में लगातार वृद्धि होने के कारण, कीमतों में हल्की बढ़ोतरी करना जरूरी हो गया है। कीमतें 25,000 रुपए तक बढ़ सकती हैं। यह बदलाव सभी एमवाय25 मॉडल्स पर लागू होगा। यह बढ़ोतरी 1 जनवरी 2025 से प्रभावी होगी।

पिछली बार कब बढ़ी थी कीमतें

हुंडई मोटर इंडिया ने 2023 में जनवरी और 2024 में अप्रैल में कीमतें बढ़ाई थीं। जनवरी 2023 में, इनपुट लागत में बढ़ोतरी के कारण सभी मॉडल्स की कीमतों में औसतन 1.5 प्रतिशत-2 प्रतिशत तक बढ़ोतरी की गई थी। अप्रैल 2024 में, बीएस6 फेज-टू नॉर्म्स के कारण मॉडल्स में किए गए अपडेट्स के चलते कीमतें बढ़ाई गईं। यह बढ़ोतरी ग्राहकों की बढ़ती मांग और नई सर्विसेज को जोड़ने के बावजूद लागत-संतुलन बनाए रखने के लिए की गई थी। भारत की सबसे पसंदीदा मिड-साइज स्क्वॉ है।

महिन्द्रा युनिवर्सिटी ने एयरोस्पेस और डिजिटल टेक्नोलॉजीज़ में अनुसंधान एवं शिक्षा के लिए

एयरबस के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया

हैदराबाद, एजेंसी। महिन्द्रा युनिवर्सिटी ने वैमानिकी एवं अंतरिक्ष क्षेत्र में विश्व की अग्रणी कंपनी एयरबस के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया है। इस गठबंधन का लक्ष्य दोनों संगठनों की ताकत का इस्तेमाल कर भविष्य के लिए प्रतिभाएं तैयार करने के लिए एयरोस्पेस और डिजिटल टेक्नोलॉजीज़ के क्षेत्र में नवप्रवर्तन, अनुसंधान और शिक्षा को बढ़ावा देना है।

इस साझीदारी के तहत ये संगठन पाठ्यक्रम विकास, उद्योग प्रशिक्षण, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के आदान प्रदान और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस व मशीन लर्निंग (एआई), एडवांस्ड एनालिटिक्स एवं साइबर सुरक्षा सहित डिजिटल टेक्नोलॉजीज़ एवं एयरोस्पेस में गहन अनुसंधान में गठबंधन करेंगे। इस समझौता ज्ञापन से विद्यार्थियों के लिए उन्नत इंटर्नशिप और प्लेसमेंट के अवसर भी बढ़ेंगे और संगोष्ठी एवं कार्यशालाओं जैसे संयुक्त आयोजन सुगम होने के साथ ही एयरस्पेस से जुड़ी परियोजनाओं के लिए अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के साथ जुड़ाव होगा।

महिन्द्रा युनिवर्सिटी के कुलपति डाक्टर यजुलू मेदुरी और एयरबस इंडिया

एवं साउथ एशिया के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री रेमी मेइलार्ड ने महिन्द्रा युनिवर्सिटी के कुलाधिपति श्री आनंद महिन्द्रा की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

महिन्द्रा युनिवर्सिटी के कुलाधिपति श्री आनंद महिन्द्रा ने कहा, हम वास्तव में एयरबस इंडिया के साथ हमारी साझीदारी मजबूत कर सम्मानित महसूस कर रहे हैं। यह गठबंधन एयरोस्पेस और टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में महिन्द्रा समूह ने जिस मूल्य का सृजन किया है, उसकी एयरबस द्वारा पहचान को परिलक्षित करता है। हम इनके विश्वास के लिए एयरबस का धन्यवाद करते हैं और साथ मिलकर भविष्य का निर्माण करने की उम्मीद करते हैं।

महिन्द्रा युनिवर्सिटी के कुलपति डाक्टर यजुलू मेदुरी ने कहा, यह समझौता ज्ञापन उद्योग की जरूरतों के मुताबिक अकादमिक क्षेत्र को ढालने में महिन्द्रा युनिवर्सिटी के लिए एक परिवर्तनकारी कदम है।

बिटकॉइन की कीमतों में रिकॉर्ड उछाल, ट्रंप की जीत का कमाल, एक लाख डॉलर के पार पहुंचा आंकड़ा

नईदिल्ली, एजेंसी। क्रिप्टो करेंसी बिटकॉइन की कीमतों में रिकॉर्ड तेजी देखने को मिल रही है। बिटकॉइन की कीमत एक लाख डॉलर के पार पहुंच गई है। गुरुवार को बिटकॉइन की कीमत में 5.9 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई और यह 1,01,438.9 डॉलर प्रति बिटकॉइन के स्तर पर पहुंच गई है। दरअसल अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप की जीत के चलते निवेशक क्रिप्टो करेंसी में निवेश को लेकर खासे उत्साहित हैं। यही वजह है कि बिटकॉइन की कीमतों में उछाल देखने को मिल रहा है।

डोनाल्ड ट्रंप को क्रिप्टो करेंसी समर्थक माना जाता है। ऐसे में निवेशकों को उम्मीद है कि ट्रंप सरकार में क्रिप्टो के लिहाज से बेहतर रेगुलेटरी माहौल बन सकता है। गौरतलब है कि ट्रंप ने अपनी

सरकार में पॉल एटकिंस को सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन का अध्यक्ष नियुक्त करने का फैसला किया है। एटकिंस को क्रिप्टो करेंसी का बड़ा समर्थक माना जाता है। ये भी एक वजह है कि पॉल एटकिंस की नियुक्ति से क्रिप्टो बाजार उत्साहित है और निवेशकों को उम्मीद है कि अमेरिका में क्रिप्टो करेंसी से संबंधित रेगुलेशन कुछ आसान और बेहतर बनाया जाएगा।

ट्रंप क्रिप्टो एडवाइजरी काउंसिल गठन के प्रस्ताव पर भी विचार कर सकते हैं। यह काउंसिल अमेरिका में क्रिप्टो करेंसी संबंधित नीतियों को आकार देगी। ट्रंप खुद इस क्षेत्र में रुचि रखते हैं। इस साल की शुरुआत में अमेरिका में बिटकॉइन एक्सचेंज ट्रेडेड फंड को मंजूरी दी गई है, उसके बाद भी बिटकॉइन की कीमतों में उछाल देखा जा रहा है।

आने वाले दिनों में और तेजी की उम्मीद

बिटकॉइन की कीमतों में आए दिन तेजी देखने को मिल रही है। यह क्रिप्टो करेंसी अपने निवेशकों को शानदार कमाई करा रही है। जिससे बिटक्वॉइन की मांग बढ़ रही है। आने वाले दिनों में बिटकॉइन में और अधिक तेजी आने की उम्मीद है। फेडरल रिजर्व के चेयरमैन जेरोम पॉवेल ने भी बिटकॉइन की तुलना सोने से की है, जिससे भी बिटकॉइन की मांग बढ़ी है। नवंबर 2024 से अब तक बिटकॉइन की कीमत में लगभग 140 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

इफको-टोकियो की 25वीं वर्षगाँठ

आईआरडीएआई के 2047 तक सबका बीमा विजन के प्रति संकल्प को

IFFCO-TOKIO GENERAL INSURANCE
Muskurate Raho

नई दिल्ली। अग्रणी साधारण बीमा कंपनी इफको-टोकियो जनरल इंश्योरेंस अपनी रजत जयंती मना रही है। इस अवसर पर 25 वर्षों की मजबूत धरोहर और ग्राहक-अनुकूल समाधान की परंपरा के साथ कंपनी ने भारतीय बीमा विनियामक एवं विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) के वर्ष 2047 तक भारत के सभी नागरिकों को बीमित करने के महत्वाकांक्षी लक्ष्य की प्राप्ति में अभिन्न भूमिका निभाने के संकल्प को दोहराया है। वर्ष 2000 में इफको और टोकियो मरीन समूह के बीच साझा उपक्रम के तौर पर स्थापित कंपनी की यात्रा प्रत्येक व्यक्ति, घर-परिवार और व्यवसाय तक बीमा पहुंचाने के अटूट विश्वास एवं समर्पण का पर्याय रही है। ग्राहक-केंद्रित सोच के साथ इफको-टोकियो 2000 में अपनी स्थापना से अब तक एक अग्रणी प्लेयर के तौर स्थापित हो चुकी है। मात्र छह (6) करोड़ रुपये की जीडब्यूपी से लेकर आज कंपनी ग्रामीण क्षेत्रों और छोटे-छोटे कस्बों सहित पूरे भारत में लाखों ग्राहकों को सेवा प्रदान करते हुए 2024 में 10,000 करोड़ रुपये की जीडब्यूपी हासिल कर चुकी है। इसके 34,000 से अधिक एजेंटों का विशाल नेटवर्क प्रत्येक ग्राहक को अद्वितीय सेवा प्रदान करने के प्रति संकल्पित है।

इस अवसर पर बोलते हुए प्रबंध निदेशक एवं सीईओ श्री सुब्रता मोंडल ने कहा, अपनी 25वीं वर्षगाँठ में प्रवेश करते हुए हम आईआरडीएआई के 2047 तक सबका बीमा विजन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हैं।

कोटक म्यूचुअल फंड ने साल 2025 के लिए जारी किया मार्केट आउटलुक

मुंबई, एजेंसी। कोटक महिंद्रा एसेट मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड (केएमएएमसी /कोटक म्यूचुअल फंड) ने साल 2025 के लिए अपनी मार्केट आउटलुक रिपोर्ट जारी की है। कोटक म्यूचुअल फंड ने अपनी इस रिपोर्ट में अगले साल के लिए भारतीय अर्थव्यवस्था और कैपिटल मार्केट की दिशा पर मैक्रोइकोनॉमिक (व्यापक-आर्थिक) अनुमान साझा करते हुए निवेश की अलग अलग थीम के बारे में बताया है, जिन पर निवेशक नजर रख सकते हैं। रिपोर्ट में 5 प्रमुख थीम पर प्रकाश डाला गया है जो 2025 में बाजारों की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण साबित हो सकते हैं।

1. कैपेक्स साइकिल रिवाइवल- भारत पहले से ही एक महत्वपूर्ण मल्टी-ईयर कैपिटल एक्सपेंडिचर (कैपेक्स) साइकिल में है, जिससे आर्थिक विकास (इकोनॉमिक ग्रोथ) को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। अगले साल केंद्र सरकार और लिस्टेड कॉर्पोरेट खर्च बढ़ने का अनुमान है, जबकि राज्य का खर्च पिछड़ सकता है। कई सेक्टर में कॉर्पोरेट ऑर्डर बुक में विस्तार इस साइकिल की व्यापक प्रकृति को उजागर करता है। परियोजनाओं की संख्या पिछली बार 2017 में देखे गए स्तर पर पहुंच गई है। प्राइवेट सेक्टर की अनुमानित लागत दशक के हाई लेवल 55,122 अरब रुपये पर है।

2. फाइनेंशियल सर्विसेज की बढ़ती पहुंच- फाइनेंशियल सर्विसेज (वित्तीय सेवाएं) एक डाइवर्स सेक्टर है, जिसमें सब-कैटेगरीज में अलग-अलग प्रदर्शन देखने को मिलते हैं। बैंक क्रेडिट ग्रोथ और डिपॉजिट ग्रोथ के बीच अंतर कम हो रहा है, जिससे मार्जिन पर दबाव कम होने की उम्मीद है। बैंकिंग सेक्टर में हेल्दी रिटर्न रेश्यो देखने को मिल रहा है।

टेक्नोलॉजी - नए जमाने की सर्विसेज- क्लाउड सर्विसेज में खर्च बढ़ने से आईटी सर्विसेज पर खर्च में सुधार की उम्मीद है। भारत एआई, ब्लॉकचेन और साइबर सिक्योरिटीज जैसी नए जमाने की सर्विसेज में अपनी पेशकश का विस्तार कर रहा है, और खुद को वैश्विक स्तर पर टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में स्थापित कर रहा है। इस सेक्टर के लिए प्रमुख चालकों में से एक जेनरेटिव एआई है। 2022 से 2027ई तक एआई की मांग 15 गुना बढ़ने की उम्मीद है।

कंजम्पशन और रूरल रिवाइवल- भारत के कंजम्पशन सेक्टर ने कोविड 19 के बाद मिला जुला सुधार दिखाया है, जिसमें प्रीमियम प्रोडक्ट अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। जबकि बड़े पैमाने पर कंजम्पशन पिछड़ गया है। शहरी क्षेत्रों ने अब तक रूरल कंजम्पशन से बेहतर प्रदर्शन किया है, हालांकि ग्रामीण इलाकों के खर्च में अब सुधार के संकेत दिख रहे हैं।

मेगन स्कट ने उड़ाई भारत की नींद

पांच विकेट से ऑस्ट्रेलिया ने दी हरमनप्रीत की टीम को मात

ब्रिसबेन (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया ने भारत को पहले वनडे में पांच विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ मेजबानों ने तीन मैचों की वनडे सीरीज में 0-1 से बढ़त बना ली है। अब भारत की नजर दूसरे वनडे पर होगी, जो आठ दिसंबर को ब्रिसबेन में ही खेला जाएगा। बता दें कि, गुरुवार को खेले गए मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने 34.2 ओवर में 10 विकेट पर 100 रन बनाए। जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने 16.2 ओवर में पांच विकेट पर 102 रन बनाए और 202 गेंदों के शेष रहते मैच अपने नाम कर लिया।

ऑस्ट्रेलिया की पारी - लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत शानदार हुई। पहले विकेट के लिए फीबी लिचफील्ड और जॉर्जिया वॉल के बीच 48 रन की साझेदारी हुई। रेणुका सिंह ने सातवें ओवर में फीबी को अपना शिकार बनाया। वह 29 गेंदों में 35 रन बनाकर पवेलियन लौटीं। वहीं, दाएं हाथ की बल्लेबाज जॉर्जिया 46 रन बनाकर नाबाद रहीं। इन दोनों के अलावा मेजबान टीम की कोई भी बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू पाई। एलिस पेरी एक, बेथ मूनी एक, एनाबेल सदरलैंड छह, एश्ले गार्डनर आठ और ताहलिया मैक्ग्रा ने चार रन बनाए। कप्तान मैक्ग्रा नाबाद रहीं। भारत के लिए रेणुका सिंह ने तीन और प्रिया मिश्रा ने दो विकेट चटकाए।

भारत की पारी - इस मैच में भारत का बल्लेबाजी क्रम कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर पाया। टीम को शुरुआती झटके स्कट ने ही दिए। उन्होंने पहले स्मृति मंधाना (8) को बेथ मूनी के हाथों कैच कराया। इसके बाद सातवें ओवर में प्रिया पूनिया को एश्ले गार्डनर से कैच आउट कराया। वह सिर्फ तीन रन ही बना सकीं। इस मुकाबले में जेमिमा रोड्रिग्स ने भारत की तरफ से सर्वाधिक 23 रनों की पारी खेली। उनके अलावा हरलीन देओल ने 19 और कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 17 रन बनाए। ऋचा घोष 14 रन बनाकर आउट हुईं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दीप्ति शर्मा ने एक, साइमा ठाकोर ने चार, तितास साधु ने दो रन बनाए। वहीं, प्रिया मिश्रा अपना खाता भी नहीं खोल पाईं जबकि रेणुका बिना कोई रन बनाए नाबाद रहीं। मेजबानों के लिए स्कट ने पांच विकेट लिए जबकि किम गार्थ, एश्ले गार्डनर, एनाबेल सदरलैंड और एलाना किंग को एक-एक सफलता मिली।

एडिलेड में भारत-आस्ट्रेलिया आज से दूसरा टेस्ट मैच

एडिलेड (एजेंसी)। पहले टेस्ट में बड़ी जीत से उत्साहित भारतीय टीम शुक्रवार से एडिलेड में दूसरे टेस्ट क्रिकेट मैच में अपना विजय अभियान जारी रखते हुए गुलाबी गेंद से अपने रिकॉर्ड में सुधार करने की कोशिश करेगी। इस मैच में कप्तान रोहित शर्मा के बल्लेबाजी क्रम पर भी निगाह टिकी रहेगी और वह मध्यक्रम में उतरेंगे।

हेड टू हेड
कुल टेस्ट - 108
भारत - 33 जीत
ऑस्ट्रेलिया - 45 जीत
ड्रॉ - 29
टाई - एक

पिच रिपोर्ट

एडिलेड ओवल की पिच संतुलित मुकाबले का वादा करती है। परंपरागत रूप से अपनी खुरदरी, चटाई जैसी घास और कम मिट्टी की सामग्री के लिए जानी जाने वाली यह पिच मैच के शुरुआती दौर में तेज गेंदबाजों को सहायता प्रदान करती है जैसे-जैसे खेल आगे बढ़ता है, पिच आमतौर पर सपाट हो जाती है, जिससे बल्लेबाजों को अधिक स्वतंत्र रूप से रन बनाने की अनुमति मिलती है यदि वे टिक सकें।

स्पिन से भी भूमिका निभाने की उम्मीद है, खासकर बाद के चरणों में क्योंकि सूखी सतह टर्न और ग्रिप में सहायक होती है। भारत रोशनी के नीचे की परिस्थितियों का फायदा उठाने के लिए अपने गेंदबाजों पर निर्भर करेगा जबकि यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल के फॉर्म से मजबूत उनके बल्लेबाज ठोस साझेदारी बनाने का लक्ष्य रखेंगे। ऑस्ट्रेलिया मिशेल स्टार्क की अगुआई में अपने दुर्जेय तेज गेंदबाजी आक्रमण और स्पिन विभाग में हमेशा भरोसेमंद नाथन लियोन के साथ परिस्थितियों का अधिकतम लाभ उठाने की कोशिश करेगा।

मौसम - शुक्रवार को दोनों टीमों के लिए बादल छाए रह सकते हैं। 6 दिसंबर को दोपहर 1 बजे एडिलेड टाइम (सुबह 8 बजे आईएसटी) पर आंधी आने की संभावना है। हालांकि टॉस के समय, दोपहर 2 बजे एडिलेड टाइम यानी सुबह 9 बजे आईएसटी तक मौसम साफ होने की उम्मीद है। पांच दिनों (6 दिसंबर से 10 दिसंबर तक) में आंशिक रूप से बादल छाए रह सकते हैं, अधिकतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 13 डिग्री सेल्सियस तक गिर सकता है।

एडिलेड ओवल में टॉस जीतने वाली टीम जीतती है - ऐतिहासिक रूप से एडिलेड ओवल में टॉस जीतने वाली टीमों के लिए मिश्रित परिणाम देखे गए हैं। यहां खेले गए 6 दिन/रात टेस्ट में से टॉस जीतने वाली टीम केवल तीन बार विजयी हुई है। दिलचस्प बात यह है कि पहले बल्लेबाजी करने वाली टीमों ने इस प्रतिष्ठित स्थल पर 6 दिन/रात टेस्ट में से तीन जीते हैं।

पिंक बॉल से टेस्ट में बेहतर प्रदर्शन करने उतरेगा भारत

टीम इस प्रकार हैं

ऑस्ट्रेलिया प्लेइंग 11 - पैट कमिंस (कप्तान), स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी, ट्रैविस हेड, उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, नाथन लियोन, मिच मार्श, नाथन मैकस्वीनी, स्टीव स्मिथ, मिशेल स्टार्क।

भारतीय संभावित 11 - यशस्वी जयसवाल, केएल राहुल, शुबमन गिल, विराट कोहली, रोहित शर्मा (कप्तान), ऋषभ पंत, वाशिंगटन सुंदर, नितीश कुमार रेड्डी, हर्षित राणा, जसप्रित बुमरा, मोहम्मद सिराज

रोहित के बल्लेबाजी क्रम पर रहेगी नजरें - पहले टेस्ट में बड़ी जीत से उत्साहित भारतीय टीम शुक्रवार से यहां शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट क्रिकेट मैच में अपना विजय अभियान जारी रखते हुए गुलाबी गेंद से अपने रिकॉर्ड में सुधार करने की कोशिश करेगी। इस मैच में कप्तान रोहित शर्मा के बल्लेबाजी क्रम पर भी निगाह टिकी रहेगी और वह मध्यक्रम में उतर सकते हैं।

भारतीय टीम प्रबंधन के लिए निजी कारणों से पहले टेस्ट मैच में नहीं खेलने वाले रोहित और चोट से उबर कर वापसी करने वाले शुभमन गिल के लिए बल्लेबाजी क्रम में जगह तय करना आसान नहीं होगा। भारतीय टीम ने पर्थ में पहले टेस्ट मैच में तमाम विपरीत परिस्थितियों के बावजूद शानदार प्रदर्शन करते हुए 295 रन की रिकॉर्ड जीत हासिल करके बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के लिए खेली जा रही पांच मैच की श्रृंखला में शुरुआती बढ़त हासिल की।

यह पहला अवसर नहीं है जबकि भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उसकी धरती पर अच्छा प्रदर्शन किया हो। इससे पहले वह पिछले दो अवसरों पर भी ऑस्ट्रेलिया को उसकी धरती पर श्रृंखला में हरा चुका है। भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के अपने पिछले दौर में एडिलेड में खेले गए दिन रात्रि टेस्ट क्रिकेट मैच में अपनी पहली पारी में 36 रन पर आउट हो गया थी लेकिन इसके बाद उसने अच्छी वापसी करके श्रृंखला जीती थी। इस बार भारतीय टीम पहले मैच में जीत से उत्साह से लबरेज है।

दिन-रात्रि टेस्ट मैच हालांकि भारतीय बल्लेबाजों के सामने अलग तरह की चुनौती पेश करेगा। गुलाबी गेंद से अतिरिक्त सीम मूवमेंट मिलता है और भारतीय बल्लेबाजों को इससे पार पाने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ खेल दिखाना होगा। ऑस्ट्रेलिया का दिन रात्रि टेस्ट मैच में रिकॉर्ड अच्छा रहा है। उसने अभी तक घरेलू धरती पर जो 12 दिन रात्रि टेस्ट मैच खेले हैं उनमें से उसे केवल एक मैच में हार का सामना करना पड़ा लेकिन पहले टेस्ट मैच में करारी शिकस्त झेलने के कारण इस बार उसकी टीम पर दबाव रहेगा।

भारतीय बल्लेबाजी क्रम में बदलाव होना लगभग तय है। अगर कैनबरा में खेले गए अभ्यास मैच को संकेत माने तो फिर रोहित मध्य क्रम में उतर सकते हैं ताकि अच्छी फॉर्म में चल रहे यशस्वी जयसवाल और केएल राहुल पारी का आगाज कर सकें। रोहित ने 2019 से सलामी बल्लेबाज की भूमिका निभानी शुरू की थी जिससे उनके टेस्ट करियर को नई दिशा मिली लेकिन वह टीम हित में यहां महत्वपूर्ण फैसला कर सकते हैं।

रोहित का बल्लेबाजी क्रम कुछ भी हो, वह बड़ा स्कोर बनाने के लिए बेताब होंगे क्योंकि न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू श्रृंखला में वह अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए थे। इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया में भी उनका रिकॉर्ड अच्छा नहीं है और वह इसमें सुधार करना चाहेंगे। रोहित और गिल अंतिम एकादश में देवदत्त पडिक्कल और ध्रुव जुरेल की जगह लेंगे। अंगूठे की चोट से उबर कर वापसी करने वाले गिल अभ्यास मैच में अच्छी लय में दिख रहे थे।

प्रमुख भारतीय क्रिकेटर जो धोनी से नहीं करते बात, एक ने तो हाल ही में किया खुलासा

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट में सबसे सम्मानित हस्तियों में से एक एमएस धोनी का खिलाड़ी और कप्तान दोनों के रूप में शानदार करियर रहा है। अपने शांत स्वभाव और मजबूत नेतृत्व के लिए जाने जाने वाले धोनी के अपने साथियों के साथ रिश्ते आम तौर पर अच्छे रहे हैं, लेकिन यह देखा गया है कि कुछ भारतीय क्रिकेटर पेशेवर मतभेदों के कारण उनसे बात नहीं करते हैं। पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने हाल ही में खुलासा किया कि वह अब धोनी से बात नहीं करते हैं। हरभजन के साथ ही कई अन्य क्रिकेटर भी हैं जो धोनी से बात नहीं करते।

गौतम गंभीर - इस अटकलबाजी से अक्सर जुड़ा एक प्रमुख नाम गौतम गंभीर है। 2007 और 2011 में भारत की विश्व कप जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले विस्फोटक बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज ने कई मौकों पर सार्वजनिक रूप से धोनी की आलोचना की है, खासकर उनकी कप्तानी के आखिरी चरणों के दौरान लिए गए फैसलों को लेकर। गंभीर की तीखी राय ने तनावपूर्ण संबंधों की अटकलों को हवा दी है।

गंभीर के लिए विवाद का एक और मुद्दा यह है कि धोनी को अक्सर भारत की 2011 विश्व कप जीत सुनिश्चित करने वाले प्रतिष्ठित छक्के का श्रेय दिया जाता है। कथित तौर पर इससे गंभीर नाराज हैं, उनका दृढ़ विश्वास है कि जीत व्यक्तिगत प्रतिभा के बजाय सामूहिक टीम प्रयास थी।

गंभीर ने ऑस्ट्रेलिया में 2012 सीबी सीरीज के दौरान धोनी द्वारा शुरू की गई विवादास्पद रोटेशन नीति पर अपनी नाराजगी के बारे में भी आगे रहे हैं। नीति का उद्देश्य ऑस्ट्रेलिया में 2015 विश्व कप के लिए दीर्घकालिक योजना के हिस्से के रूप में रोहित शर्मा सहित युवा प्रतिभाओं के लिए जगह बनाने के लिए गंभीर, वीरेंद्र सहवाग और सचिन तेंदुलकर जैसे वरिष्ठ खिलाड़ियों को रोटेट करना था। गंभीर ने इस दृष्टिकोण

की आलोचना की, क्योंकि इसने टीम के संतुलन को बिगाड़ दिया और अनुभवी खिलाड़ियों को दरकिनार कर दिया।

युवराज सिंह - भारत के सबसे महान ऑलराउंडरों में से एक युवराज सिंह के बारे में भी माना जाता है कि उनका धोनी के साथ मतभेद था। भारत की 2011 विश्व कप जीत में अहम भूमिका निभाने के बावजूद युवराज को लगा कि कैंसर से उबरने के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी के दौरान उन्हें पर्याप्त समर्थन नहीं मिला। पिछले साल रिलीज हुए रणवीर इलाहाबादिया पॉडकास्ट के दौरान युवराज ने खुलासा किया कि धोनी के साथ उनकी दोस्ती मुख्य रूप से क्रिकेट की वजह से थी, क्योंकि उनकी अलग-अलग जीवनशैली का मतलब था कि वे अन्यथा दोस्त नहीं बन सकते थे। उनके तनावपूर्ण संबंधों में महत्वपूर्ण कारक युवराज के पिता योगराज सिंह थे, जो अक्सर सार्वजनिक रूप से धोनी के बारे में अपमानजनक टिप्पणी करते रहते हैं।

हरभजन सिंह - 103 टेस्ट मैचों में 417 विकेट लेकर भारत के सबसे महान ऑफ स्पिनरों में से एक हरभजन सिंह ने धोनी की कप्तानी में अपार सफलता हासिल की, जिसमें 2007 टी20 विश्व कप, 2011 वनडे विश्व कप और आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के साथ उनका कार्यकाल शामिल है। हालांकि हरभजन ने हाल ही में खुलासा किया कि वह 10 साल से धोनी से बात नहीं कर रहे हैं। हालांकि अनुभवी स्पिनर ने अपने मतभेदों के पीछे के कारणों पर गहराई से चर्चा नहीं की, लेकिन उन्होंने उल्लेख किया कि सीएसके के साथ अपने समय के दौरान उनकी बातचीत मैदान तक ही सीमित थी।

पूर्व ऑफ स्पिनर ने यह भी खुलासा किया कि धोनी उनके कॉल का जवाब नहीं देते हैं, जो दोनों के बीच संवाद की कमी का संकेत देता है। उनकी साझा सफलताओं के बावजूद हरभजन की टिप्पणियों से पता चलता है कि पिछले कुछ वर्षों में उनके रिश्ते में दूरियां बढ़ी हैं। इन अटकलों ने सुर्खियां बटोरी हैं, लेकिन यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि इनमें से किसी भी खिलाड़ी ने पूरी तरह से दुश्मनी की पुष्टि नहीं की है और इस तरह की गतिशीलता अक्सर प्रतिस्पर्धी खेलों का हिस्सा होती है।

पंजाब के सलामी बल्लेबाज ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में लगाया सबसे तेज शतक

राजकोट (एजेंसी)। पंजाब के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने गुरुवार को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में मेघालय के खिलाफ रिकार्ड 28 गेंद में शतक जड़ा। इसी के साथ वह विल पटेल के साथ सबसे तेज टी-20 शतक लगाने वाले भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। 143 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पंजाब के लिए हरनूर सिंह के साथ सलामी बल्लेबाज के रूप में मैदान पर उतरे अभिषेक ने आतिशी बल्लेबाजी करते हुए 29 गेंद में नाबाद 106 रन बनाए। उन्होंने अपनी पारी में आठ चौके और 11 छक्के लगाए। पंजाब ने अभिषेक की इस आक्रामक पारी की बदौलत 9.3 ओवर में ही तीन विकेट पर 144 रन बनाकर मुकाबला जीत लिया। पंजाब की यह ग्रुप ए में सात मैचों में से पांचवीं जीत है और नॉकआउट में जाने के लिए उसने इस जीत के साथ अपने नेट रन रेट में भी बढ़ाया है।

28 गेंद में लगाया गया यह शतक अब विश्व में संयुक्त रूप से दूसरा सबसे तेज शतक है। सबसे तेज शतक का रिकॉर्ड इस्तोनिया के साहिल चौहान के नाम है। साहिल चौहान ने इस वर्ष जून में साइप्रस के खिलाफ 27 गेंद में शतक लगाया था। इससे पहले मेघालय ने बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवरों में सात विकेट पर 142 रन का स्कोर खड़ा किया था। मेघालय के अर्पित भटेवरा ने सर्वाधिक (31) रन बनाये। योगेश तिवारी (20), लैरी संगमा (21), जसकीरत सिंह (15), इबितलांग थाबाह (17) और एरियन संगमा (13)रन बनाकर आउट हुए।

मैं हाथ उठाकर बोल सकता हूं बुमराह अभी तीनों फार्मेट में सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज है : रिकी पोंटिंग

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज रिकी पोंटिंग ने पर्थ में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत के लिए शानदार प्रदर्शन के बाद भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की 'सभी प्रारूपों में सर्वश्रेष्ठ तेज गेंदबाज' के रूप में सराहना की है। पिछले हफ्ते बुमराह की कप्तानी में भारत ने पर्थ के मैदान पर खेले गए पहले टेस्ट में 295 रनों की जीत हासिल की थी। बुमराह ने पहली पारी में पांच विकेट लेकर ऑस्ट्रेलिया को 104 रनों पर रोक दिया था। फ्रंट-लाइन पेसर मोहम्मद शमी की अनुपस्थिति में बुमराह ने सिराज, हर्षित राणा और नितीश रेड्डी के साथ शानदार गेंदबाजी की।

बहरहाल, पोंटिंग ने कहा कि कप्तान के लिए खड़ा होना बहुत महत्वपूर्ण होता है। मुझे लगता है कि उसने सभी को दिखाया कि वह खेल के सभी प्रारूपों में स्पष्ट रूप से दुनिया का सर्वश्रेष्ठ तेज गेंदबाज क्यों है। पहले दिन ऑस्ट्रेलिया को फायदा हुआ क्योंकि भारत 150 रन पर आउट हो गया। लेकिन इसके बाद बुमराह ने ऑस्ट्रेलियाई शीर्ष क्रम को तोड़ दिया, जिससे उनका स्कोर 19/3 हो गया, नाथन मैकस्वीनी, उस्मान ख्वाजा और स्टीवन स्मिथ सभी पहले सात ओवरों के अंदर उनके शिकार बन गए।

पोंटिंग ने इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे उन्होंने टेस्ट में खुद को हर दूसरे खिलाड़ी से अलग दिखाया। पोंटिंग ने कहा कि उन्होंने वहां क्या किया, न केवल पहली पारी में बल्कि पूरे खेल में? उनकी गति, उनकी निरंतरता, गेंद को हिलाने की उनकी क्षमता, लगातार स्टंप्स को चुनौती देने और स्टंप्स को हिट करने की उनकी क्षमता, यह उनके और बाकी गेंदबाजों के बीच का अंतर था। जब पोंटिंग से बुमराह के कद के बारे में उनकी राय पूछी गई तो वह भड़क गए। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि वह निश्चित तौर पर भारत के महानतम तेज गेंदबाज हैं। उनसे पहले के कई महान खिलाड़ियों ने तीनों प्रारूपों में उतना नहीं खेला जितना उन्होंने खेला है।

पोंटिंग ने कहा कि मैं अपना हाथ ऊपर उठाकर कह सकता हूं कि टी20 क्रिकेट, वनडे क्रिकेट और टेस्ट मैच क्रिकेट में वह अभी स्पष्ट रूप से सर्वश्रेष्ठ हैं। पोंटिंग ने कहा कि यह सब विकेट के बारे में नहीं है। यह लंबे समय तक उच्च स्तर पर प्रदर्शन करने के बारे में है। हमने दूसरे दिन देखा जब उसे सही परिस्थितियां मिलती हैं, वह कितना अच्छा हो सकता है। उन्होंने कहा कि अगर वह वैसे ही चलते रहे जैसे वह हैं, तो बहुत सारे लोग वही कहेंगे जो ग्लेन मैक्सवेल ने कहा था।

शिखर धवन जन्मदिन विशेष

करियर के आंकड़े और गब्बर नाम के पीछे की कहानी जानें

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत के सलामी बल्लेबाज शिखर धवन आज 5 दिसंबर 2024 को अपना 39वां जन्मदिन मना रहे हैं। 2000 के दशक के अंत में अपने स्टाइलिश स्ट्रोकप्ले और प्रभावशाली प्रदर्शन से प्रमुखता हासिल करने वाले धवन ने जल्द ही भारतीय क्रिकेट टीम में जगह बना ली। 2010 में एक यादगार शुरुआत के बाद उन्होंने 2013 आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में चमक बिखेरी। आइए इस खास अवसर पर स्टार क्रिकेटर के करियर और आंकड़ों पर नजर डालते हैं-

उन्होंने सभी प्रारूपों में 269 मैचों में मेन इन ब्लू का प्रतिनिधित्व किया जिसमें 24 शतकों के साथ 10,867 रन बनाए। धवन ने भारत के साथ 2013 आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी भी जीती। शिखर धवन ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में भी शानदार करियर का लुत्फ उठाया। भारतीय ओपनर ने इस फ्रैंचाइजी टूर्नामेंट में 222 से ज़्यादा मैच खेले हैं जिसमें उन्होंने 35.26 की औसत से 6769 रन बनाए हैं। उन्होंने अपने करियर में 51 अर्धशतक और दो शतक बनाए हैं।

गब्बर नाम कैसे पड़ा - शिखर धवन के

'गब्बर' निकनेम की उत्पत्ति अपने शानदार क्रिकेट करियर में बेहतरीन पारियों की वजह से हुई। उन्होंने निकनेम के पीछे की कहानी का खुलासा किया। एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा, %मैं रणजी ट्रॉफी में खेल रहा था और सिली पॉइंट पर बैठा था। जब दूसरी टीम बड़ी साझेदारी करती है, तो खिलाड़ी नीचे बैठ जाते हैं। जब मैं बैठा होता था, तो मैं चिल्लाता था, 'बहुत याराना है साला' और हर कोई हंसने लगता था। हमारे कोच (विजय) ने यहीं से मेरा नाम गब्बर रख दिया। वहां से यह नाम इतना मशहूर हो गया कि अब दुनिया भर के क्रिकेट प्रशंसक मुझे गब्बर ही कहते हैं।

शिखर धवन का रिटायरमेंट के बाद का जीवन

शिखर धवन ने आखिरी बार दिसंबर 2022 में बांग्लादेश के खिलाफ भारतीय जर्सी पहनी थी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से दो साल की अनुपस्थिति के बाद धवन ने आधिकारिक तौर पर 2024 में अपने रिटायरमेंट की घोषणा की। संन्यास के बाद वह कई गतिविधियों में शामिल रहे हैं। वह लीजेंड्स क्रिकेट लीग (एलएलसी) में शामिल हुए जहां उन्होंने गुजरात ग्रेट्स का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने हाल ही में नेपाल प्रीमियर लीग में कर्णाली याक्स स्टार के रूप में अपनी शुरुआत की।

क्रिकेट के अलावा शिखर धवन वन ग्रुप के साथ व्यावसाय में शामिल हैं। वह साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स नामक दिल्ली प्रीमियर लीग टीम के मालिक हैं। धवन ने फिटनेस सेंटर, स्पोर्ट्स इक्विपमेंट लाइन और वेलनेस ब्रांड की एक श्रृंखला में निवेश किया है। वह भविष्य में कमेंट्री पर भी विचार कर रहे हैं।

भानु पनिया की तूफानी पारी से बड़ौदा ने रचा इतिहास, बनाए 349 रन

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में बनाया सबसे बड़ा स्कोर, ठोके 51 गेंद में नाबाद 134 रन

बड़ौदी (एजेंसी)। बड़ौदा ने गुरुवार को टी20 क्रिकेट में सर्वोच्च टीम स्कोर बनाते हुए इतिहास रच दिया है। इंदौर में सिक्किम के खिलाफ 20 ओवर में 5 विकेट पर 349 रन बनाते हुए बड़ौदा सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में 300 से अधिक स्कोर बनाने वाली पहली टीम बन गई। जिम्बाब्वे ने इस प्रारूप में सर्वोच्च टीम स्कोर का रिकॉर्ड बनाया, जब उसने इस साल अक्टूबर में गाम्बिया के खिलाफ 344 रन बनाए थे। पिछले सीजन के उप-विजेता बल्लेबाज भानु पनिया ने मात्र 42 गेंदों पर शतक पूरा किया जबकि कुल 51 गेंदें खेलते हुए 134 रन बनाकर नाबाद रहे। अभिमन्यु सिंह, विष्णु सोलंकी और शिवालिक शर्मा ने भी अर्धशतक जड़े। टूर्नामेंट में पहले राउंड में खेलने वाले भारतीय ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या को शुरुआती लाइनअप में शामिल नहीं किया गया। टूर्नामेंट में पिछला सर्वोच्च टीम स्कोर पंजाब के नाम था, जिसने पिछले संस्करण में आंध्र के खिलाफ 275 रन बनाए थे।

टी20 क्रिकेट में सर्वोच्च टीम स्कोर

बड़ौदा 349/5 बनाम सिक्किम - 2024
जिम्बाब्वे 344/4 बनाम गाम्बिया - 2024
नेपाल 314/3 बनाम मंगोलिया - 2023
भारत 297/6 बनाम बांग्लादेश - 2024

जूनियर एशिया कप 2024

भारत के नाम, अराइजीत हुंदल के 4 गोल, पाकिस्तान फाइनल में हारा

मस्कट (एजेंसी)। अराइजीत सिंह हुंदल के चार गोल की मदद से गत चैंपियन भारत ने पुरुष जूनियर एशिया कप के फाइनल में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 5-3 से हराकर खिताब की हैट्रिक बनाई। यह महाद्वीपीय टूर्नामेंट में भारत का 5वां खिताब है। इससे पहले भारत ने 2004, 2008, 2015 और 2023 में यह खिताब जीता था। कोविड-19 महामारी के कारण यह टूर्नामेंट 2021 में आयोजित नहीं किया गया। हुंदल ने चौथे, 18वें और 54वें मिनट में 3 पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदला और 47वें मिनट में मैदानी गोल दागा। भारत के लिए एक अन्य गोल दिलराज सिंह (19वें मिनट) ने किया। पाकिस्तान के लिए सूफियान खान (30वें और 39वें मिनट) ने 2 पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदला जबकि हन्नान शाहिद ने तीसरे मिनट में मैदानी गोल किया। इससे पहले जापान ने मलेशिया को 2-1 से हराकर तीसरा स्थान हासिल किया। पाकिस्तान ने मुकाबले की अच्छी शुरुआत की और तीसरे मिनट में ही शाहिद के मैदानी गोल से बढ़त बना ली।

संक्षिप्त खबरें

फ्रांस के प्रधानमंत्री के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव स्वीकार, सरकार गिरी

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस में फ्रांस अनबोड पार्टी की ओर से प्रधानमंत्री मिशेल बार्नियर के खिलाफ पेश अविश्वास प्रस्ताव को अधिकतर सांसदों का समर्थन प्राप्त होने के बाद सरकार गिर गयी। स्थानीय मीडिया की बुधवार को यह जानकारी दी। मीडिया की ओर से जारी रिपोर्ट के अनुसार, कुल 331 प्रतिनिधियों ने अविश्वास प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया, जबकि इसे स्वीकृत माने जाने के लिए करीब 288 मतों की आवश्यकता थी।

सीरिया की सेना ने पिछले दिन 120 आतंकवादियों को मार गिराया: रूसी सेना

मास्को, एजेंसी। सीरिया के सशस्त्र बलों ने रूस के सशस्त्र बलों की सहायता से पिछले दिन 120 आतंकवादियों को मार गिराया और 24 वाहनों को नष्ट कर दिया। रूसी सशस्त्र बलों के मुख्य सैन्य राजनीतिक निदेशालय के उप प्रमुख ओलेग इग्नास्युक ने बुधवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा है, सीरिया और रूस की सेना ने पिछले दिन, सभा स्थलों, चौकियों, आतंकवादी ठिकानों पर मिसाइल और बम हमले किये। इसमें 120 आतंकवादी मारे गये और 24 वाहन, एक टैंक तथा एक गोला-बारूद डिपो नष्ट कर दिया गया।

ईरान में लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त, दो पायलट की मौत

तेहरान (ईरान), एजेंसी। ईरान का एक लड़ाकू विमान बुधवार को देश के दक्षिणी हिस्से में दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें दो पायलटों की मौत हो गई। सरकारी मीडिया ने यह जानकारी दी। सरकारी टेलीविजन ने पायलटों की पहचान कर्नल हामिद रजा रंजबार और कर्नल मनौचेहर पीरजादे के रूप में की है। उसने बताया कि विमान की मरम्मत के बाद पायलट परीक्षण उड़ान पर थे। यह दुर्घटना राजधानी तेहरान से लगभग 770 किलोमीटर दक्षिण में फिरोजाबाद शहर के पास हुई। रिपोर्ट में विमान के प्रकार या दुर्घटना के कारण के बारे में विस्तार से नहीं बताया गया। ईरान की वायु सेना के पास 1979 की इस्लामी क्रांति से पहले खरीदे गए अमेरिका निर्मित कई सैन्य विमान हैं। टॉमकैट एफ-14 अमेरिका निर्मित विमान है, ईरान के पास रूस निर्मित मिग और सुखोई विमान भी हैं। दशकों से पश्चिमी प्रतिबंधों के कारण देश को विमान के स्पेयर पार्ट्स (खराब हुए पुर्जों की जगह नए पुर्जे) प्राप्त करना और पुराने विमानों का रखरखाव करना मुश्किल हो रहा है।

कम से कम आठ अमेरिकी दूरसंचार कंपनियां, कई देश चीन के हैकिंग अभियान से प्रभावित: व्हाइट हाउस

वाशिंगटन। कम से कम आठ अमेरिकी दूरसंचार कंपनियां और कई देश चीन के हैकिंग अभियान से प्रभावित हुए हैं। व्हाइट हाउस (अमेरिकी राष्ट्रपति का आधिकारिक आवास एवं कार्यालय) के एक शीर्ष अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ऐनी न्यूबर्गर ने व्यापक चीनी हैकिंग अभियान के बारे में नए विवरण पेश किए। विवरण के अनुसार, चीन के इस हैकिंग अभियान के कारण बीजिंग में अधिकारियों को अज्ञात संख्या में अमेरिकियों के निजी संदेशों और फोन पर होने वाली बातचीत तक पहुंच प्राप्त हुई थी। न्यूबर्गर ने हैकिंग के इस मामले का खुलासा संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) और साइबर सुरक्षा एवं अवसंरचना सुरक्षा एजेंसी द्वारा हैकिंग और उससे जुड़े लोगों को जड़ से उखाड़ने तथा भविष्य में इसी प्रकार की साइबर जासूसी को रोकने के लिए दिशानिर्देश जारी करने के एक दिन बाद किया। व्हाइट हाउस के अधिकारियों ने आगाह किया कि प्रभावित दूरसंचार कंपनियों और देशों की संख्या अभी बढ़ सकती है।

अमेरिकी सांसदों ने प्रति देश परिवार-आधारित आव्रजन सीमा बढ़ाने के लिए विधेयक पेश किया

वाशिंगटन,। अमेरिका में डेमोक्रेटिक पार्टी के दो सीनेटरों ने बुधवार को एक विधेयक पेश किया जिसका उद्देश्य अप्रवासी परिवारों को फिर से एकजुट करना तथा प्रति देश परिवार-आधारित आव्रजन सीमा को बढ़ाना है, जिससे भारत और चीन जैसे एकल देश में जाने के लिए अधिक वीजा की अनुमति मिल सके। सीनेट न्यायिक समिति की सदस्य सीनेटर माजी के. हिरोनो और टैमी डकवर्थ द्वारा प्रस्तुत रियूनाइटिंग फैमिलीज एक्ट देश की आव्रजन प्रणाली में परिवारों को एकजुट करेगा, परिवार आधारित आव्रजन संबंधी लंबित मामलों को कम करेगा तथा कानूनों को अद्यतन करेगा, ताकि यह पता चल सके कि परिवार किस प्रकार अमेरिका में प्रवास करते हैं। विधेयक में सीनेटर हिरोनो का फिलिपीनो वेटेरन्स फैमिली रीयूनिफिकेशन एक्ट भी शामिल है।

अफगानिस्तान की अर्थव्यवस्था में वृद्धि के मामूली संकेत, लेकिन सुधार अब भी मुश्किल : विश्व बैंक

प्रात: किरण/ एजेंसी

काबुल। विश्व बैंक ने कहा है कि दो वर्षों के गंभीर संकुचन के बाद अफगानिस्तान की अर्थव्यवस्था में वृद्धि के मामूली संकेत दिख रहे हैं, लेकिन सुधार अब भी मुश्किल है। वित्तीय संस्था ने बुधवार देर रात दी अद्यतन जानकारी में बताया, सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की 2.7 प्रतिशत की मामूली वृद्धि निजी खपत की वजह से है। आंशिक सुधार खाद्य कीमतों में गिरावट के साथ धीरे-धीरे घरेलू कल्याण में सुधार करने में मदद करता है। अफगानिस्तान की अर्थव्यवस्था अगस्त 2021 में तालिबान के सत्ता में लौटने से पहले काफी हद तक विदेशी सहायता पर निर्भर थी और भ्रष्टाचार व्याप्त था। तालिबान के सत्ता की बागडोर अपने हाथ में लेने के बाद अर्थव्यवस्था चरमरा गई क्योंकि अरबों डॉलर के अंतरराष्ट्रीय कोष फ्रीज हो गए। बड़ी संख्या में कौशल वाले अफगानिस्तान के नागरिक देश छोड़कर भाग गए और अपना पैसा अपने साथ ले गए। अफगानिस्तान के लिए विश्व बैंक के कंट्री डायरेक्टर फारिस हदाद-जर्वोस ने कहा कि दीर्घकालिक वृद्धि संभावनाओं के लिए घरेलू निजी क्षेत्र की पर्याप्त क्षमता का दोहन करना और समग्र कारोबारी माहौल में सुधार करना आवश्यक है। हदाद-जर्वोस ने कहा, इसके लिए निवेश बढ़ाना, छोटे व्यवसायों को वित्त तक पहुंच प्रदान करना और शिक्षित तथा कुशल महिला उद्यमियों को समर्थन देना जरूरी है, ताकि उनके व्यवसाय फल-फूल सकें। उन्होंने कहा, इसके बिना देश में लंबे समय तक स्थिरता का जोखिम बना रहेगा और सतत विकास की संभावनाएं सीमित रहेंगी। तालिबान के शैक्षणिक संस्थानों को महिलाओं तथा लड़कियों को चिकित्सकीय प्रशिक्षण देना बंद करने का आदेश देने संबंधी मीडिया खबरों के कुछ दिन बाद विश्व बैंक की यह रिपोर्ट आई है। हालांकि तालिबान ने न तो आदेश की पुष्टि की है और न ही खबरों पर कोई प्रतिक्रिया दी है। संयुक्त राष्ट्र की बच्चों के लिए काम करने वाली एजेंसी यूनिसेफ की प्रमुख ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह कथित प्रतिबंधों से बहुत चिंतित हैं। यूनिसेफ की कार्यकारी निदेशक कैथरीन रसेल ने कहा कि यूनिसेफ इन भिन्न-भिन्न विवरणों की सत्यता का पता लगा रहा है तथा इस मुद्दे के समाधान के लिए प्रयासों का स्वागत करता है। यदि इस प्रतिबंध की पुष्टि हो जाती है, तो हजारों महिलाओं की चिकित्सा शिक्षा तत्काल रुक जाएगी। महिलाओं तथा लड़कियों की स्वास्थ्य देखभाल तक पहुंच खतरे में पड़ जाएगी। उन्होंने आगाह करते हुए कहा, इससे न केवल महिलाओं की समाज में योगदान देने और आय अर्जित करने की क्षमता सीमित हो जाएगी, बल्कि अफगानिस्तान की आबादी के स्वास्थ्य पर भी इसके दूरगामी परिणाम होंगे। लोगों का जीवन भी खतरे में आ जाएगा।

ट्रंप ने पूर्व सहयोगी पीटर नवारो को ट्रेड एडवाइजर किया नियुक्त

समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार हार्वर्ड से प्रशिक्षित अर्थशास्त्री नवारो ने ट्रंप के पहले प्रशासन में काम किया था, जहां उन्होंने नव निर्मित राष्ट्रीय व्यापार परिषद और फिर व्हाइट हाउस ऑफिस ऑफ ट्रेड एंड मैन्युफैक्चरिंग पॉलिसी का संचालन किया था। ट्रंप ने बुधवार को अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर कहा, मेरे पहले कार्यकाल के दौरान, मेरे दो पवित्र नियमों, बाय अमेरिकन, हायर अमेरिकन को लागू करने में पीटर से अधिक प्रभावी या दृढ़ निश्चयी कोई नहीं था।

प्रात: किरण/ एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की है कि उनके पूर्व सहयोगी पीटर नवारो उनके शासन में व्यापार एवं विनिर्माण के लिए वरिष्ठ सलाहकार के रूप में काम करेंगे। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार हार्वर्ड से प्रशिक्षित अर्थशास्त्री नवारो ने ट्रंप के पहले प्रशासन में काम किया था, जहां उन्होंने नव निर्मित राष्ट्रीय व्यापार परिषद और फिर व्हाइट हाउस ऑफिस ऑफ ट्रेड एंड मैन्युफैक्चरिंग पॉलिसी का संचालन किया था। ट्रंप ने बुधवार को अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर कहा, मेरे पहले कार्यकाल के दौरान, मेरे दो पवित्र नियमों, बाय अमेरिकन, हायर अमेरिकन को लागू करने में पीटर से अधिक प्रभावी या दृढ़ निश्चयी कोई नहीं था। नवनिर्वाचित राष्ट्रपति के कट्टर सहयोगी नवारो को चार महीने की जेल की सजा सुनाई गई थी, जब एक संघीय जूरी ने उन्हें 6 जनवरी, 2021 को यूएस कैपिटल (संसद परिसर) हमले की जांच करने वाली कांग्रेस समिति द्वारा जारी किए गए सम्मन का पालन करने में विफल रहने का दोषी पाया था। जुलाई में रिहा होने के तुरंत बाद, उन्होंने रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन में भाषण दिया था। ट्रंप ने अपनी घोषणा में कहा था कि नवारो के साथ डीप स्टेट, या जो भी आप इसे कहना चाहें, द्वारा बहुत बुरा व्यवहार किया गया। बुधवार को, ट्रंप ने घोषणा की कि एडम बोहलर, वर्तमान में हेल्थकेयर निवेश फर्म रूबिकॉन फाउंडर्स के सीईओ, बंधक मामलों के लिए उनके विशेष दूत होंगे। ट्रंप ने दो निजी अंतरिक्ष उड़ानों का नेतृत्व करने वाले शिफ्ट4 के सीईओ जेरेड इसाकमैन को नेशनल एयरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (नासा) के अगले प्रशासक के रूप में और अमेरिकी सेना के अनुभवी और उद्यम पूंजीपति डैनियल पी. ड्रिस्कॉल को सेना सचिव के रूप में नामित किया है।

दक्षिण कोरिया मार्शल लॉ विवाद : रक्षा मंत्री का इस्तीफा स्वीकार, रिटायर्ड आर्मी जनरल लेंगे उनकी जगह

प्रात: किरण/ एजेंसी

सोल। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सूक योल ने रक्षा मंत्री किम योंग-ह्यून का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। राष्ट्रपति कार्यालय ने गुरुवार को यह जानकारी दी। देश में मार्शल लॉ लागू होने में उनकी कथित भूमिका को लेकर बढ़ते विवाद के बीच यह इस्तीफा हुआ है।बता दें राष्ट्रपति यून सुक-योल ने देश में मंगलवार रात मॉर्शल लॉ लगाने की घोषणा की थी। हालांकि बुधवार सुबह उन्हें अपना फैसला पलटना पड़ा। मार्शल लॉ कुछ ही घंटे तक लागू रहा। आरोप है कि किम ने कथित तौर पर मार्शल लॉ घोषित करने का प्रस्ताव रखा था। उनके इस्तीफे की मांग विपक्षी ही नहीं बल्कि सत्तारूढ़ पार्टी की तरफ से भी गई।

यून के चीफ ऑफ स्टाफ चुंग जिन-सुक ने एक प्रेस ब्रीफिंग में बताया कि राष्ट्रपति ने किम के उत्तराधिकारी के रूप में चोई ब्युंग-हुक को नामित किया, जो एक रिटायर्ड फोर स्टार आर्मी जनरल हैं और वर्तमान में सऊदी अरब में दक्षिण कोरिया के राजदूत के रूप में कार्यरत हैं।

इससे पहले दक्षिण कोरिया के रक्षा मंत्री किम योंग-ह्यून ने बुधवार को माफी मांगी और इस्तीफे की पेशकश की। किम ने एक बयान में कहा, मैंने इमरजेंसी मार्शल लॉ की वजह से पैदा हुई उथल-पुथल की जिम्मेदारी लेते हुए राष्ट्रपति को अपना इस्तीफा सौंप दिया है। यून की मार्शल लॉ की घोषणा का न सिर्फ विपक्षी पार्टियों ने बल्कि उनकी अपनी सत्ताधारी दल पीपुल्स पावर पार्टी (पीपीपी) ने भी विरोध किया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक राष्ट्रपति यून सुक-योल पीपुल्स पावर की लोकप्रियता रेटिंग लगातार कम हो रही है। उनकी पत्नी भी कुछ कथित घोटालों और विवादों से जुड़ी रही हैं।

'एमनेस्टी इंटरनेशनल' ने गाजा में फलस्तीनियों के खिलाफ नरसंहार का आरोप लगाया, इजराइल का इनकार

प्रात: किरण/ एजेंसी

काहिरा। मानवाधिकारों के लिए काम करने वाली अंतरराष्ट्रीय स्वयंसेवी संस्था ह्यएमनेस्टी इंटरनेशनलह्ल ने इजराइल पर हमास के साथ युद्ध के दौरान गाजा पट्टी में नरसंहार करने का आरोप लगाया है, हालांकि इजराइल ने इन आरोपों से इनकार किया है। एमनेस्टी इंटरनेशनल ने कहा है कि इजराइल ने घातक हमले करके महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचों को नष्ट किया है तथा भोजन, दवा और अन्य आवश्यक सहायता की आपूर्ति को रोककर जानबूझकर फलस्तीनियों को तबाह करने की कोशिश की है।

मानवाधिकार समूह ने बृहस्पतिवार को पश्चिम एशिया के संदर्भ में एक रिपोर्ट जारी की जिसमें कहा गया कि इस तरह की कार्रवाइयों को सात अक्टूबर, 2023 को इजराइल पर हमास के हमले या नागरिक क्षेत्रों में आतंकवादियों की मौजूदगी की दलील देकर उचित नहीं ठहराया जा सकता। इजराइल पर हमास के हमले के कारण युद्ध भड़क उठा।एमनेस्टी इंटरनेशनल ने अमेरिका एवं सहयोगियों से इजराइल को हथियारों की खेप की आपूर्ति रोकने का आह्वान किया।एमनेस्टी इंटरनेशनल की महासचिव एग्नेस कैलामार्ड ने रिपोर्ट में कहा, हमारे निष्कर्ष अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए चेतावनी हैं। यह नरसंहार है। इसे अब रोकना होगा। इजराइल ने अपने खिलाफ नरसंहार के आरोपों को दृढ़ता से खारिज कर दिया है।इजराइल ने ऐसे आरोपों को अंतरराष्ट्रीय न्यायालय में चुनौती दी है और इसने अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय के उन आरोपों को खारिज कर दिया है कि प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और उनके पूर्व रक्षा मंत्री ने गाजा में युद्ध अपराध किए थे। इजराइल के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, निंदनीय और कट्टरपंथी संगठन एमनेस्टी इंटरनेशनल ने एक बार फिर एक मनगढ़ंत रिपोर्ट पेश की है जो पूरी तरह से गलत और झूठ पर आधारित है।इजराइल ने हमास पर युद्ध को भड़काने वाले हमले में नरसंहार करने का आरोप लगाया और कहा कि वह अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुसार खुद का बचाव कर रहा है।

सीरिया में रूसी नौसैनिक अड्डे पर कब्जा कर सकते हैं HTS विद्रोही

पुतिन ने तेज की मिसाइलों की बारिश, युद्धपोत हटा रहे

प्रात: किरण/ एजेंसी

दमिश्क। यूक्रेन के बाद अब सीरिया में रूसी सेना को जोरदार लड़ाई में लड़ना पड़ रहा है। अलेप्पो पर कब्जा करने के बाद हयात तहरीर अल शाम यानि एचटीएस के विद्रोही रणनीतिक शहर हामा की ओर बढ़ रहे हैं। इसके बाद एचटीएस विद्रोहियों के निशाने पर टार्टस है जहां पर रूस की सेना ने अपना नौसैनिक अड्डा बना रखा है। इस बड़े खतरे को देखते हुए अब रूसी सेना ने सीरिया के अंदर से ही इस नौसैनिक बेस से मिसाइलों की बारिश शुरू कर दी है। वहीं सीरिया की सेना भी विद्रोहियों को पीछे ढकेलने के लिए जवाबी हमले कर रही है। तुर्की समर्थित विद्रोही कभी भी खमेइमिम एयरबेस पर कब्जा कर सकते हैं। इस एयरबेस को साल 2015 में सीरिया के राष्ट्रपति बशर अल असद ने रूस को दे दिया था।

इसके बाद सीरिया के गृहयुद्ध में असद सरकार को रूस की मदद से बढ़त मिल गई थी। हामा सीरिया का चौथा सबसे बड़ा शहर है। बुधवार को रूसी सेना ने जोरदार हवाई हमला बोला और इसके बाद सीरिया की सेना ने विद्रोहियों को 10 किमी पीछे ढकेल दिया। सीरिया की राजधानी दमिश्क की सुरक्षा के लिए हामा पर असद सेना का कब्जा जरूरी है। यही नहीं हामा ही तटीय शहरों टार्टस और लटाकिया का प्रवेश द्वार है। हामा में रूसी सेना का नौसैनिक बेस मौजूद है। एचटीएस के अलावा इस लड़ाई में उसे तुर्की के समर्थन वाले सीरियाई मलिशिया सीरियन नेशनल आर्मी का भी साथ मिला हुआ है।

- यूक्रेन के बाद अब सीरिया में रूसी सेना को जोरदार लड़ाई में लड़ना पड़ रहा है
- हयात तहरीर अल शाम के विद्रोही रणनीतिक शहर हामा की ओर बढ़ रहे हैं
- एचटीएस के निशाने पर टार्टस है जहां पर रूस की सेना ने अड्डा बना रखा है

रूस के लिए क्यों अहम है सीरियाई नेवल बेस: इस बीच संयुक्त राष्ट्र के विशेष दूत गैर पेडेर्सन ने कहा कि हजारों की तादाद में आम नागरिक इस लड़ाई की वजह से विस्थापित हुए हैं। रूसी नौसेना के इस बेस पर जब से खतरा मंडराया है, रूस ऐक्शन में आ गया है। उसने बचाव के कदम के तहत अपने 5 युद्धपोतों और एक किलो क्लास की सबमरीन को यहां से निकाल लिया है। दो दिसंबर को टार्टस से येलन्या युद्धपोत रवाना हुआ। इस हमले के बाद पुतिन के करीबी राष्ट्रपति असद बैकफुट पर हैं। वहीं वद्रिोहियों की नजर अब राजधानी दमिश्क पर है।

विश्लेषकों का कहना है कि अगर रूस सीरिया से अपने युद्धपोतों को हटा रहा है तो इसका मतलब है कि वह सीरियाई सरकार की ज्यादा मदद नहीं कर पाएगा। उन्होंने कहा कि सीरिया में खराब होते हालात की वजह से रूस को यह कदम उठाने के लिए मजबूर होना पड़ा है। टार्टस नेवल बेस रूस के लिए बहुत अहम था। रूसी सेना इस नेवल बेस पर साल 1971 से अपना कब्जा बनाए हुए है। साल 2012 में सीरिया में गृहयुद्ध शुरू होने के बाद इस नेवल बेस का महत्व काफी बढ़ गया। यह रूस का वदिेश में सबसे बड़ा नौसेनिक बेस है। यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद नाटो को जवाब देने के लिए भी रूस इस नेवल बेस का इस्तेमाल कर रहा था।

अमेरिका के अधिकतर ग्रामीण अस्पतालों में प्रसूति वार्ड बंद: अध्ययन

प्रात: किरण/ एजेंसी

न्यूयॉर्क। यूएस के ग्रामीण इलाकों में 2010 से अब तक 500 से अधिक अस्पतालों के प्रसूति विभाग बंद कर दिए गए हैं। जिससे अमेरिका के अधिकांश ग्रामीण अस्पताल और एक तिहाई से अधिक शहरी अस्पतालों में गर्भवती महिलाओं को समुचित देखभाल नहीं मिल पा रही है। यह पाया गया कि लगभग 130 अस्पतालों में नई इकाइयां खुलने की वजह से भी ये बंद हुए हैं। एक प्रमुख चिकित्सा पत्रिका जेएएमए में बुधवार को प्रकाशित अध्ययन में ये बात सामने आई है।समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, उस अवधि में मातृ मृत्यु दर लगातार उच्च बनी रही और महामारी के दौरान इसमें और वृद्धि हुई। इसका डेटा केवल 2022 तक का है, इसलिए अध्ययन में उन अतिरिक्त चुनौतियों को शामिल नहीं किया गया है जिनका सामना अस्पतालों ने उस वर्ष रो बनाम वेड मामले को पलटने के बाद किया था और कई राज्यों ने गर्भपात पर प्रतिबंध लगा दिया था। गर्भपात पर प्रतिबंध लगाने वाले राज्यों में प्रसूति विशेषज्ञों की तादाद में भी भारी गिरावट आई है। शोधकर्ताओं ने कहा कि अस्पताल अपनी प्रसूति इकाइयों को आंशिक रूप से इसलिए बंद कर रहे हैं क्योंकि उन विभागों को पैसे का नुकसान होता है। मेडिकेड, गरीबों के लिए सार्वजनिक बीमा कार्यक्रम, संयुक्त राज्य अमेरिका में सभी जन्मों में से 40 प्रतिशत से अधिक को कवर करता है और आमतौर पर डॉक्टरों और अस्पतालों को निजी बीमा की तुलना में बहुत कम भुगतान करता है। न्यूयॉर्क टाइम्स ने अध्ययन के बारे में अपनी रिपोर्ट में कहा, अस्पताल प्रशासक अक्सर प्रत्येक बिस्तर से मिलने वाले राजस्व पर विचार करते हैं, जिससे अधिक महंगी सेवाओं के पक्ष में दबाव बनता है। प्रसव और प्रसव इकाई चलाना असाधारण रूप से महंगा हो सकता है क्योंकि इसके लिए चौबीसों घंटे विशेषज्ञों की कवरेज की आवश्यकता होती है जो सिजेरियन सेक्शन या अन्य चिकित्सा आपात स्थितियों में सहायता कर सकते हैं।

गृहयुद्ध | सीरियाई राष्ट्रपति असद ने विद्रोहियों के हमले के लिए अमेरिका और अन्य पश्चिमी देशों को दोषी ठहराया है।

सीरिया में फिर क्यों शुरू हुआ गृहयुद्ध, हमास-हिजबुल्ला के साथ इस्राइली जंग से क्या संबंध?

नई दिल्ली, एजेंसी

सीरिया में विद्रोही गुटों ने अचानक हमला करके चौंका दिया। इन विद्रोहियों ने देश के दूसरे सबसे बड़े शहर अलप्पो से सेना को खदेड़ दिया है। इससे देश में 13 साल से चल रहे गृहयुद्ध में एक नया दौर शुरू हो गया है, जिसके बारे में कहा जा रहा था कि यह खत्म हो गया है। जानकारों ने सीरिया की ताजा स्थिति को हमास-हिजबुल्ला के साथ 14 महीने से जारी इस्राइली जंग से जोड़ा है।

सीरिया फिर गृह युद्ध में फंस गया है। यहां राष्ट्रपति बशर अल-असद के खिलाफ विद्रोही गुटों ने जंग छेड़ दी है। यह 2016 के बाद सबसे बड़ा हमला है। बीते हफ्ते कट्टरपंथी संगठन हयात तहरीर अल-शाम (एचटीएस) और अन्य गुटों ने अलप्पो, इदलिब और हामा शहरों का रुख किया, जिससे संघर्ष बढ़ गया। हिंसक टकराव में सैकड़ों आम नागरिक हताहत हुए हैं, हजारों लोग विस्थापित होने के लिए मजबूर हुए हैं और अहम बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा है। सीरिया में जारी संघर्ष का असर इसकी सीमा से परे भी है जिसमें अमेरिका, इस्राइल, ईरान और तुर्किये सहित अन्य बाहरी पक्ष भी शामिल हैं। सीरियाई राष्ट्रपति असद ने विद्रोहियों के हमले के लिए अमेरिका और अन्य पश्चिमी देशों को दोषी ठहराया है। नए संघर्ष ने पश्चिम एशिया में एक और हिंसक मोर्चे के खुलने की आशंका को बढ़ा दिया है, वह भी ऐसे समय में जब अमेरिका समर्थित इस्राइल, गाजा में हमास और लेबनान में हिजबुल्ला से लड़ रहा है।

पहले जानते हैं कि सीरिया में क्या हो रहा है?

कट्टरपंथी समूह हयात तहरीर अल-शाम ने पिछले हफ्ते सीरिया में अचानक और सफल आक्रमण करके चौंका दिया। हयात तहरीर अल-शाम या एचटीएस लंबे समय से देश का सबसे मजबूत विद्रोही गुट माना जाता रहा है। इन विद्रोहियों ने 26 नवंबर को अचानक अलप्पो के उत्तर और उत्तर-पश्चिम के इलाकों से हमला किया। वहीं 29-30 नवंबर को वे शहर में घुस आए और सेना को वहां से खदेड़ दिया। अब एचटीएस के हजारों लड़ाकों ने एक प्रमुख शहर अलप्पो पर कब्जा कर लिया है। इसके साथ ही एक रणनीतिक राजमार्ग को काट दिया है और देश के एक हिस्से से बशर अल-असद की सेना को पीछे हटने पर मजबूर होना पड़ा है। इस टकराव से देश में 13 साल से चल रहे गृहयुद्ध में एक नया दौर शुरू हो गया है जिसके बारे में कई लोगों का मानना था कि यह खत्म हो गया है। यह 2016 के बाद पहली बार है जब अलप्पो शहर का नियंत्रण सरकार से छिन गया है। आठ साल पहले रूस और ईरान समर्थित सैन्य बलों ने अलप्पो के पूर्वी जिलों पर कब्जा करने वाले विद्रोहियों को खदेड़ दिया था। विद्रोहियों ने अब अलप्पो के दक्षिण और दक्षिण-पश्चिम क्षेत्रों में अपना नियंत्रण जारी रखा है और हामा प्रांत के इलाकों पर भी कब्जा कर लिया है।

हालिया हमला कुछ वर्षों में संघर्ष की बढ़ती गंभीर स्थिति को बताता है। 2011 में असद सरकार के खिलाफ अरब स्प्रिंग विद्रोह से शुरू हुए में युद्ध में करीब पांच लाख लोगों की मौत हो चुकी है। गृह युद्ध से 2.3 करोड़ की आबादी वाले देश से करीब 68 लाख लोगों को अपने घरों से मजबूर बेघर होना पड़ा है और लाखों लोग विदेश में शरणार्थी बन गए हैं। इस हमले की शुरुआत हयात तहरीर अल-शाम ने की थी। हयात तहरीर अल-शाम का अर्थ है ग्रेटर सीरिया की मुक्ति के लिए आंदोलन। इसने उत्तर-पश्चिमी सीरियाई प्रांत इदलिब को नियंत्रित किया है। अबू मोहम्मद अल-गोलानी के नेतृत्व वाली एचटीएस लंबे समय से इदलिब में प्रमुख ताकत रहा है।

तहरीर अल-शाम को पहले जबात नुसरा फ्रंट के नाम से जाना जाता था। दरअसल, एचटीएस को अल-कायदा ने बनाया था ताकि यह सीरिया के गृहयुद्ध खत्म होने के बाद यहां की स्थिति का फायदा उठा सके। यह जल्द ही अपने मकसद में कामयाब भी हो गया और इसने विद्रोही हमलों के साथ-साथ सेना और अन्य दुश्मनों के खिलाफ आत्मघाती बम विस्फोट किए। हालांकि, यह समूह धीरे-धीरे सीरिया और इराक में इस्लामिक स्टेट का कट्टर दुश्मन बन गया और अंततः 2016 में अल-कायदा से भी अलग हो गया। अमेरिका, रूस, तुर्किये और अन्य देशों ने तहरीर अल-शाम को आतंकवादी समूह घोषित किया है। एक अन्य विद्रोही गठबंधन ने अलप्पो के उत्तरी इलाकों से अलग से हमला शुरू किया है। इन विद्रोहियों को तुर्किये का समर्थन है और ये सीरियाई राष्ट्रीय सेना के बैनर तले संगठित हैं। इसका नेता 42 वर्षीय अहमद हुसैन अल-शरा है, जिसे अबू मुहम्मद अल-गोलानी के नाम से भी जाना जाता है। गोलानी का जन्म सीरिया में हुआ था। 1967 के युद्ध के बाद जब इस्राइल का गोलान हाइट्स पर नियंत्रण हुआ तो इसका परिवार यहां से चला गया। गोलानी को 2006 में हजारों अन्य विद्रोहियों के साथ हिरासत में लिया गया था। इसके बाद उसे पांच साल तक अमेरिका और इराकी जेलों में कैद रखा गया। अबू मुहम्मद अल-गोलानी को 2011 में रिहा किया गया और इसके बाद यह अल-कायदा का नेतृत्व करने के लिए सीरिया लौट आया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादक: रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोट: प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129